

ণবমারাধ্য পুঞ্চাপাদ শীমুক্ত দারকানাথ বিজ্ঞারক্ত শীমুক্ত মধুরানাথ ভায়রক্ত (भाहे-द्रशक्नभन्न नान्नाक्। ऽक्रणाकि श्रेट क्षकानिछ। ल्डानिया व्यक्ति महानात्रम् बाना मरत्नापिड প্রিমুধ্নাধ স্থাতিরত ভটোচাধ্য কর্ক

३) नर, वाद्रावनी त्यारवद्ध क्की ; मध्यानम त्यारम मिनकानम् मक्समाउ पादा मुजिछ। किलिका

मन १७०२। यहि खोका

मून। १०० क्रम जाना माखा



+



ভগবদীছ্যায় ক্রমশঃ "হিদ্-সংকল্মশালা" অইম ভাগ প্রকাশ হইল। ইহাতে কালিকাপুরাণোক অষ্ট্ৰম ভাগের বিজ্ঞাপন।

সুর্গোৎসব এবং বাবছা ও ভগবিফুকুত টীকা সহ সাধারণ কুশভিকাদি লোখা হইয়াছে। সূলা। 🗸 • ছয় জানা। দিননিধিয় প্রভৃতি সহ জন্তান্ত সংখাহাদি এবং বুবোৎসর্গ, বভাদি প্রভিত। ও বাস্তুয়্রাদি প্রদার

ीत हां भा खाक छ हेट्टा मुद्या ।√॰ काता, विः। ६म मध्यत्रव २म ज्ञात,—मरावश्चा-ठर्णव, बिरवती थ काब्रिकी-मक्षा, ज्ञामानि नृष्यिक निष्ठा

्डिस मार, अम्, जाएका, नन्मास्वरोत-खव मम्ह, मह्माम, निवदावि, क्याहेगी, बामनवमी, मीनाविका ख ं ७४, मर् अर छारम, -- माध्याम-मध्याम-मध्याम नामरवर्षी ७ वर्ष्ट्रस्ती व मार्स्त, अरक्तिमिष्टे ७ जाक्तुम्प्र-यक्षात्रमानि ट्रोंचा कार्रक्षा भूना होने चानित्त के अवस्थाता । कार्या कार्यका कार्यका कार्यका का कोगः ७ जाबिको भूवामि, कमजिषि, त्काकाग्त्र विवासम्बद्धारमर्गाम त्वास ष्याष्ट्र । म्ता भाष्ट बामा।

७॥, मे, ८ष ज्ञारम, — मास्ताम-यश्मित्रक, मनिष्ठव, ज्ञामिकाश्चमम, मनिष्णोकदम, मस्त्र कुछा, चतमाइ, कामि खार्क वर्गक मुत्रुक्कका, खेपन्यन, वृत्वारम्भ क जककाव्यिमित क्षापि त्नवा व्हेबाट । । जाना।

यां वर्षीय कोटमोठवारी वर्षा अभिवेदक भ, देवकत्ती, ठकुक्मभाष्टि, ज्लिकाकन के मभागिष्णमानामि १४० कामा।

रक्ष, मर, ध्य खाटम,—विवाह नक्ष्मभामि श्रेखांव, माथ्याम-माम अ यक्टर्समीत मध्यमान खंकब्र, मारज्ञा-

रक्त माम्बन्न धर्म कारम, — केशिक e मन्नाखनीन शाम मायकीन नारमन बामिकक, त्मा-त्मना, अधिमा गगमन, ब्राम, त्मान, मानविधि, खराखि, कराटाचारम, गात्रविकराठ ७ स्थानका । बुना ।√॰ जाना।

शुक्रामिक्षक्षांव खबर मंत्राविष क्ववक्षां ७ कर्षामि तह कामिशुक्षांकि लागा क्षेत्राएक। मृत्रा १०/० छत्र क्षाना।

भ्य, ভাগে, – भवातका क्यांबीण्या, विष्ठ छ श्वकत्वताताण, सगकावी, जमश्री ७ कांबिकण्या खरः भुष्टिमथङ मर्सभ्दान निक्छ उत्रक्षा यह दृश्यमिटकथेत श्राप्ताङ क्रीप्कामि टनथेम बाटक । ०० व्यामा । विटम्म विकामना

স্মগ্রয়ের বছক প্রচার মান্দে সাধারণ ব্যক্তিদিগকে জানাইতেছি যে, আপনাদেয় কোন প্রকের

'हिस्कुक्ककांगरम' भव निधिरत, वाहकनिरभन षाण्याम मर्ज भूषक निर्माठम भूसक भीष भूषक पाठीन মাই হে। (আন্ত্রতারের প্রত্যোসন থাকিলে, ডবল কাডে পতা লেখা আন্যোজন) মহা মূলোর প্রকের জাজ बारग्राका ब्रहेटल, कामात्र नात्म किया कलिकाछ।, नक्षिशानित्र श्रेष्टि ১৯।১ नः मच योगार्कि এख का हिकि भाठिकिता, किः भिः बत्ता नारमना, वृक् त्मारेष भुष्ठक भाठीन यात्र।

क्लिकाजा, —(गाः, —वद्राह्मग्रं, गानगाँ)।

প্রমন্ত্রাথ স্থাতিরত্ন ভটোচার্য।

	_	_
ł		ŧ
ö	č	•
u		•
ŀ	,	V

			146	विश्			4
বেশিশ	:	:	^	(श्रममश्रकीय स्कांख्या विश्व	1 विश्व	:	100
अ श्वित	÷	÷	9	मायाञ्चकणिक			۶ ;
मश्चमीशृक्त	· :	÷	¥	क्रिक ७ एमीठाकन		:: 1 :	3
সন্ত্ৰমীর আবিষ্ণ	:	:	ž	विवाह-त्यामाम			*
Ikalak	·	• •	è	गाय-त्राम		:	- P
गांबर्ग्यका ः		:	Á	म खुर्जा में शियां			
ग्रयोश्काः		:	*	मामिखाइन	•		,
विक्रमाम्बन्	:	÷	*	जिस्त्र विकास			2
শ শরাজিভাগুর	÷	÷	â	श्रुटिरश्रम	:	: :	٠ ١
मा श्रृक्षांत्रस्य	:	:	7	· ·			2

विटनिय क्षेट्रेवा

এত জ্বারামকঃফলবাদী ব্যক্তিদিগকে জানান বাইতেছে যে, বাঁহাদিগের ইংরাজি বাকল। ব। স'জ্বতী কোন প্ৰকাৰ পুত্ৰক কিখা চেক্বিল প্ৰভৃতি ছাপাইবার প্ৰয়োজন হইবে, ভাঁহারা বিশেষ বিবরণ সহ

জায়াকে পত্র নিধিনে, নিজে ভস্বাব্ধারণ করিয়া, বিশুর্রাণে ও স্থলভ থরচায় পুশুকাদি ছাপাইয়া দিব।

জ্ঞীমমুথনাপু স্মৃতিরন্ত ভটোচার্য। গোর্গ—ব্যাহনগর, পালশাড়া—চতুলাটি।

श्कि-मदकर्ममाना

অফুম-ভাগ।

ट्यायम *। शुक्रक निर्जाकिया ममांथा शुक्रक खिख्यां न कांत्रो, महस्र कांत्रिका কালিকাপুরাণোক্ত সূর্গাপুজা পদ্ধতি।

(१म जाग, ७४ श्रेम तम्य)। गत्न, तमरवात्या-च्युक्तमञ्ज मिन्ना, घडे-

* नवनी त्यावन अस् क्षात्रक अञ्चिष्ठित आत्रात ७ यावशामि असर इत्तीष्मव मध्योत्र जिल्मा आवर्ष्यामे अस् आत्र

ec পুলী হইতে সংঘটিকত্ত পুলাবোক্তি পছতিতে দেখিতে এইবে। কালিকা পুলাবোক্ত পুজাল বে কিছু বিশেষ আহে, ভাহাই দিখিলায়। পুলক মহাশলের। খ্লাসমূলে হুপৌণ্সবের্ लाक्षेत्रजाम एतिका वाहित कंतिलाई हानित्य। "हिस्मुडकर्गत्राधा" अस् हहोछ हम छात्र नरीछ अन्मेष्ट जन्मेष এই সকল বৃহৎ পুজার হতকেশ করা উচিত নহে। বে সকল বিষয় মরণ নাহয়, ভাষে বৈ ভাগের যে পুঠার উলেধ আছে এই পদ্ধতি ভালপ্ৰধে দেখিয়া গাখিলেই অনাগ্ৰাদে ইয়া দেখিয়া কাৰ্য্য ক্ষিত্তে পারিবেন। জালাদি জাভ্যাদ না ব

(नम जीना, ७७ श्रेष) कतिया, "ड्री" मत्ये लागाया, कत्नानि अ जमनानि कत्रनानकत बर्हे गरनमामिटक गक्रशुष्णामि वांता शुका कतिया, धूर्गात थानि धवर विटमवाचा खाननामि स्रोशम ए श्रीक मायानार्था, जायनश्रीक, क्षण्यिक, (य. १९ श्री) माक्कानाम, अधिनाम

कतिएव (पम ज्यारण पर शृष्टी इटेटड तमथ)। "धं घूरर्ग घूरर्ग तम्मनि यांश ही" धं घूर्गीरेम

নমঃ অই মত্তে ছুগার বোড়শোপচারে পুজা করিবে। পরে, দশোপচারে বিশ্বয়ন্ত্রশাস

হিন্দু-সংক**র্থ**মালা ।

मात्र अक पटण दीषाहे. ४ ठटेरन। अटे घटे म क कारह द्राविद्रा कांत्र कतिरका तकान आस्तिवा प्रक्रिय मा। अक विषय श्रता। षाक्रमभाष्टित सक्षीरि मामारक त्यांश्रामि देव। महक्रमाणि ह मश्त्वांश क्षांखर ভাষানভিজ ব্যক্তিগণ একবার উপত্ত আকল প্তিতের নিক্ট যুমুধ প্রয়োজনীয় বিষয়তালি বুখিয়া লইয়া শিক্ষা করিবেল; भे जावणम्य वर्षाथीय त्रामन्धान्धान् । जनाति अमाना त्वारमा तमनाष्ट्रीय क्रेड আৰাবতীক মতে বার্মার বিশিষ্যা হান নই করিয়া এমাহকের ফাতি ক্রাজণেকলা বরাত দেওয়াভালো। বিবয়ী বাসংক্তে श्रमा कतिया, वामाध्यमि श्रमक कत्रत्यात्क भिष्टत्य,-

र मायरवमी घडेबाशन श १८ शक्ति धनर घळटल्लमी घडेकाशन पत्र छाटन ६. शक्ति तन्त्र ।

त्मरहेकू बारनक विषय तम्रिक छण्डम मध्या व्यावध्यक ।

मीथव जारियन घटाडा मनोष्य-खरेथव नाजन् विभिन्नाडिग्रामि । जरभरत,काल ड्राइट्रेग्र बारतान-The saleta (in oth, to the coat), I should be a second to the second second to the second second to the second second to the second se त्रांकार सूत्रानरत् । जन्मार षार षार टाजिरवायत्रामि विकृष्टि-त्राका-अञ्जिष्डि-रराजाः

の一般では、これには、一般では、一般を持つには、ない、これになっている。 रिका स्तिका बाजा ' ७ क्लाक्षि कड्टाग्राश्मि करैन्य या कांग का श्रामाक्रमि क्रमक्लेर ् पिछियोज्य शुक्क अञ्च क्रिंग्रस (श्रम जानः, १७ श्रेती एनस)। शरतः, आधानार्था, थामामि (१म छात्र, १२ श्रेत्र) श्र्यक मुन्ना कत्रिता, विषहात्कत्र वर्षामान्ति शुक्रा कत्रित्य। ज्यभारत, त्यांशन षटि अवर नव भविकांत्र त्येषीत ज्यांचांच्य कतित्रा, ज्यांधवांत्र वितित्य। (क्षेत्राम) प्रम महता, - 6 मम्बात्री ह्रतिय्वीत - म्हाति । योग नर्या, - 6 खान रेड जारमार्काक, कृष्डक्षिक टाकृष्ठि वंशामिक कंत्रनामक्ष्य भटनमामिटक शक्षेत्रम् किया, ब्यंबीत म्हामाम् । भागा रेडल-र्शियमा जागा डगयम् मात्रा नवर्गात्रमान् छडाधिराग्नमा 日本のでは、 コーニングを変えなり 日子

नक्षीं कि शक्का व्यवस्थात आर्थ सक्ष्यक्ति क्रश्मिष्टने वार्थि व्यवस्थित स्थाना अर्थत्वोकंर प्रश्नेमानः । भरत, पृश्ने शकामि विरम्धि खर्ग कांत्रा विरम्धि प्रश्ने (भर्म छात्र, ाफ शर्धा) भाठे श्र्विक बनाटक गात्रखी भाष्टिता, जाविवामन कतित्व। भटत, विषत्रुरकत স্মায় কোণ ৩ শৈষ্তকোণ ভিন্ন দিকের ফল ফ্রা সমমিত (অভাবে অনির্ম) ছেখন-रवाभा भाषात्र मिक्टत हिस्स मित्रा, कत्रात्याए जामखन मज्ञ भफ्टिन,—'धे रमक्रमकत टेकनाम श्मियक्षियत्त्र गिरंत्रो। ज्योकः श्विकनत्रमः षर व्यविकाग्नाः मना थितः॥ श्वारेमल-ভ ভূতাঃ ইহাগজ্ঞাগজ্ঞ——আবাহন ক্রিয়া, এতোমগুলেপ ও ভূডেভেড়ো নমঃ। এয মাযভকেব^{িন} ও ভূতেভো নমঃ। তৈ ভূতাঃ পেডাঃ শিশাচাশ ৰে বসন্তাত্ৰ শিশ্বদ্ধ জগতঃ প্রাফলঃ প্রান্তিকভনঃ। সেতবেসাহ্দি সমা গছ প্রজ্যা ছগ্রিকণ্ডঃ॥ क्षेटान । ८७ शुक्रक मन्ना महिला विमित्तमः समाधिकः। श्रक्तिका मन्न-श्रमारिमार्गनिकि-ভাপিভান্তধা। দেশাদশ্যাৎ বিনিঃস্তা প্ৰাং পশ্যন্ত মংক্তা। । এই মন্তে শেত সৰ্ধণ্ শক্ষেণ ক্রিয়া, আর্রিক ক্রিবে। পরে, ব্যবহার বশতঃ বাদ্যধ্নি পূর্ক প্রতিমা-

হিন্দু-সংকর্মমানা।

THE PROPERTY OF THE PROPERTY O সমীপে আসিয়া, পুর্বোক দ্বগুণারা গায়ত্রী পড়িয়া, প্রতিমার অধিবাস ক্রিয়া, প্রতিমার চতুকোণে কাণ্ডাৎ—ইত্যাদি (নম ভাগ, ৭৬ পুষা) মত্রে কাণ্ড চতুষ্টয় আরেশিণ बदा श्रुव त्वष्टेन श्र्मक जात्रविक कतित्व।

(1981 - 1982

नुषक जिङ्डाकिया भगवा भूक्क विष्ठक-मगीरन गहिता, भर्माभागित विष्टुरमेत्र सुना कतिता.

क्रिटिक (मिनि मर्सकर्मा)पार्टकटन । शुक्ता ध्रुमिन अमुपि समाप्त नामज्ञीवाजा। अह गई पिल्हा, वाहास्ति शुर्तक हिन विष्णांथा महिन नव अधिकारिक छन्ती-मेनीहिन किन निर्मा विकासित । के कि कि कि कि कि को प्रांता।" अह गरंत निक्र कि कि भीषा तक कि कि कि कि गर्स ! भावात्मात्रमात्रमात्रमा द्वापा न क नाग्र क्रां बाचा। त्मत्नमात्रीका एक कापात क्रांन कर्ताक क्षहरवास्य मिक्टब,—" ७ विषयुक्त महाज्ञीभ ममा षर मध्यक्षियः। अतीषा भवन्ताष्ट्र भूति क्रिनी मुकार कर्षा ड ग्याक्षमन्त्रकार्थः त्नेशामि जिकानकार । विषणायाः भमास्त्रिकां नथीतिकार व्यवस्थाति । जानक

ক্রিবে এবং নবগাঞ্কার ও দর্গ-ক্তিবিদ্ধে দ্ব্বীর জাগাহ্ন ক্রিয়া; তৈতা হরিত্র। মাধাইবে; मरिनेन विकास कृत । ७ व्हिट्स व्यक्तामि नक्षत्र जनमाथिएत। क्षणकामि सम्बोधिक क्षण्यामि ানবণাত্তিকা স্থাস 🎮 বিভৰ ক্ৰাণ্ডাসা,—ভ°় ক্ষণীত্তসময়োসিং বিকোৰ জগত্তসাজলৈ 💨 আন্তে नंवशीब का संगटक उर्जनातिक । ' अंक कि का स्वित्रश्नामि माना मिकि अवनित्रोक्षा प्रमानिकाम स्वक्ष ভ আহিলল জীনিচেলতোহ্দি সদা বিজয়বর্জনঃ। দেহি মে হিডকামাংশত ধেসলো তবৰ সৰ্বদা। 🐞 দাভিমায বিনাশায় ফুলাশায় সদাভূবি। নিশিতি। কলকানায় অসীদ খং হরমিয়ে । ওঁ ফিছা ভৰ স্দাহ্ৰেৰ্ম আন্দোকে শাক্ষারিকী। ময়াম্বং প্ৰিকভাল্বেৰ্ফিয়াভৰ হ্রাজায়ে। ও সাধনা মালেস্কু প্ৰথছ যে। এ জনগুৱী জনত্ত্বাদি জনতাং জনকালিও। সাংগ্ৰামীত দেবি সাং জনং দেছি সুহে এক। भव, — ज्यां वाक्रपंदन त्मिव मिर्ग्यक्षिण । क्यांत्मभव्यति विवासारम विभिन्न ।

गमोडीयसानी बरसरक्ट्र ग्रमात मरणायिकात जाम मात्र जान कताहेता वानित्रा, त्यनी-मनीरण नेठीतात्र कर्मन माहिक नक्राधिकारक अधिष्रा, महाज्ञान क्याहेश शारकता।

बुटक्य माननीशः युत्रीय्टेशः। मानश्रमि महारतनीर मानः त्नहि नत्यशिख छ । ' नमी-किर माछ-রুণাণি শুণিনাং প্রাণ্দারিনী। ভিরাত্যক্তং হি মো ভূষা গৃহে কামপ্রদা ভব। ।।

७ गर्जित गत्नारकरी मञ्ज गरीन्छ] मञ्जवाता वर्षाकरम जाम कताहरदा गर्जा, नक्ष्मेया त्नीयन माज চত্তক ব্য শারা কামণঃ আমন করাইলা, মধুবাতা—মত্তে মবুহার। লাম করাইবে। পঞ্জাত চ্বিজাভাবে त्यापुर्व हुन बाता करीन छ नदनधिक। तक्ष कतित्व। भत्त, "गांदवी भाठ शुर्मक ही क क्निटिश समड़" महत्र जिमन चाष्ट्रक थन निष्युष्ट कर्ण्य ८ (निर्मामुकिन) व्यक्तिक सरा मिचिक मनबात्रा मान क्ष्मिन ত দেবজ দা স্বিষ্ঠঃ প্রদ্বেহ(দ্নোব্ছিভ্যাং প্রফা হতাভাাং হত্তমাদদে। ক্রোদক্ষারা, 🗝 🛎 महायामा ।-- नमी खन नूर्व घर बांदा, -- ख जारबारी जायती गया वम्ना ठ चत्रम्छी। नदव्रमित्नी श्री (पछणका ह त्कोनिकी। एडाशनडी ह भाडात यह ममाकिनी छवा। मन्ताः क्षमारमा कृष खरनाटत, ॐ ख्रताब्रीयिखिविकक ।—हेंड्यानि [१म जारनंत ৮७ शृधीय ध्रेषम भरकि कहाँ छ । ४५ शृधि हार । गुरम्तिक षात्रा, — ७ जावरता रेज्यतकाम तड्जरम जन्मयस्ताह ज्ञिष्कामि महत्रदेखा रेज्यतमान विश्वाप समाम्रात्र सामित्रकाचि । हेसराज्ञासरत्र नमात्र सिटेक यनरंगश्किषिकाचि । क्रानाकर्षाच्या -कृषादितः भागमञ्ज जाः ॥

मीगरवाषक, वरकाक खरा विचि क मंत्राता, — क मात्रात्रों निमारक जनतरेका स्पारि जर्मी त्मीत बहे दिनिक मन ठ्यूटेन खाटातिक गाँउ कतिता माम कताहार । भात, अहममा मान कतिहर्द केमेबांद्रा - के मागदाः हतः मकीः मकत्वारका मनाकथा। मरक्षितिकः नानभेभ नक्षिः मन्त्रे रक । के सरदाशक स्तामिनिमिन स्थ-मरेनिस्था मर्थात्रा तम्बी: कार्णामि मर्थानी: । किस्सु नीया, - के वामिनीतन भूरवाहिक :-। के हरवर कार किना । के जंग कांग्रेहि-। के भरमा तनती-। 8। भित्र चात्राष्टि नीज्यत भूपारमहिन्त्रोगीज्यत मिरहाका मरीनि निर्मित । मधुषात्रा, उर्ही खनिष्ठीत्र नमः। कुछषाता, मही मिन्नटेन कारा। क इंदबाता, मह निक्ति अपरे। कानावित्कटनाक्काता, दे के का है। है मूर्य महारी, - हो जिल्ला है (बोर्स)। मिष्मां है, ज्यान के निर्मान के ही अधिकारित नेव:। विकार अमारी, -ही हामूजारित: नेव:। अर्मामक्षांता, -हें जिल्लार नेबं!। थरकिश्रादा अहै महस्र सम्मनः मान कताहरवा। मत्मीनिति अर्थः महिनेविति मिनिकि स्मापिता, न धा स्त्रवी: त्रामत्रास्तीवस्त्री: मङ्गिक्का:। जातामिः तिष्क्रस्याः बाकामात्र मध्यमि। महन्त्रात्रा

পদালন পুরিত ঘটনার। ১.—ও ছ্রাখামভিবিশত অন্ধ-বিষ্ঠু-মচেগখনাঃ। বৈদ্যিসদাখুশ্বের जारकान कंगरनन छ। । बृष्टिकन श्रीतक घरणात्रा,— उत्तरकामानिकक जिन्निम् का प्रत्याहा।

माण्टिन म्हाबटम । निम्राधनाम्हा विष्णेष कृषीय क्वाटम छ । जा भाषामाम मृतिक प्रियान। মেষাৰুণীলস্পেন দিতীল কল্লেন জুদ্যা শ্ৰুষতী অলস্থিত ঘট্ৰালা,—উসারবভেন ভোষেন उँ मकामग्राकाजिकक त्वाक्णालाः ममाग्रकाः। नाभरवामकपूर्वन रुष्पंक्रारम छ। ह। निव्यवस्ति। जन्मत्याति व वास्ति । भिष्ठात्ति भण्यत्यस्यिताः निक्त्यातिविक्तः यात्राक कमरमम छ । द। निवत्नामक श्र्र घटेवाता, — ७ क्षित्रक्षभक्षां वाधिविकेक नर्भकाः। निव्दात्रोक गुटबंग वर्धम कमारमम कू । ७ । भक्तिवीवीक्ष्मकिष्मा, - ड भक्तिविधाक्रमूलिम क्षात्मेम ब्राजक्ति । म्खरमम्जिष्कि सम्यः महर्ष्यत्याः। ११। ज्यानाम् व मृत्रिकं घरेषात्रा, अर्थः वनवर्षाचिषक क्यान

1

্ত এই অট কলত সালে বিশেষ বিশেষ ভাগে বালোর এচলিত না থাকার বিশিলার না। বাজার পটাবাজ করিলে। সালীয় জন্ম বিশেষের অভাবে ধারণ তথ্য এতিনিরিজ্ঞে একেশ করা হয়। But State as as a contract to a color of the case of the color of the color of the colors and the colors of the co

मोहेटबंस कू। महिमयननरपूटक कृत्री तिनि नरमाश्रेष छ । छ।

यहोत्राम मग्रीनेनाएक (योज्यक बांता मनीयित कम मुक्षिता, जैवाद मधाकता निमृत मांबाहेता, विबशक बुक्यनग्रामा हो। दीक निवित्रा, डाश्त डिनंत विकान क त्रानाकात्र भवन पाक्क कत्रिता, विकाशिकात

महा । कहें अह यह महा महावात हिलायन गुर्मक, -- हे बनमर्गह टि कृछ। त्य कृछ। कृषिमानका: । कृष्ठानाम-म्बन्धकार ॥ अम् मायककारनि के कृष्टाका नमाः। भागः, नाम ठम्मन निषाम कम्म मुन्ता कृषा क चामक विद्धारकम क्वीप्रकार कर्ष्यायात् । अ त्वानां कि निमातां क प्राक्षणां भन्नीक्षणाः। ज्यानमंत्र एक समित्यसः क्षमापिष्टः । श्रीका अम्भूषारिष्ठम्मिष्टिक्षिनिष्ठ्या । त्म्माम्माविभिष्ट्का भूकारं गर्भक् छैनद दाविष्ठा, मदभक्तिकाटक चानछ। ७ दिवर्षभन महिल न्छन बच्च् षांत्रा दीधिश, दब्र नद्राहेश, षाद्रतारा ार्ष, आमत्त्र वित्रा, व्यक्तिय श्रीक क्डानियन क्षित्। 'कि क्छिला मधः प्रवासिक गुष्पा क्षिया, जावक करीन महेश, -- के कुड़ाः ट्याडाः मिन्धाताक त्य यमकात कुड़ाना ट्रिका महास्त्रा 和比較 為「如本打印書件 有其事者に » 。 ぬぎ 和C書 皆を! 更多行為 「 「 「 「 」

तमरीज्ञा किनाश्सिक तमरीत महरक मुन्ताक्क मित्रा, तमरीत चानमे मित्रा, मधिरक,—धि छिथिएक छम ा नींखकाखारमण !--नरकानिहारत '' विषयाशातिरिमा धृनीरित नमा' मुका कतिया, नींबिकारिक

मिछेशानन, मामाछार्ता ७ मामनछि ष्यांकरम स्तित्। [१म छार्तात २० भूतात १ माणि वर्षा कर कतिया "हो" बरज थानावाय श्रुक्क, सत्तामि काम कतित्व, पथा,--(पण्ड क्रमित्रक्षण) नावध चित्रिक्षी-गरत, फ्रण्डिकि दि ११ श्रेत] माक्र्याजांन ७ मीरेकान (१६ फारमक २० मुक्ते बर्घर दिन्ते] छरशात, व्याख्यात्र शाहिक अ विविक तमवजात यथाकाम कच्चगाम अ व्यामध्यक्रिको कवित्रा एषती शुक्रीय e नश्कि नदीख तस्थ]। नात, त्यकनदीन नहेत्रा,-"के ष्मानमिक्ष क कृषा ति कृष्ण। पूर्वि সংখিতা। বে ভূতা বিশ্বক্রিয়তে নগুত শিব্যক্তা।" এই মত্তে বেতসর্শ হিকীয়ণ প্রকাক ক্রিক্ত कटना इर्गातमव्छ। ठकुर्मनिष्टत विनिद्याभः। निद्रमि नातम्बन्ध्व नयः, मूर्णमात्रबीक्ष्यप्तम नवः, निम यादद शुक्रार करबास्यहर । एर नमा नवमामक्तिष्यस्य निवयवणा । टेबरमारक्राधांत्ररहरूष्ट्रयन् घन छात्रुम्न हालम् कृत्ती श्रृकार्यका अधार्थाः मस्पृत्क तानी चडेनिङः मिक्किः महा। शृक्षाः छीन। यूरण यूरण । कं के ही कार भी प्रमिष्टक किया कर । अहे भक्त मध्य पाश्रास्ति कविका, गृहान प्रसूचि मस्कनात् एक्टरन । जात्रक्क मस्त्रह तात मस्मान्तिका क्रितान व्यक्ति किंग्ने क्रिक् मुकालन श्रीसक तमनीदक खानन कवित्रा, नवनिष्किकाटक भागत्मात्र भार्ष खानन कत्रित । " বান পদাঘাততায় ও উদ্বোধতালতায় এবং হুড়িষারা দশদিধন্ধন করিবে।

সঙ্গী-পূকা।

۶

गवाननः। विमनामकतः तत्तरः त्वत्रमः अनियामाहः।" अहे मत्म्र सीवामः कत्तितः। शत्त, क्रीः, विक्तुः . ख्रुणेटब, ॐ स्कृष्टिम्बुटे नगायुक्ताः—हेट्यामि [१म जारभव १२ भृष्ठे।] शाम कवित्रा, मानत्नानिहाइत थुका ७ दिल्यावादावान सुर्वक त्मवीत नर्कातक शक्यांत शुलाखाँक मित्रा, शत्यात्मत्र मित्राहरू आहित्र आहित्र आहित् গণেশ্ৰট ক্ৰিন্ত ক্ৰিয়া, 🗳 ৰচে ধৰাশকি গণেশের প্জানভয়,—"ওঁ এক্দ্তং মহাকাসংলেশে। শিৰ, অৰুণ, নৰপ্ৰহ, মহাণৰী, সৱৰতী, কায়া ও বিক্ষার যথাশাকি পূকা করিয়া, আন্যার্শকায়াকি गत्व, शूनक गाम शूर्तक "हो" यत्व श्रुणावनि निया,—ड ष्ट्रां यर्जनक हार्न-इत्तानि । भ्यं ३० गुर्धा ए गाकि हरेएक ३१ गुर्धात त्मन माकि मर्गक । मत्त्र जावारम कतित्व। লোড়দোণতার পুৰাঃ⊸ুভাষাধারে আগ্যন রাধিয়।,—বং রজভাসনায় লমঃ, আর্কলাদি করিয়া, "देशः अक्छाननः अंष्ट्री प्रती तकनि योदा ही" अंष्ट्रीतिक नमः" अंष्ट्रान्ति काष्ट्रान्तिक गृहान मम गीठेटवरकापिटशत् [१म जात्र ७७ भुमे] शुमा कत्रित्व ।

•

बर्धात मर्कणाणक्तर खळा। श्रापात्मनीतः षः महा छळा। मिटनिक्टर । सेमा आर्था महा खळा। छव नाविष्ठानश्तिकाः। ष्याठामत्र मश्रामित खीछ। नाबिर ध्यमक त्म। मधुनारकं,— के मबुनकर शृद्ध मक्राटमाचि मर्काकुःबार्गकात्रिता खांत्रच दत्रतम तमिव नगर्ष्य भवतिवारम् ॥ षार्षा, -- ७ मुन्ताष्णक मश्रामित जमारेणः शिक्षिकः। मन्ना निर्वामिकः एन्हा भूषा भन्नामिन्ने ॥ शुम्राष्ट्रमानिम्नीत्र मिन्ना, त्रामार्थ कम क्रिटन,— के कनक मैडिना व्यक्तः निडाः छक्षः भटनार्थतः। त्रामार्कः छ क्षामधानि वात्माति क्रम्म श्राम वहनिति। छन्नवानमध्यकः प्रक्रिया। घर्नित्मि कांबलः। मन्ना मिरविमित्तः कटना भार्मिकि षः कानीम या। क्रमामिन क्षेत्रा बिन्दिन,—'सै क्रमविक ছুতে গুমাগতঃ অসমদানের ভার পাভাদিও অন্তনা ক্রিয়া দিয়। মূল পাভিবে, নশালে, নশাভিং ममोधूकर विषमकार छथानतः। त्याज्यः मधानाककः गृहानावाः क्राजिता मामा जीर्षाक्ष्यः यात्रि क्क्नगानि मुनीस्तार। श्रावाष्त्रिमार तावि वित्यवित्र मत्यार्ष्ण त्रि॥ मार्श्यमामामारात्रा मित् मन्नीर्वताविष्क । विष्णेषक्रकादारम श्रृष्णिष्ठाः स्त्रीक्षत्तः भाष्मिनीर्षः,—कं मन्नक्षिण् क्षिका व्यक्तिश्वकार ॥ (व्यक्तिमीत्र नित्रा,) बटब,—के ब्रह्डक मगायुक्तर पहेण्यानि निर्मिकर । क्षींकर बानारक निव्नोत्रकाः ॥ (चाठमतीत्र नित्रक्ष,) चनकारत्र,--निन्धत्रमन्तायुक्ता मित्रिकाक्ष्यम्बाताः।

नश्मी-भूका।

८म्म् मिलिए। व्यक्तमहरू प्राटमका १८मित मका वर्गक्रोत। विषयात निष्या, — के व्यम्टर्डाकर ख्रिक्रम मक्त्रक मुना विषय । विषय का विषय का मि अविवार उठ काउमादिता थ्य मित्रा—के वसम्माकि करमा (कांगिकी तरिष्मान्तिक व्याख्ना क्रिकटेष व छ । ः त्या त्यिष्म प्रवास । इर्तर क्षीरमार स्था व्यक्ति क्ष खकास, —-खेः नमः अन्तरमत्त्री नमास्य गद्धात्राः रक्षाम् । रक्षमास्त्रमः व्यक्ताः । रज्ञा मित्या गक्कमिक्क्वराजाकाः। मत्रा निर्वामित्व। जन्मा स्त्राक्तः अविश्वकाः। नीरण,- अं कानिः দক্ষং আধিষ্তভাগে কলম্বলে,—-ও ফলম্লানি সক্ষাণি আম্যারণ্যানি যানি চ। নানাবিধস্থগন্ধিক ময়ানিবেদিতং ভাজনা বৃহণে পর্যেশ্সি । (এই সময় মোদক অববং লভছুকাদিও দিকে)। ठ नः अवश् सिरक्षींकोन् शकान् अन्तिशृक्षः विमिन्नाकारः॥ ेणूरण्, ---के शुण्नाः बरमास्वतः क्षित्रारः ज्याक (জ্ঞাচননীয় দিয়া,) পামাজীজনুদে,—ঔ জনক শীতলং বচহং স্থাজি স্মানোহয়ং। ময়া নিবেদিজং গাকাণি শোভমিষাতি অলকাষাঃ স্বেশ্রি। াগমে,—ভিশালীরং তৈ নাজামাধি চেইছিটিবৰ ভিনিব शृङ्क एमसिन्यमाज्ञित्तः। व्यामाकटेनरवत्मा,—ॐ ज्ञामात्तरः वृष्ठनरवृष्ठरः त्रदेतः व्यक्तिकः ज्यमिकर। खच्छा। गीनाथः व्यक्तिकृष्णकाः ॥ भूरवित्र कातः जात्यनीत्र कित्रा, ार्वत् न किरव, ⊸के कलश्वनेपाक्कर कर्णुरवन ज्वानिकः। यज्ञा निर्वनिकः चक्का कांच नः अधिकृत्वकाः । कर्णातः मर्का विव्यन्त्याकाः मुन्ग्यामा अधिमा त मिरम, मुन्गाकान मान मडा,—क जिलकारेम विमर्क जगवरेका मीमनि फरमा अनेको खर्डामधार । [तमरीरक मर्नन तम्बाहरर अवर रेडबमादात जा, क्ल s बाह्याका क्षित्र डिमारडाम অব্যাত্ত কালে দেখী সন্তাদানক উৎসৰ্গ ক্ষিয়া দিবে ।। भटनाटकरे जावत्रव भूका नमाणनाटक बिनगटनत भन्न सभ ना कत्रिता, अर्थे मृत भूकाटकरे अर्थिटन

■ 動物物 「大学は特殊などで、大学などを見るというできない。 としたが、これにいっているだけで、ため、これでは、自然を受ける場合 भूतः कोनाक्षणामस्य मन्तर्ममन मन्तरम् — पटत गाहित्यं सम्बान कतिया परिकमः। 🔞 🗠 🌣 🌣 🕹 🕹 है। मार्थ काणावाय भूतिक जाटी खत्र न उतात ही। मंत्र जन कतिया, क्यांकि मर्थ जन निधा,

कानुकानुस्य स्टब्स्ट स्टब्स्ट म**्टब्स्ट म्हमीत खांवदन-मृक्षीन** स्टब्स्ट मिन्न म्हमीत स्टब्स्ट ওঁ হংশী ছংগী বন্ধীৰ অপ্ৰায় ফট্। গোক পানা—ইহাগজভাগজত ইড়াদি আৰহিন প্ৰশাক স্থাদি महिलिएक गरकां मिटित श्रुका कतिरंत, वथा,- के हैसांत्र गरकांत्र गराहमात्रियात्रात्र मन्द्रा । (अहे प्रमाम) चीका। छ ध्रतित मिथारेत वस्ते। छ कूत्र कृष्त कृष्त क्षत्रकानि क्वांत कुर। छ कृत्त कृष्त प्रकानि त्यात्वत्रभाव त्यात्रकृष क बहारक मानकरक्ष-ा क यथात्र मानकाम्-। क देव कर कर मानकरमान-। क नक्ष्मांक मनीमान-। नेवानात्रीय व्यश्नामि (कारण, -- अर्ड मध-भूत्म के घ्रंत खनवात्र नंत्रः। (अर्ड करम) के बूर्त निविधि

কালিকাঠৈয় নমঃ। ও মহিংম্যুত্ততুতুত কচৌক্তাসি ছবেটে। মম চাছ্তীলাধীয় আগিজাসি नवर्गावका श्रृका।---जक्कांगीका हेरुगिष्क जाग्रक्ड---क्षांगहम कवित्रा,--- के ब्रङ्कारिकोरेखा जब्बारिक नातिकामिक क्षात्र। बकाक्रतमा नर्जाव माखिर कुक नत्माश्व छ। ।। (धर्रे क्रांत्र) कि काक्ष्रमिक्षितिका তী বায়বে শোকুলীয়া—। ওঁকুবেয়ার সগদার—।৷ ওঁজুলামার সাশ্রায়—) ওঁজুলাকার সভাকার—। अयः। किटमामहोद्य या भासमामहाद्य शुक्षा कतिद्य]। खाषाय मञ्ज,--के श्र्रंज त्मिन मनाभ्रक ওঁ একাণে সপলাল-। [এই অইনোকণান পূঞা আবিষণ পূজার শেধে অনেক শাষ্টিতে আছো।]

हिन्-न०कर्षमानाः।

হর শিবনে। ২ । ওঁহ বিজাধিটাতের ছবিটির নমঃ। ওঁহরিলে হররপাসি উমারশাসি স্বহতে। কাৰিং কুজং গ্ৰাদ্যাকং ব্রগ্তিব। ৬ অংশক্ষিকিট্টো শোক্ষফিভাইস নক্ষ্ণ াভ ক্র-मन निम्निनाणोम् भूकार सुरू खानीन त्या । । अ कामकारिकोटेका कार्किटेका प्रमाः। अनिकास कृष्णमधान टमटेक्सरम् वगरेनः गक्ः क्षेत्रकिः मृक्षिकामि पन-मन्त्राकः वज्ञम्। ज्या ॥ । उत्वासिकोटेकानिकारिका सम्ब अ मर्शतमन्त्रित्रकट्त्रा थोण्यात्मन्तियः मना। ज्याखिकि कट्ता बृदक्षा विव्यत्रक नधमरिक टक्ताक। 6 मास्त्रित्राधिवादेखाः त्रक्षमध्यिकादेत तथः । ७ वास्तिति पर श्रुता यूटक त्रक्रवीकण नरबूटण । छत्रा-শ্বীভিক্সো বুকো স্বশোকঃ শোকনাশনঃ। তুর্গাজীতিক্রো যথান্তামনোকঃ সদা করে। ১০০ া 🛋 সদান विशेटिका- ठामूकादेत नगर । ७ वष्ण भट्य नरमर ८मन् मानवृष्णः महीथिष्ठः । इस ठामूखर्गिष गुक्त शृष्ट क्रोन ट्या । ११ के शक्तिया गरेका नर्भा नर्भा । ६ कन्छः सावक्रकार्थः वर्षना मिक्छिर शुन्ना । जिम्बीजिक्तर शक्तर जनायः त्रक मार मारा ३। ७ मवर्गाजकावानिटेक क्रीटेक्नमः। ६ मजिएक

ड कांन्रधिक कतिया, खब शोके [१म > २२० शोक] श्र्यंक ्छानाक्रप कृतिया, "के ब्रेिखि" भन कतिश्व, मेरणाणिहारत (ममर्थ गरफ व्यक्तिणाणिहारत) धनः महिनांच्यत, मिरह, मर्भ, प्रमृत, मुणिक क छिखिल विक् अध्विति एमस्कात्र मधानांकि श्रुका कतिहत । करशहत (बहतात्र कांत्र मित्रा, ग्रीमान िनय २०६ शृधा तु छकाष्ट्रनान्त्रीत स्थाम कवित्व अवश् छत्तीमाठे ७ छ्ती गाम स्थापि क्षित्रा । [अवे फिट्स मायकान महज नवहुटनी घर मर्शातवमहनात्रतम । शुक्तीर नमखीर मरशुष्ट यक मार-जिप्पत्नामति ॥ 🔻 🖟 🔑 न्त्य, खिल्यांच घटना, मसी, मत्रपती, कार्टिक खण्डि स्पवसीम्रत्र याम (१म ६४ १वी) भूषीक पार्याचन . छवणहत, " ७ माटकाणांकाटेम मनक्ताहित मण्निवादात कुर्णाहेन मगः" अहे महत्र भूष्णाक्षितिक पिरदे। मर्वटका एक मधान मित्रा प्राथित्व]।

गहारुग-गुजा।

माष्ट्रकांकाना, क क्रीरेशाम [१म ७० गुरी ৮ नरक्टि रहेर ह] क्षिता, तमरीतक किया ध्रक्त मध्न खिलिहा मविकास मित्रमुमीयक मित्र, बरडे, भरवम, त्रमा ७ नवदीरस्त ववामकि शुक्षा कश्चिम, व्यापाधाम, নিড্যাঞ্যা গ্ৰাধা পূৰ্বক উল্লেখ্যক গছিত বিষশাধা নিৰ্ভিত দককাঠ নত্যা এই ময়ে দিবেকা - এ আহিৰীকং বলোবৰঃ প্ৰয়োগত বস্নি চাতল প্ৰজাক মেহাক ডলোধেছি বনস্থাত িপতে, নাৱাচ बुटीवात्री कार करे कहे " कहे महत्र शुन्त दिनरंत्रमाति व्यवत्वाकम भूक्क मात्राक्षांत्र, क्षात्रमक्षि, क्षक्षिकि, न्नांकिन तक क्षित्र, के क्षतित देवन क्षित्र। सकत श्रीक मात्माक मत्त्र मध्येति आक्षा क्षांकि क्षांकि [७ मुक्ती क्रेटिक एमध् ने अहर्का मुक्तीय प्रशास्त्रा विषया जिल्ला जिलाहिकात जिलके अधिरिया । किश्मरिय, िगम गर्थ मुक्की । पुर्वतक मान्नटमानगडाटन शुक्का धावः विटममार्थातिक स्थापन ः छः चाधात्रसाकात्राकाः शुक्का अवग्रिमित्तामि, कक्ष्माम क व्यक्ताम [১১ श्रृषे ३२ 'श्रिकि त्यथ्] कतिरव ाश्यात, प्रस्तिक धाम धार क्षेमण सोन कतिया, एन्योहक त्याकामाधार्य ि १३ शका बक्षेत्र त्यका विकार क्ष्यारका व्यक्तित्य ।

-

ट्लिक्टाक यथामिक मुका कतित्व (>१ श्रे:)। भटत, ८वठतात्र टकाश मित्रा, काशामि क्वामान, (१म काभ, मशहेगीत चावत्र शुका।---धंषत्य भक्षमी शुकांत्र कथिङ वफ्टकत धवर नवभविकात शुका कतित्व। थुन्नीकिन जर किया, अधियाष्ट्र शरमेनाति त्ववज्ञानित्यत्र त्याकृत्माणकात्त्र मुना भूकिन मिनाकिष्ट क किकिक 588 कोटी) असीक कांत्रविक, अमिकिन, खर्वामि नार्ड (नम बान, ३२० पुट्टा) हजीगार्ड, स्वीमाम, बना क क्यांत्री भूकाणि कतित्रा, ट्लारभाष्मभीति कतिर्व। जन्ने राज्यार नत्र रहाम भावरण क्रमाधिरकां क विश्वास छद्रभातः मधानम्यात्रं भाषात्र श्र्मिति महिमाल ७ मार्श डेबांडभामि नत्रमिक्तं मार्गाह्न गुर्मिक श्रमा क्षित्रा, हष्ट्रायिकि त्याणिनी खाज्जित शुखा क्हां जात देजतातत्र शुक्षा भन्तक कत्रिति (नम खात्मित ३०-६ भरत, मखरी शुक्रांत जावतर कथि हिमामि लाक्शारमंत्र भूषा (১৫ भृः) कतिता, एक्षतीरक मुनमध्य STATE OF STATE OF STATE OF STATE CHANGE OF STATE OF STATE

अकिथुकांत्र विराम विवस्तामि १ म छात्रात्र ३००० गुर्धात्र तम्या कामिकाश्रुदारम्ब हासूकार्षः स्राम

विकिश्रोणेगािक कतिशा, भुश्याचित्व विवशक बाजा,—"ड कुटर्न छ्वन्ति व्यारा" मध्य प्रथानकि

Celta elace a Seconda Seconda

Sometimes of the state of the s

थवा, --- ७ कामी कदानतक्षमा विभक्षान्तामिभाषिनी। विधिवयोष्टाक्षा भन्नमानाविकृषण्। विभिष्टक्षा ঙ এথাম ক্রিক্টেএই দ্ধিযুক্ত বাকাও পুষ্বিত জনাদি ভোগ দিয়া, আর্ব্রিক ক্রিক্র। অংশায়ে, ধানা ভচমাংসাতি ভৈরব। অতিবিস্তারবদনা জিল্লাললনভীবণা। নিমগ্লারজনগ্না নাদাপুরিত দিলুবা। ः বিজয়। মুল্মী।--নিভাক্তিয়া সমাধা পূৰ্মক ষ্ণাশক্তি দশোপচারে দেবীর পূজা করিবে। পরে, नेक्टल विटानवन्नद्रण खर गाठे शुर्वक (नम छाता, ১२० श्वेत) टामिका कतिया, जिसमात्र मुक्ताक्ति वान क्रमानिक रहेगा, गोफ्टड, 🚗 🎳 मजरीयर जिजारीयर विविदीयर वम्रिक्टर । ं शुर्गर अनुकृष्ण्य मुन्तर 📭 विभिन्न, चटडे खेल क्रिना, दुस्तिम्मूटा (पथाहेन्ना, मरहांत्र मुक्तावाना निर्माता नहेना, क्रेणाम (कार्त्य क्रेक बिकिना में महाता छेनत " के हिरक्षिर्म नगः, के निर्माता वानितेन नगः" गत्म मुम्म नाबित्न । नहम প্ৰতিষা চালনা পূৰ্বক ধৰিয়া পড়িবে,—ও উভিত্ৰ দেবি চাৰ্ডে ভভাং প্ৰাং প্ৰপৃত চ । ভূকাৰ মন टीमांबांबाटक्षति॥ नटः देववीत्र व्यटक व्यवदान ८४वकानिटाव नात किन्छ। कत्रित्रा, 🐣 क्टनं ८५कि व्यक्षक क्यांत्री श्रीका खबर (होम ७ मिक्निक्ष कत्रा कर्डवा (१म जिराज ३३३ भूता तम्ब)। महामवमी भूका।--नवमीश्रृका महाहमी ब नाइ कतिए हहेरव। धहेमिन ट्याकुक विमान क्रमामित्रमाणिः मिक्तिकः मका । अक्र अक्र अंतर क्रांबर क्रमांबर त्रांकरम्पित्रम्

अभियमांत्र छ। यद्श्विक्त महारम् विभीष्ट कमक त्या। जम् मः त्वाक्षित मरत्न कि व्याप्त क्छटत । योग्रे कोमास्य भ्रविक मर्गन दिशकत कतिशः,—७ नियसाम्बन्धित मण्युका मधिका यिक्क শতেল। প্ৰাৰ্থিনগুৰুচৰ কাশিকাশি ময়। কলে। ৩ মুৰ্ণে দেবি কৰ্মাকঃ মুৰ্মিন প্ৰাৰ্থ চিভিকে।

गरीक) मांन टीकरारशक गड निक्रा, त्रवर "6" महावाम त्यन्त्र कवि व्हानि मांशास्त्र नारिक गड मंजियक्ष के में स्टामि ने मंत्रकामा विनिष्ट तम है छ। ख (भम जार अब भूको व अब भार कि इस्त क्षेत्र के भार कि मक्ष्मव याजीत्क क्रुम्मवाश्यमात्र का व्यमार श्रमार मन्ना तम्ब भ्रमामिकामित्रकिक्ता अवक्षमार्थ नमानोत्र अस्य कान्युख्यर । उद्गारत, अमिक्टमायबात्रन ७ दिवछना नमाध्यम अनिष्यं ध्वयर "6" स्थापन (सा ৮৬ পুটা) শাঠ করিতে করিতে দেবীষটের কলছারা স্প্রিব্যর ঘলশান পাধ্ধিত মুক্ত শাক্ত শাক্ত বিক THE THEFTH STATES SENTED STATES TO SENTED TO SENTED SOLD SENTED TO SENTED TO SENTED THE SENTED SENTE

2

সংস্কাণ ঠক বাকৈ ভ কেছিতা। এবং ধ্যাপুৰ সম্পীনে যা এতাম প্রাঞ্চিতা আপ্রাক্ষিত। ा स्थानका अस्तान सम्बद्धानका म्**ष्मग्राक्टिन-दर्शक्रिक्-दर्शक्रिक-स्थान** ः ७ ७६ फिकिमारकामार छारकारि-म्मीडनार । चाउन-व्यक्तार । व्याजन-व्यक्तार व्यवदेशमान्त्रकार । मानास्थान

महा माहक (त्रम्याम) विव-त्रष्टे श्र हमः खीषभन्नाकिका त्रम्हा मन्नी नीकः क्षान्यभीभिक्तिक

किछानै भौक्ष्योगत्म वोष्टान्त-मक्ष्यं क्ष्यग्रमन्त्रिक्ष-क्ष्रबीब-महावत्रोक् नप्रमिश्ह-वामक-विविक्षक-म्राय-माक् শীর্ধার ক্রীয়ে। শোবভোগার্থন। শোবভোগার্থার গরুড্বাহ্নার অভার অভিভার অভিভার আগকান मनी जीही महाइ करण विमित्ता ११ । मार्कर ७३ । मृश्या मुम्मा प्रमा अस्ति मर्मा कार्या मिक्सिमा कामिकमाधिनीः एमवीः देवस्त्रतीयभन्नाकिछाः । ७ नत्या स्त्राबद्क वास्त्रतम् मद्यार्षकान्त्राक् महस्त

मक्ष्य-कृष्य-येत्रक्षम् मत्मरिक्ष ८७ व्यक्ति । ७ मत्मरिक्ष ८७२ त्रुत्र-८१७ म्नाम्बर-मान्न-प्रकृष्ट-कृष्य-रेखेड-निमाफ क्याए-निष-रम्मिन-स्मिनिन-सम्प्रियोग्न अस-प्रमाणाम् अरु-मक्छरम्भाम् अरुभेष्मिकान्यक्षे इस मह मह निष्ठ निष्ठ मध मध िम्बरमङ विकारमङ विष्ठित विष्ठिन विद्यांका विधानक मध्याका कर्यान मृत्तान गमत्री त्र्वत्तम रत्ना म ामत्र छ्यी क्र क्र यात् । अ महत्त्र्यार्थं महाधाराष्ट्रमा क्रि লয় বিকার বিকার অভিত অনিত অনিত অনিত অপ্রাক্তি অপ্রতিহত প্রথমির্জ্যাধ্রোজ্যাধ্রোজ্যাক্র क्षमा विसेत निकेत र क्रतन मध्यमा महरित्राद्यां क्रिंटि ज्यिएक महाध्रेमें श्राक्ष्मिया अध्यक्षित्र क्रिक् ণ্যনাও গোবিদ অসমিজত দামোদর স্বধীকেশ কেশ্ব বামন স্কাস্ত্রেধ্নাদ্দ*্রা*ধ্কুডভেড্ড্র

केटम अस्य महण्डाक मार्थिक भाषांक का कट वर्गम मामटखारक मृत्रपछि भगमि वाम्नि ज्यानि बाम्नि पद्रक्रमध्ये (को प्रकार म् अविकार म् मर्गक्रमः म् भाषामध्ये म् मस्याक्ष्यः म् आधाक्ष्यमध्ये स्थान वा छटवर । व्यक्तिमान्नर विकार निर्मात करिन करिन करिका । उन्हर्भ । अस्ति करिका अन्य छत्त्व अन्य छत्त्व अन्य छत् मछास्त्रीमित्रसम्बन्धानित्रम् । कामित्रम्भानित्रं क्याजिति ः क्यार्थत्वत्व अन्त्रोप्रमापित्रः विक्रमायुक्षाक् माणन ज्यामित नरमार्घ ८७ याहा। य रुमामण्यापिताः णवगदेवस्योः संकृष्टि क्षिमार नामि अत्रातिहत्ता तिहत्र में कि मो कि जो त्या तिस्व विद्यात क्षा कि व्यवस्थित क्षा विद्या जाता क्षेत्र का विद्या का विद्य का विद्या मिलार सस्तिमार कर्नाक गर्नक मृत्यां कि यात्राकि भानग्रिक भोन्त्रकि याण्योत स्था मिन मक्किन्दि में किन्द्रा निर्मित्र में हर है। यो महिन महिन महिन महिन महिन किन्द्रा महिन महिन किन्द्रा महिन मिन क्षित अस्तिकात्र-ब्रीराकक्र्यायत्यापायत् (शदम्) शत्रम् सङ्ग्यभीकद्भ वित्यवन् क्षिक्ष्रिकः वर्ष-नवज्ञक्ष শন্ত শ্বিতে অমিতে অপতি অপতি অপুর্যিত পঠতি পিছে (বিদেঃ) সুরজি শিলে মধ্যবিদ্যা অক্সাধ্যক ধয়ণি ধারিণি সৌলামিনি আদিতি দিকি বিনতে গৌরি পাজারি শাব্দি কিনাজিকি নাডিকি সুচক মুক্তে মুক্তি শ্রমুগুজ্ঞ, দ্বনুগজং, জুজুরীক্ষুত্রং, মাধ্যের কুলুর সুক্ষুক্ত সর্জোপ্রবেড্যঃ। আন্সায় প্রক্রীক্ষুক্ত

निविधा गोत्रसञ्ज् षः। तान त्रामकृत्म मृत्ति मध्यातम् त्रिशूमध्कृत्म। जाग्नात्रज्ञत्य त्यात्त्र निज्ञात रमोनि धम धन विरमा जारम मारज कारन शरक (वरक) नंड नंड विरमा मच मथ विरमा मानम मानम भूनार अरखी को नकास वामा । सितरक वामका मामाः काकवन्तात का जरबा कुर्णानारा विवास विष्णाः विविधा शहरहर महा। विज्ञित्तिम् निर्णाक मुक्ता श्रविके ज्ञात्रा कृष्ट्राम कक्ष महत्रो क्षांबर । मजक वात्रत्रत्वाताः नमत्त्र कांक्यात्रितीः। क्ष्य-मूनाकि-त्रांभाताः क्षिक শালিপাভিক জামজার সভত্তমর বিষমকার প্রনক্তনেকালান্ এহাংশগান্তান্। ও হর হয় কালি শার শার क्रम्बम्मित् प्रद्याविमित् क्रायाव्याद क्रम्बिमाति जीमाकिन मम्ने माम्ने मन्त्र किन्निक्र मामग्रटक मामाः। मिटबाटबाश-खत्रायाक नामिनीः मर्कामिक्नाः। अत्यक्षा ।---धेकाकि भाकिक नगरिक हाकृषिक बामिक रेषमाभिक रेषमाभिक राषमाभिक राष्ट्रमाभिक यामाभिक रमोक्षिक याक्तिक रेपछिक रेपाधिक মানসংহত্তে শ্লিধনি চঞিংগ ব্লিগি গণিনি শ্নিনি অপমৃত্যবিদাণিনি বিধেপার প্রবিক্রিণানিক क्षांफिमि मरहणाति हैखाणि बच्चानि नाताहि मारहिस एकोमानि क्षि कामूर क नरमाश्व एक । के हा हीं हैं देह हैं के कुक प्रकार । त मार विशिव अधिक शामार ने आमि मन्निम क्र क्र क्ष मम् गांगर क्षत्र १६ क्षेत्रक्षां विश्वत्यात्र विश्ववितानित्य व्यवितानित्य व्यवित त्रकति मरका घृत्र्णक्षारक भागरकारक

क्षांचित्र मश्कांकि मकारतीव मश्मम् व माविकान्ति काहित (काव्यति) समराके। शंक नोक मांक्स मार्थन खांनन खांनन त्यांचन त्यांचन खर्ताएन छेरमाणन जापानि मारहण्डि धामाहि त्योगानि देग्यात्रकि (देवकति) केखि चांद्रती ग्रिक ग्रीहण बाज्री बाज्रता मर्मकायक्ष्मधाष ীঁ হীঁছ, হুঁহ:। ৩ আক্ৰিণি আবেণিনি আলামালিনি যমণি হামণি ধমরি ধামমি জণমি e জুদিতে বাহা, ভ অগমনিতঃ সামা, ভ ভূঃ মাহা, ভ তুল: মাহা, ভ গং সাহা, e ভুতুণা, জা अशिक्षि महामामिनि महत्यामिनि महत्याहिनि महाकाणि नीलगढारक महामाजि मुकारणोति महामाहत क्रीन क्रिन किश्वायनि श्वतक-शुरवादनराम मर्नकामग्रस्य यथा जिनामिकः कार्षाः करणः शिषक् पाष्। मान।। जे गळ अवागकः भागः उत्तव व्यञ्जिकः वृत्याः। छे दत्न बाल महाबत्न जानक्षमात्रिकि मान्।। एक क्षक व्यक्तकवित्ता केटकारणव्यक्तिमित्र बरत्र विषयत माष्टि (पछि) श्रुष्टि कुक्ति को वि (द्रकि) किर्मित् क्रामान्द्रमा कामकृष्य मर्ककामन्त्रव्यत्य मर्ककृष्ट्य माः विवार क्रक न्यूक ग्रामात

हेणि विकूरत्मां खाबत्य कृशीयकाटण (मत्याचदेवक्षती) देवत्माकानिवज्ञा

অণরাজিতা জোতা সমাপ্তঃ। উ ভংসঙ্ক।

षांभञ्जात्र-त्यावः।

माहि मूर्य १,७०१ ज्यादाष्ट्रा द्राण मोकर भ अक्याद्या-रुम्हम माश्रद वांचरत दांकरशह । जामकाशक्रिक्ति विद्यम्, नमान्त्रं मण्डाति। वारि हत्ती। । नमत्त्रं मश्किषामानम्बत्भ, नमत्त्रं मरुत्तात्रीति अव्यक्तिमा नगरक नगरक नगनमन्त्रमान, नगरक सगदावि जाकि कृति। १० जनामक मीन्य मक्कार मक्काशिर । क्यम्काशिक्षिति निकारतानेका, नगरक क्यकाविनि खाहि कृत्यी । दन ट्रमशिक्षिक्षा सामित्र क्रिक्षित्री । हिम् शिक्षा मः स्ट्रा ह माड़ी नमस्य क्रमधानिति वाहि व्यक्षा भा उँ नमाछ अहादी बिंद माझकाण, नमाछ कर्मग्राणिनि विषक्राण। नमाख क्रांचमा-नमाह-क्याकृतक, ख्राकृतक टीउक रषण खरकाः। एतम् अछित्रीत निष्ठातकती, नगरक खनाकाति मिछोत्ररक्ष्मंनर अग्रचात्रिन वारि ग्रर्ग। । ज्यारत महाप्रवात्रकायरनारत, विनामात्र [नामा तन्त्र क्रांत निर्दे कीमनारम मत्रवहाक्ष्यहारमायक क्राणा विकृतिः वही का मधी कालवाबि नम्द्रक माध्रमित्रि जाकि मृत्री। नमक्तिक हजरम्भिनानम्बर्गिष्का मह्माद्रमम्बाः। म्हमका मिकिनिम्नात्मक्ष्मी नमात्म मन्त्रा मन्त्राति वाहि घृत्ते। ७। प्रामन्त्रिक्षात्राधिका मुक्तान्त्रा-

CATANAMIS WIGHT AND CATANAMIS WIND THE COURSE WITH COURSE WITH াইতি বিশ্বসায়ভাৱে শাবিত্যা সভাবে শাবিত্যা বিভাগে বিভাগে বিশ্বসায় গুরণারণি সুরাধাঃ দিভবিভাগরাণাং স্নিমস্থল-বরাণাং ব্যাধিদি: পীড়িভানাং 🌬 ্রপ্রিগ্রুত্রভারণ नांव मत्मारम् कृषि यत्नी मनोडटन । नयक्षः त्रानित्मकर या कः भाउँक जिक्किममा। क्षेत्र मन्त्रमूक्ष् रुषाः वाद्याणि नेत्रमः अमर । अठेबार यन्त्रः तम्त्रः तम्त्रः न निवाणि कृष्ण्यत् । व्यत्नावनिषः प्राप्ति KINTHA STOKE OF ITHE STANDED AND THE STAND COLUMN STAND SECTION STANDS S क्खामि !--वीम मुक्तामूर्यंत तिमाम मामूरम पार्थार कमूरे श्रेरण मामामिकात मार्याजाण नर्गाक পরিমাণে 'এফ হাত' হয়। যক্ষমানের হুন্তাদির প্রমাণ্ট সর্বতে বাষ্ট্র জভাতে বাধাকুর ভেশতাংক (मधुरक) माधामन स्थानित कामाने काम् स्ट्रान्। कामन कम्मनि मनीड क्ष्म्भ निक्किश्राम म्याधिकामिकामार, स्वानि मंत्रगटमको त्यनी कुर्ग द्वानीम ११७ १ । १६०० सम्ब कोका स्थान अध्यान अध्यान क्षा त्यावर महात्याक माणक्षाम्मकर। विमक्तामकमक्षर पा मध्यातक मक्षीका मुक्ति

unit o section access affairs states "affers" ners " ners affairs here have अभित्रोक्षणित मळ्डात नर्गत्व नत्रिशन्तक म्मन्नि दश्याः कृष्टिमानित्क क्षात्रित व्यम्पात्रम् कृष्ट 報報後の開発後者の 1日本での日本書の表でかっているのと मुमान्काम, के मुन्ता क्षम बेषात्रा मानिता महेटव ।

तमी।--ममहणूरकांत रखतामान छक अतः ठकुर्खकामान मोर्च ७ काच अतः भूक छिष्णम कारम কি কিং নির চলাত পাফ্রাণিত পোম্রোণীলিও পরিয়ত ভূমিকে 'বেদী' বলে। হোশার্থ করিছ হতে অনুমাণ কীহি ও প্ৰয় সমচত চেলাণ অবং কেশ কৃষ আকার ও শক্রাদি দয় স্থিক। আপুষ্টির রহিত পরিয়ত বার্কাবিশিট অভ্যক্ষাণির ভৃষিবহিত গোম্যোগ্লিত ভৃষিকে 'ছতিল' বলে। াদং মুভিকার ইপায়-ছোমাণি ক্ষয়া নিধেধ একজ ঐনন্ধ স্বে মৃত্তিক বেপন করিয়া সভ্যা উচিক। সুক্ষ ं क्षाक्री कि --- जमक्र द्वार क्षा क्षात्र के जमका अहे गानि क्षार क्षामांत्र क्षिक्रमां क्षा क्षा क्षा क्षा क्ष निमित्रक स्थाकरम नश्रत क्रिक्टनम । मध्यांत्र ७ गुणा कामृष्टि कर्माण (क्षांत्म सञ्जन मोहेस इक्षांत मृत्रिक्त শাভাৰ ছ্টালে, "ভগবনু নারায়ণমং সদতে। ভব" এই অকাদের নারায়ণের উপর অভিনিধি দেওয়া ব্যবহার मारक्षा द्वातीय कर्ष (शंकात क्रक या व्यक्ष किया कर्षक व्यवश्रक शतिमर्थक ट्वकक उप्तवस्य

4

माधिरके मिन् पान । रहामीत्र ममिन मक्टके मिक् ना गाम कुन हहेटक मा नप्त निम्न मीक्षीम मुख्यां का एता । वर्षात्रकः, नर्षात्र, वर्ष (र्शाव्राजामा) ७ क्षित्र बार्क्टिकः वाब अध्यक्षित्राचित्र नीको परामम करेद एतिमिकक खबाध्यत्र वाष्ठम मञ्ज भाठे कत्रिरवमः विष्मान प्राप्त मर्गक कुनीयो (नाग्डकोरीक्रियंत्र अनिक्रिष्टे भरन्ता (रुष्ट जन्मन जिनभाष्टि) वात्रा प्रिष्ठ कृषणत्र आंध्रेष क्रियो जनकृष क्षित्रमा काक् अक्षित्र । अञ्चल क्ष्म्यक्ष विश्वान त्राधिक क्षात्र अवर क्षत्रक महाक्ष्मिक क्षित्र क्षेत्राटक । अबे अक्षेत्रक कटन ज्यात केंडिया कार्यामि (क्षेज़िके क्षित्रक । ामाहा । - मिति हो स्कान मना देशमीत सराद 'माह डिंदाल। मार्शमुष्ट संस्थात्रक्षीत्र क्रिंग्रक जातर एश्याणि क्षा अक्ष्रीय भर्ष्ठ वाका जिम चार वाका क्षाणा क्षेत्रका ना क्ष नमध्य कि द्रकृष्टि कामगाज व्यथ्या हो। हो। जिल्लीय न्यामि ज्याम व्यक्त्रकार व्यक्तामा वानि ं टर्गयक्षी शोककरक 'ट्रांको' यत्न । डिडांभीमि निर्विक कक मध्ककाष्ट्रामन वहार ं खेकीय' बर्गक 'खंकी' बहुला ' 'कहे डक्का कंचिमग्रित नवाल त्योती हहेता निर्मित्र क्षान्ति क्षिकिका मुस्क बनदान उक्त मिन्नियापुर कंडकर्पन विकि धामनिक भागम कर्

मांको (फाछाटत फानित्रम्) श्रीटक्ष्म श्रीमान मानित्रो हसम्म भून्तिकः कर्माह देवहभटकः ममिकक क्षित्रिक हाः कृत्ती এবং কুলাগতা এক্ডিন আহতি তিশতসংশ গ্রহনা ক্রিতে † পরিষ্ঠত বিষ্ণা এক্ষ্মীলাভিঙ্গুশ্ ।এবং ধাজা, ভিজা, বব,-পোধুমাদি শতা ও নাকা এবং চন পুড়িতি এবো কার্য বিশোবে আম্যুতি ভ্রতীয়া কার্যিকা मर्जवाहे जावकि घट-व्यक्तिक क्रिया अक्षीत्रामि थार्थकि मध्य एत्राम् क्रिक्ट रूप्र । निरम्भक्ष चार्षिकत्र माच्चाक करता कारका स्वासान क्रमणवार्षे कार्ष्ट उन्नत्ये व्यास्त कार्यक्ष । त्याने क्षेत्र व्यवस्थान स्वास्त्र শাকিলে, গৰ্যায় ভ্ৰাত্ৰ দিয়া হোম কয়া ব্ৰায়। সব্য যুকের আনভাব কলো সাৰণি হৈছিল আহাত্ৰ হোম विशे दिलाक्षण गुर्मक क्षण्ड कदिशा वानक्षात्र कतिरत्। "दिश्यः कतिरत्न" एक्षण खक्षः वाक्षात्रः जात्रक्षण

क्रकी बाक्र । र काक्षिक माटन, माकि व्यक्षतास्त्र बाहे का व्यक्षातिरमणि किया व्यक्षिक क्ष्मी व्यक्षित्र क्ष्मि alian dofo ancatana yita cela sescell alacabicali bosette fest after eter क्षमृति सकेन सामिति छ। कामामान सानिका बदा कष्मृति-मुहम कष्मे हिताम सनिका काम्मान क्षानिका बास्कि काम्र कन्नित्व। टेल्म्नीम प्रक जामनीएम नाषाते लागक, निक्नानि टेल्म्न नाष्ट्र मुक्त अमेत्र मार्जित प्रकारमा यायका जाएक। प्रकामि त्यक मेरी पार्काताणि कार्णक किन्छि क्षेत्र । सिक्के काम स्टेटक किथित स्तान क्रिटन, प्रकामि नामार्थन। हैनिक्ता अस्ट्रेसक क्षा क्षा

ð,

किया: विवक्त (तेम जा अमित्र कारकेत व्यवता गमान कारकेत यक्तकाके क्रेंग वारका क्षेत्रकामंत्र कृषि व्यक्तान ् सम्बन्धि (म्नायक, उन्दर, छमम, छेष्ट्रशन-मूत्रम, त्यक्ष्म विकृष्टिक स्थाकार्ड बत्म । मार्गासम्बन्ध स्थाकृष्ट বিভূতন হোতান নায়ন,) ললভাগ এবং চতুন্তমূল বিভূত মূল্লেশ বে কালিক খানা আৰম্ভলা খুডাদি এইৰ ক্রিতে ব্যুঞ্জাহার নাম "ক্ৰক্" এ ক্ৰক্ মানা গৃহীত স্ভাদি আনিতে আছিভি দিখাল অন্য শালে ুন ছতাদি ভাগন ক্রিডে হয়, তাংগ্তে গ্রুকা বলে। শতক্ষ্য সাম ক্রিখনিস শান্ত এই ক্রি क्खाद्यमान मिदं जवास्टाटन इकाक्टरेन अवनर्नका स्थान (मानामस्यक्) मर्कानम् । व्यक्तिम কারিও বেগ্য এয়ে অধ্য থার। দেবোদেশুক প্রদত্ত সতের অংবশিট ভাতিট ডুক উচ্চতে সংলগ্র থাকার

स्टाहरण तीकापूर्व कार्य कतिया, छेरा मध्यस्या पात्रा भाष्य गुर्मक प्रकाषि धर्म करिया जारमधूरक जेवा जाके आधिक मुख्य में ना कक्ष्यों हैं कि कि विदेश क्ष्म (बीमामिएक क्षेम्भ विद्यां के क्षिम के विद्यां के म मां विकास कार्यास करियत । ः व्यामिक केष्ठवारतः कता कि वर्गमाय त्यापित सात्र भक्तिक कारमण व्यवस्था कार्यक পাতিকে "চন্দ্ৰম" বৰে। ৰোধীয় ততুলাদি পরিকার করিবার জন্য পশ্চিম প্রদেশীয় মন্দ্র বিদেশের জান गतिक बाह्यम् अमान् कार्केष्ठपत्रहकः जैष्ठपन मुख्नाः क्टर १ः मामान्तः होमान्तिक नेनामण्ड विष्णान्यान গলে নিৰ্ভিত কৰু কৰ ছাবাও হোম ক্রিবার বিধি আছে, অজ্না কক্ কাৰ্যদিষ পার্বহ**ও** कुनी- এক্ ल्यात्वर्तात्वाचीत्र क्रांक्षिकादकः "त्राक्षकः" यदमाः । त्रांच प्रदेश त्रांच प्रदेश वांचात्र क्षांचाराम्य क्ष्रोदकः प्रक ा दिएटवारमध्यक व्यापक माजादमिष्टे स्टान्स पुरु क्षिकिटे व्याप्त सक्प्रांत के टमजराता देविषणामित নামি মামুলেই অধিকার স্তর্গ প্রোচিতেয়া উহ্। নইলে কর্মক্রির উহাতে আগতি বাংক্রাই 「大学、大学等 ないるな あん からい このう अकराबीक कांक्रा--कांडा, कांक्रा अमत्रत्यक विक्रिक व्यक्ति कार्व कर कर कार्वाचीत कार्य कार्याचा क मार्ग व्यक्तिक कार्क लेवा, वीम काकी ह दाई दिन दाक मार्ग निवानि मांबनाम कार्यक कार्याक्षक क्रिक्सिक्ट का काक्सिक्ट क्ष्में किटमटक कृत कामेल लागवा। स्विधिक होत्र कारमक विश्वमा महरक्ष्मा ज्यादेख् वेश् के कादन कामि शुक्षतिश्वापत तथन । . . त्रामीत्र कांके कम प्राता . ८ तामम क्तिता तावक्षक क्तित्काः विधिकः क्रिके श्रुद्धाविष्टकम् (माशक्षिक्ष क्षेत्रो हिर्दास यसक्ष कृतिम् स्कृत्र कृतिहर्भ,दक्ष्य क्ष्यिक्ष क्ष ्रक्षीय १- मन मनकोम क्रींग, ठा तःवार्षंग, योक्सांग, मन्तिकाणि, क्रमन्तियाणि क्रेंग क्षीयाणिक प्रकास कार्य अवस्तीय अधि क्षेट्रक कारक मां क्षेत्रका विक्रण व्यक्ष व्यक्ष अस्तित मुख्य मधीर कार्या क् offer form material . MORFIL BEN BOTTE A

मक्तम में का शक्षाः ८व चानि केवम निवानिताने वा त्यांनाकात्र निवा मन्तिक वावक्क निवा क्षक या प्रवर्णत मात्र मांकाष्ट्रक क्षण याका मिषा जिष्क क मिष्मावर्क त्मके प्रति कार्यामधीप्रयूक्षक सरका। त्य सामित्राम् सार्वास्त्राम् रा त्याराणि युक्त स्पेता श्रीताण यत्र गांजेगुर्वक द्वांत्र क्टबस, विष्या जिल्लात वसन्तित्रम् मानित्व त्यात्र कृत्यतः, किति क्षत्राव्यत्य व्यक् सत्यतः। यतः, कृष्णः, कृतिवन्तुष्णः, यात्रावर्षः, कार्यस्थ, स्रकावविष्टे, क्षण्यत् मित्र प्रवृत्तः, इर्षषप्तः क्षिप् क्रियां क्षित्रामित्तवाध-निर्पायुक मानिएक देव शाक्ति हराव करतत. जिल्ले जामधानु करतता । दक्षतित मानितक पूर्ण, वक्क, दाजात क्रिक्श ग्रंदाध्यातीकि एव (कांत्र तक खंकांत्र क्षतितित्वक एत, बटन के प्रताहे व्यक्ति तिरम् त्राप्रकृत्रक त्वाः सुनिका स्टेरन, खारकाक अस्त कर्यात्ररक्ष विरम्प विरम्प नामकानानि क्षिएक स्टेरन, अकारन चानि-ा आणि शाम्त्राहरू आणित त्यं मामकात क्या एत. कांग ति अक्षी अत्याप्त था बकाणि आणिको जिल्ला असे नारज जानाकम जुनामि कमा कर्खना, मटडेर यह गाधान या तहरिय अधिकोणि नामा क्ष्मीनिमधक ক্ষীশিনাটভে কোল একোর নামকলগালির প্রয়োজন নাই, কেন্ন্ স্থেত এরণ ক্রেণ কারি ক্ষাপনানজ্য पिषक्षणी सामक व्यक्तिक मारावत मादव मादव म्यावकत्रताति कवित्रा, अकृष्ठ अव्योगत्तक वित्यक जात्रातिक विद्याप स्किमा स्ट कार्या मेर्ग मनावत क्षिए मा म्रक्तावर्षाता वर्षि स्वमान क्षा सम्बन्ध

ं कारी विश्यात वाधित नाम !---(त्रोकिक करण वाधित नाम भावक, प्रदाबात माकक, ' शुरुवात अक्षा, कमा कर्म दमासन, गीसरकामहतन ममन, मासकर्म सामन्त, नामन्त, नामन्य, नामिय, भमन्योगतन क्रि, कृष्णीय महित्र, जिन्नावहत्त मधुक्षक, एनामानाका मन्याहद स्वता, एकमाजाका महत्त्व मधित, विमार्थ (बक्षामहत्त्व) टेमणास्त्र, विवादक त्यावक, उक्तुरी त्यांत्य निनी, इन्डिश्याय चांग्र, व्याग्निक्छ (व्याग्निक्छाप्तक प्रयान व्यक्तिक क्षिमिष्टिक विष्, ठक्षणाकाष्ट्रक ह्यारम आवीच बुरवादमर्थ च खक्र सिक्किमिरक मावम, मक्षरगरम सक्कि दक्षकिरहास्य क्छाणत, जुर्नावक्तिक मुक् माविकस्य (नावसानामक रहामनिष्टक) जनमः, दुर्गाक्षक (कृरवीवन्त्रामिनिमिक्कटब्राट्य) वनम्, चक्कित्य त्काव, टकाट्ये व्यक्त, विकासत्तर व्यक्तिः साथ क्यात्रक्त ः स्तरिकाम गरहः, विक्षीहः कर्षाचरतः वता ते जाति शामांकरतं गर्षेत्राःकाशरक रहाम क्षित्रां स्व क्सिएक, खेणपुष्ट के बिटम त्यवाकत्रन स्टेट्ड त्यवा सम्मापन (यश्चिमायात्र भूत्र) नक्षेत्र क्रियमायत्रक्रण 李林斯 李扬斯 明朝6年,《红花》,位李石 李斯敦等 李阿女子,一个一个一个一个一个一个一个一个一个

9

অধিলিত বিধুনকর ভাইচার্থ, মহেলের প্রাণ্যার ব্লিয়াদ্দেন, কলির ব্যক্তার দেকু স্বাতৃত্ব ধর্মাচলন ा अन्योत्ता का मार्गात मुक्तित क्षत्र कृतिक। क्षत्र, मार्ग्ड कृतिकाव भूषम क्षत्र, क्षेत्र त्राप्ति कृत्याम स्मर्गाका महिला क्षिएम् छः अर्थनात्व तमन्त्रण्यात्रात्रक मृष्टिन्। महेरत्। व्यामक कर्षाद्र छ।कन्। एसक् मोध्यत्रायक कन्नी कृतिकाश शूर्वणात सरेश। यात्र । . . यत्रमर्थ पाम विविद्ध (जाका) नामिस कृतिकाशत्र्यामा अकुम iinid nienia tiece i Guin nin estanis Lon uden niesiaupou cotor usune ामक्सिक !--- अक्टन माम्बास्ति कारम महाम हिस्स प्रमान कर्जन मामक्ति मिन्ना बारक, क्यांक मा क्षेत्रिक क्षामिक स्थाम क्षीयकीन कतित्, अहेमछ 'स्क्ष्मक नयात्राम,' अक क्षीय दक्षि क्षिता । जिल्ला द्राका (किंगा वाक कर्षत्र गोजन) वहत्त्र भृष्या वाक जावत्त्र विद्या प्रहेता।

र मिन्द्रकीय कार्यका निवन

শ্বতিদ। -- গ্ৰহ্মাসনোপবিষ্ট উষ্ণীয় ও তিলকাদিধারী হোতা আচমুন করিয়া, শীল সন্তুমে (আত্মানিক হন্তমাত্র হান ব্যবধানে) শক্রাদি দম মুভিকা ও কেশাদি

রছিতে পরিক্ষত এবং চন্দ্রভিগাছাণিত ভূমিতে সমচতুদ্ধোণ এবং হলপ্যাণ (কুশাছার। मालिया) मेथि ७ टाफ् फांखिश वालुकाषात्रा तकना व्यक्तित्त्। भारत, त्याखा थीत यासम শ্ভিলের (আতুমানিক প্রাদেশ প্রমাণ) উত্রভাগে ত্রিপত ও মুখা সাম্পিক ক্রপাত मानम कतिएव। छदनदत व्यति शाननाहकादी त्यत ना द७शा नदीह, के बच्छाबन

 नत्या सर्वतातः नवतातः नवद्यातः वर्तानावतः। रचावविव्यव्या धावा वर्तिः ক্ষীপ্ৰভঃ। স্থাপুষিব ভাষণে কিনাত্যথীতা বেলং ন বিদানাতি বোহধং। পাৰ্থিৎ স্কল্যপ্ৰয়াুডে नाकात्रीक कार्यावर्षक्रमील्याः वाटकः यज्ञावकात्र यक्तिकारः। वया त्यारक्षणकारीनिकारकार्यमा देकणक निमित्त्रात्मेन महत्रमं क्रोक्स्टोन रा रक्षति राजर्कि रा मधोरक मन्त्रानग्रहिता ८०१मकनमण्डकनात्रको

lafans angleza afreca sedsan Genia spal apparation of a second se कांच् कृषिट अत्रम क बामकाष्ट्र कृष्यिक आविका कैनरम्भन कृतिरचा

the triffering water restrictes worth union one cat and and con an administration त्मान् अपनि वनाकरातातक प्रकृति दर्गक्षः कतात्कात्रं नत्त्रं नत्त्रं त्रिशाविति करवात्रीकार्यन (मिडीस दत्रशा कासि बाहीन डेक्याएन कारण जूनात बाब शतक माथित) केपमाजित्राच्य (त्रवास्त्रत ।--- अक्षि क्र्या तरेश, (प्रमृष्ठाता) काश प्राथम प्रमृत मानित्रि क्षित् क्रिया १७ । अता बक्क कृमा शहता शृहकांक कृत्र क्रम्बित प्राकृति मानिक्र (मुख्तिम निक्षकारण क्रमें पश्ति अन् मिन्द्र पाष्ट्रे मोन मोम जाल करिया) Bungfungun unter afnen 121 unen nach mun einen mungen unffent भूसंक (कृतिहास नाहित्व कामूकात्र मिक्न न्याहण्ड प्यकृषे मात्र मात्र कार नाहित्य न्याहण प्रदे पासूनित मान खान्त कतिया,) देनव क त्यान वर्षत्व नुर्तापिम्त्य के मुन्ता मान्त

बक्कि कार्रिक्रमध्यम्। ज्ञानन क्रिट्य । श्रामका भूककत्मके धक्कि नक्षाकुष कुणाः स्रोशिद्यत् ४ क । ्युत्तस्त ः शुक्तक्षरम् । कक्षिः मखाकृतः ःकुणाः नहस्रा, न्यापम् मक्ष्मभूरशम् क्षेत्रक्राक क्रेट्ट :क्षेत्रताक्रिग्टन : त्राजिटन अवरः क्षेत्रतः क्षेत्रताष्ट्र क्षेट्ट :श्रेक्षिकिग्टन क्सा नक्सा, विकीस मधाकृत कुमान छक्तवाष्ट स्वेट्ड छिन्ताणिब्रूटव काविट्य अवर केशक केक अराष्ट्र कहेटक श्रवाध्यम् अपन्त अकि आधाषमा आयान क्या यानिय क्षित्य । ६ । छ० भारत, मन्त्रित करकत बातामिका ७ बामूके बाह्रा बानाम बक्छि कुना नहेता. प्रसंपाणिक (पायनात निमिष्ठक मधाकृत विनिष्ठ किन) मामन चक्रिन व्यक्ति মুপিন ক্রিবে, এবং দুগার উত্তরপান্ত হুট্তে, প্রাক্রিয়ণে একটি.. প্রচেক্ষ্রপান

continuos atuodan is anche unfatuo qualità unfatuo qualità un qui un anche un anche un alla डिवट टाएडाक् दर्भा कत्रदन यथाकत्म श्रीहक्षेत्रक शक्ति, यज्ञा,---CHABLE SERVICE ALEN BEREIGHT

ी 16 के कुम्मात्र क्षाप्ता (मुलदक्षण क्षेट ७ जा वार्षा) वयाकदम नी 16 दम्बाक्त्रन क्षिक्ति

- वरकत्र मित्रत्रमाणि । - ग्रिक प्रत्यत्र यमामिका ७ वक्ष्मिता व्यवम त्यका प्रकृति adiantes cocan complements paradiantes decreate butterestal CACER SACHABIES PERMISS & CACER WINDERSTEN ON THE THE HELD CATORS CHATGROUPS CORNEL TO 1

बालक क्रिया, मधाकटम नीटिंट तत्रमात्र मृत्तामत्त्र किष्क क्रिये

भूतिको १८ विस्तर्भा मुक्तिमान्त्र । १ । अस्त्रीत्मिनात्ति । विस्तरम् सम्बन्धः सन्ति अस्तर्भातिका tradition of the contraction is a season of the contraction of the con * min wunnefugt f & layer agiva; . unfavattur. unfufbelle Bebullanter filagen on tredening arene fiding as a system of the confidence नाजुका नहेता,—"धाकानाजि क वित्रप्रदे न प्रत्माधिमम्बद्धा खेरकत निव्रम्म विनिष्टाकाष्ट्र। ७ मिड्या,श्रमस्यात् । ४४० क्रो मध्य ते योग्का, मेनामटकाटक प्रशासकात नाम

क्षास्टत ट्राइकान् कतिहरू । भटत, वृत्तितत्र केस्मारटन याभिष्ठ सम्बाता दाक्षा मक्स Part . state

ा महित्यातम् १०००म् मिनिक नामक् व्यक्ति स्टेटक क्ष्मिक कार्क मध्या १००० व्यक्तिक क निक्टे न्यस्त्राक्षां करित्र का क्षात्र व्यक्ति । विकास । विकास निव्यक्ति ।

after an un-evianist neue fibligeuts alte nertung catures uffere gegene mare दाशांचाति विकृष्टः असीतः वात्रवात्नातः वत्तो योत्नत्रथं -मध्नित्रश्रीशत्रवनाः येत्रावाः येत्रावाः येत्रावाः the constant control of the courte majors per en fouremental and fide courses नमामू निकृतः मिन्द्रमाम् मिन्द्रः भागः जानमधीति निकायातः। प्रामित्यः कर्णायात्। वाष्ट्रमा eimmiraiefes, Elen creston; pajr aufe eilen . aufeid finifenin: abeite einn मान् अमित्राहरूक्तमान्त्रतिर दुरक्षः ८ व्यवद्वाति । स्प्रकाणाः नाम्हानिक न्त्रीतिक । सन्तर्भातः । न्यानिकद्वा

yat angimit nwe faciale: 1' as ald a ground

श्रीएरियका व्यक्तिकानत्व विनित्यानः)। ७ देश्यात्रिकत्ता कोकत्यमा त्यस्यत्कारियो अहे महत्त मुश्रीक क्षींचरक अधिरातत है अत मिक्नियावत्त भूतिक मृश्रीत हिंदीय क्लाएमन कामाम) तत्रवात्र केणात्र काज्यांकिमूरच नारमाणन कत्रित्व । भटत्र, शुक्रमानिष्ठ वाप्रत्य कर्षातत नुर्वक क्रजाशित श्रदेश लिएव.--(क्षणानिक निष्कृत नृष्टाना-वक्षेत्र कामानत् । इ ि " . जे मलंडः नाविनामातः मलंटडार्कक मिरवास्यः । विषयाना महित्य। "भूत्रके सर्वात्ते (नाम त्राप्त) अवनिष्ठं पति महमा,--"सर्वाणिकं कि ब्र इंडीक्षमः टाकान्डिट्रवंडा व्यक्तिमान्त विमित्तामः। उ कृत् वः यत्ताम्।

रहिद्राणम् ।

awni ber nolen go maten urem ubaufanten erdetes ming enterenf peri-entrung Geriangreite neinfinfafonerrente malan i et in farer i farte verfere ne anterin कर्णकाश्वक बाक्राचितः जत्यम बत्त्रच अत्यामबन्धिः निवज्ञाम् मध्यक्ष्यात्म जसूबीकृतक्रमायात्र्याम

भाकार बाक्यानन !-- त्वांछ। छदान न्यंक प्रदेष करानांब क्षेट्छ कर्नाता किछ मस्मिति समितः मस्मिर्मम् । ं अधित शाम स्तित्व, स्था,- के निष्णक्रमान्तरम् नीनमिक्छत्विक्तिनः। स्थितः नामन्त्रत्वाद्धिः नव्यक्तिः मिक्षित्रमः। "भटा पर मगुर मागानि । नामकत्त्र । ७७ भृषात्र तम् । नुस्क कार्यात्र कार्याः - बर्फ निक्यात्मा अ अनुक नामाध्यत नमः, हमः इतिनैत्वमाः उ अनुक नामाध्य नमः। নেই প্ৰাভিমুক্ত জলধানার অভ্যয়নে একার আসন মিমিডক ক্তিণাৰ প্ৰাথ কুলা मिटक अधिक प्रकार में हरेट अभिनाताय व मिल्यामान वर्षाय आधिकान अमीटन क्रियान विद्यास्त क्षेत्रिक क्षेत्र श्रिक्षां क्षित्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्रक क्षेत्रका क्षित बर्कमा क्षित्रो, धक्कि श्रुक मधित व्यमत्रक प्राप्तत किरव।

विन्न-नवसर्वज्ञातः।

tier fier mitteten veffenere feliculus : S' mitente nece nibes : freginer velu सम्पानिकम् विस्थितमस्य वक्षात्क । मिन्नित्यकः अत्कानत्वमत्न विभिन्नाभाः । ८ व वक्ष्यं मध्य गणिकाधाः **高度を指摘している。 「 1980年の 1980年の**

अका काष्ट्रकर्षण कानिक जानतात नुसनात्व चनीर जीव जानन निर्देश बाबिका र्गिक्यां कियान करावतान लाक्ति, यात्रहासूत्र जनातिका ७ जमूर्वेषाता के जाकुछ विकास कांत्रज्ञा जाविज्ञा, 'श्वरभाराज अन्तिमारिक्यांच कांत्रिक्षा विद्यां The second of th

विजित्यामाः। ७ जित्रकः नत्राय्यः।" এवे मत्त्र वे कुमा निक्र करकारन व्यात्कान

रहा पम

कुनानम करेट अक शाक्षिक्ना अक्ष कतिहा, - किमाण्डिक कित्रिक्षिको स्वामित्रमात

tat nindigte Bincufet, nuch geftempite alle fest arten wehreichte Beinfat, क्षित्रांश प्रकृत में प्राधि। ७। वह यज भाठे कतिया, के ब्यामीत बकवान किर्यायन क्षेत्रायका विवास कवित्रा, कच्यात्राहिक नगांक विवतावित्राय मधात्रमाम नाकिएव । मांक्यं श्रंक याश्य कविता, উद्धाष्ट्र क्रेंग्ना, श्रंब्याणिड धीम क्र्यांत्रन क्रांपांत्रा इत्रिय । भरत, प्रक्रिय प्रश्नमात्रा अन्यन्त्र्य क्रिया, यात्र नार्मक्ष क्रिया मधिनंत्र्य बकुम्बन कतिया, - ध्रमान्षिक विविधित्वा बरमान्यन्त विविधानः

giugepingefiet ereifele femotercan graf aren uintelfabuit geett en Be

शंबध्यमिषिक । यञ्च लिएटवन, मथा ;-- "शक्तालिक मित्रमित्रकोक्टरका विकृत्मेत्रजा व्यवक्रीय े छद्शाक्षः (माजा अक्षांत्र छेल्त जमत्रक क्जिल्य कुमा निम्ना, धक्यांत्र केनायांत्र क्रम् मुक्क गुर्वक, -- बाउद क्रम् गाउद अवस्थित नमः, बार्ड मक्ष्युरम् क बाक्सर्थ मधः। कक्तांकतिरंत। भारत, ह्यां ज्यांभाष्टा व्यवस्था क्रिया क्रिया क्रांत्रा क्रांत्रामन ज्यांक चीत्र भागत्म मूर्ताष्टिमूर्य छेन्द्रम्म कतित्व । छर्नत्भ, जमा कर्मानिक मूठक मरक्षण घाको फिक्र कांग्रे दोका विश्वात त्रख्य विश्वध्यात, उत्काव भाविष्य क्या बेहें (व्यवक्रीत शंबद्धम निर्मिष्ठ कटल निमित्रात्रातः। ७ हमः निकृतिकारम त्यान निमरक निमर महामाज्य # 400 4 "

वक्तिकाणि। बाज्जीस विक्रम्बरमा व्यक्तीवराष्ठ्रममिष्ठकरण विमित्रका। विक्रम्तानकः म छववात्र केश कत्र विष्टेक स्त्र माजावतात्र कथ्याकावतात् यकः त्यता नगः जिल्हा मृथितारे आकारन बार्ष छ भगवत्रवामिष्टिताम् हेडोक्:। बारडाक्ष्य नारकान नारकबुरक मुबिकार नगर ममुष्टर मनाड निजिति अध्यक्षिता । निकृत क्ष्मिमिकाण्यनी खकर जिल्ला प्रमानिकाम् जन्य जन क्ष्मिति मधाक निकित

मध्य भागे नार्षाच्याचीत्र क्ष्मिंगा जन्म जन्मात्र क्ष्मिंगा कृष्ण जनक्षेत्रे क्षारं जुर्मिक् वर्षाकृतम (פַּאַרְאַן אָ אַאַן אָ(הַ, -ַרָּאַן פֿן בּאַרָּאַ פּיַ בּאַרָּאַן אַ אַרָּאַרָּאַ אַרְאָרָאַן אַ אַרָּאָרָאַ

थानिकटल, कष्ट मत्रत छक्रणाक अतिराष्ठ हहेरव, पथा, --प्रण्यांना क्यूनावि महेता. चीव ation annation opticials veralls in opticities when anniferential special to अधिमा क्षित्रा, भूतिन्ता व्यक्तवन पूत्रक शकानियमानस्य वीत वामध्य भूति। किम्हत ्रिकानीक । - लक्ष्य कर्नि व्यक्षीर व्यक्तिक क्ष्मिकिका तन् स्थान कर्न्य इक्ष्मिका मुक्तिम् निष्ठ क्षित्रत्य क्षाण्य क्रित्यतः। उद्यत्य, त्यांका क्ष्यंत्र क्ष्यंत्र क्ष्यंत क्षित्वम, नात, चीम्र किस्तीत या कमार्थ पर्टामि किमा कुममन दामन गुर्वात क्रिका (कार्यके) किसी, -- केटडर क्षेत्रनीयर 6' अभरत नम्ह, तरक शक्तारण 6' ध्रम्नार माना ।" श्रीका, जमकीत यांकाम जिमिष्ठ मक्ष (ss श्रहीत) यत्र नांठे केत्रिया ।

erigealfanten racultutrazifiar utnekrut şfeher fafajen i ce men afterhen

कार्डमा प्रतिका वा स्थान जिल्का छन्त्र के ठकनात कानम कतिया कार्न मित्र । जन्नात मन्दिन गार्थ कुनाव छन्त दाविहा, स्थायीव तमकामिरशत जेरकान ज्याप प्रकि धरून किया मूजन क्षेत्रत भारत काका-दूक अ किविष्ट कम मिता, कृष्टिन मरश सामित जिन्ही अक्ष भीवत क्षतां कतिता थे दानीटक त्राभिता, भूटवीक करून किया, किकिर प्रक रिकान टीकान देशक है। रेगड व्यत्तान एकन जिश्मतन कवित्व न।। गहत के छक्ष कमाराजा व्यक्तान भूतिक वामकृतक छन्द्रशत भूतनवाता व्यवचाछ :कत्रक छ कुर्गवाता छिनवात धारकाछन बक्र खिनवान क्षेत्रकालन कतिन ताबिटन। भटन, ভाजनय या भिक्तापि रेडकम भारत आहम्मन नुमेंक त्ममन बाता मिकनावट्ड मटना मटना युक्ति। मिटन, क्ले खोकाटत भाक टब्ब हंहरम, बनक काई केरकान कतिया, ते जारनारक कांनी मधा व्यवस्ताकन कतित्व, नगिक प्रक्रिमाः अन्यका माध्यक्ति देशा यत्रा कमागरम त्यामारम प्रशीम केकि गांवर मिक्कानिमा का

क्यानिक्दाः सुम्बतः द्वान्त्रकारिकार्थः। क्षानित्रकि क्राम्बकायनमामकारः। जिल्लाक कार्याना

8

रियू-गरमर्थमावा

faffere me fece : wand eifen aar averfoetifers on ceteun uten faceu जिहा व्यवकान्न कहिन्दा, शूनक ब्रम्स काई केटबानम हाहा कानी वहा क्रनी नृष्ट का गुर् With, Giri geerfufets ent seta

tang menime oprieten ub donn i fem ertengen nene fegteiffemmelfe unefibe. petrapare aprile carements desintentife an fages motos asimiparame buya गत्। सम्माजि क्याक्रिकमाञ्चानम् त्रम्यः मार्गात्मात्कार्यकारम् । ४ । स्या त्याप्रिक्याप्ति । व्यक्तीयम् मुस्क्रिक्टण विजित्यामः । ७ क्षर फुटमर्डमामर रेमर फसर सुमक्षमर । गुन्निमामुन् योग्या-(मामार विकास अन्य । १) मिनिकारम मामार भेमर भारकत महिकार 'नम् मिनिकार pfitten :-- uffen min pfinen nifen ant attwin Gruten affer Beitarin स्तिहा, पात्रामुच ब्रांकव करकत छेनत जरवामूच मामक्ष विभिन्नेछ छाइन जान्त्राधिमूरण मानम नुसंक कृति न्यान क्रिया मज अफ़िटब,यबा, - अझटमक्किविम्यूहे न क्रानाक्षितिक्या

5

गामिन क्षारक के कि मिका एक के कि मखमार्थ मुझे कामिन्छाम् के कि मिनीमिक्सिमान के कि मचा भन्नवहीं कूनान षाधाना श भाता श्रीवनी कुनान मुनरमन षाण्नामिक बाकिरव। क्षांभ्यकः क्षाणि ह्यालि नाइका प्रशामायनरयात्राति मण्नाव्य यथा यतः या पार त्रियर बाजि, डिक्टि, भटक्य ताम गाम तक अपन मुखर मिरमेगा में मानरगर्मित कमानिकाम मानिकाम मानिकाम मानिका गटकर्यात विकासिक मित्रिति क्यान गिक्स सम्मानिति क्यून मध्या क्षिति गाड-भागित मातानः ज्यास्त्राक्तिमात्रीत ष्यमानिकः उपनीति क्षान्त्राक्षी अश्वमानीताः मच्यमात्रतः कुणांचावन ।--भूक्षांवि टाट्डाक विटक्त कमा नम् भाष्टित दिमाट्य ह्रांडम भाष्टि छिन-मुन स ममानाव कुना माधक कतित्व। आक्षामत्न कार्डाक कुना नुवाब चाकित्व धर्वर পুরোন্দেবান আগবছ আবাচ্ছ হি বভারেণ আংদিডানে বসংউলনি কামগান্থে উদেভায়েন্মজ্যানঃ। विकास मिनिक क्रिकाम क्षा १००१ मिनिका को टेटकरमी । यह जिस् मिनिका किरियम् मिनिका मिनिका

হিন্দু-ব**ংকুপ্রার**া

व्यक्तिम क्रमाग्रहसार (किकार छठताराम) खंक्याराम अक्ष्याम प्रमाणाम प्रमाणाम प्रमाणा आह) प्रकाश कुमा ताबिता, छाशत मित्त जात अरु गाहि भूकां कुमा श्रीभन वाता

व्यक्षिटकारनत (किकिन प्रवित्यारटक) खेक्ष्याम स्टेट्ड निक्छितम् विकिन् निक्र विक्र णकाष्ट्र भूसंक्रदम भूमां अ भटनहत्रा भाषि कृषा याणन कतिरव। भटन, निक अटकोटनात अमर केखरत (कृषितमा न्यान्या) कि म्यान क्षा मान्य मिक्टिन भूतीवर क्षेक् शहेट ज वशक्रटम बण्यत किन गाकि क्रमा थाणान केतिया। खरनारत, अतिद्व । धर्भदत, क्वितिल क्वितारम अमागटकान्ति क्रमीत मून व्यक्तिम क्षित्रो, खिनाटलक्ष कृषा म मृत्य माम्यामन कतिरव । नाटके, नुस कृषाम्बामदात (नाम्बीवक) किन्कि जिभएतत सुमात मुनएम्भ षाण्डाम्य कतिरत, श्रीमध षात अक पाष्टि सुमा गाँता थे अकारत निक्षक्रटम विविद्यकाथ भवित्व (मिक्स्त लाटब्रह माप्त) बाटडा शाष्टि कुमा थालन कवित्व ।

উৎপারে, দশদিকে অমত্রক মাতেগ ততুল বিক্ষেপ করিলে। পারে, ইশুপ্রমাণ দৌধ

গতির্ক বিশেতি কাটিকারণ স্মিধ (প্রকাপ্তিকে মনে চিন্তা করিয়া) আমন্ত্রক একদা য়তসংকাস।—ক্ষিত্র পাব্ধি আছে ত কুশা চটতে ছুইটি সাথ কুশাছার। পবিভ बाधिका,—"आकाण्डिक किः णवित्य तमराज अविवारक्षतम विभिष्त्रीयः। छ भवित्यं त्यो टेबक्टनो ।" बड़ घटल के अधिव सारमन अगान जानिया, केशत गुरमत किरे (मेंच कि भास गाता) त्यमम श्रीम देश यात्र करण्य यात्राधिका क क्ष्में गाता वित्रा, - ''दाकार्णि-क्रिंग भावत्त्र तम्बद्ध भवित्रमाक्र त्य विभित्त्रभाः । ७ वित्यार्भित्म। शूर्ण कः । ५७ । १ वर् मिरिक कारकल्य क्तिरम्।

रिक्-गरकर्षशामा ।

कार्यमानकृत के मिटक त्यामार केड माबिटन। भटन, जे भारधन केथन कामिड खेटनामुध महास के गविस कम्बार्श बाजाकत गुर्सक प्रतिक प्रतिक व्याभात जावामि भारत क्रक्रिया क्रिक्रिय के विश्वमानित्रमा मूटक श्रः । जिल्लामान्यात्राप्तिक वन्तामिकः भूटम्ब क्रुनार । ५०। के दम्पना क्रियानि । खा सो बोर्ग १९ वर्ष स्थापन । विश्व करण्या स्थापन । स्थापन । स्थापन । स्थापन । स्थापन स्थापन । स्थापन स्थापन ।

हारका क्या क्षीज वरतात्वक्षिता अधिकः क्रियरेशः या यापुरस्ताषिति मणकः। मिक्क्ष्रीरबारकर-्कर्ण व्यक्तिमधिक्षात्रेष्णं क्ष्यामक्ष्य मन्ति न प्राधात्मीक राजात्म्येमक्ष्यां वित्य । ३८ । - के व्यक्तिक अस्त्रेत्रका रक्तित्रा स्तित्रिक्तत्त्रक मध्यम्प्रीकाय तिम्मुकः। व्यक्तिक्यम्भः मिन्नुक्ति कि फिर शहेता कक्तात क्षिएक हाम कतिरत धन्न जनक थे इन जे कारत (क्षेत्रक) अश्रम क्रम्याम महेता होय कतिरत । उर्गत्त, जे श्रीत्रकि याम हक्ष पाना (भूतियर) खेरमूत्राकु व्यक्तांक्रक्रिक्तिमेशिक्तरममंत्राध्यमात्रकक् किम रष्ट् त्कक्षः करत्यमात्रवाद त्राहिनि क्रिक्टका-युनिया, करमज किया वित्रा, मिक्सन करण सम्बंग, व्यक्तित निरंकण क्रज़िंदन। नारत, क्रज-विविद्यांशः। ७ त्मरच्या जित्ताकारश्रनात्रिक्ताम भित्यम वरमाः वैद्यान्त त्रिनिकः ब्योहा। ১৪। "बाहे बटऊ निवटबत प्रमुखात माता हरू कारताद्वा नुस्क विद्या पात्रा (विनश्रीज्ञादर) शतित्रा,—"काणिटि# निर्मात्रह्योक्ष्यं ज्याजार त्यवज्ञा करक्तारिशयत्य

পাৰ শংকার করিবে। এই নিয়নে ক্ৰক্ ক্ৰব সংকারণ করিতে হইবে। চিক্ন থাকিলে পাত্র বাম হস্ত দারা উত্তোলন প্রক উহার তলদেশ জন ঘার। মার্জনা করিয়া, অধি-শাশ করাইয়া উত্তর দিকে ভূমিশাশ করাইতে হইবে, এই প্রকারে তিন্বার হত-স্হিত

किम्पोटबर्स किकिद अभिट्य याम रख मतिहेट कृत्यत खेपत एडगांक त्राचित्य, कक्र ना

अमिर्ड अध्यमनायः। ३६ । वह मट्य कृष्टितः मिन्निक्तारम् रेनक् उत्कान शहर जाप्ति-कर्षनाक्ष्मानाटक। ेश व्यक्तिक घर मामक्षमज्ञय सहसानीहि। दर त्यांकार कर्ष कृत्र हैटकादर जाहि बन्ना ইত্রভাতঃ কর্ম কুর্মন্ ইইকনভাগ্ডতি নর্ম ইতি । ১৫। ও অত্যতে অত্যন্ত । বতুরিগম্ভাতি-উদক্ষিতিদেক ।—দিদিণ জানু ভূমিতে মূপিন এবং বাম জানু উন্নত রাখিয়া, জালা-अनि खब्ब भूर्कक, "आकार्याङ्क वित्रमि जिटम्बजा जमकाश्रीन त्राक विमित्रमानः । " 6 टेन वरः पश्चार्कतात्र (श्वयात्रा नर्ककर्षामध्यक्षी उत्रा ष्ट्यम्टामि क्षांनि विषयापानि क्षावक्षी অধিতিক। অনুস্তিতাকান্য পৌৰ্ম্পীতোকে সালি পুৰ্বস্তুজ্ঞাপাতে। হৈ অসুস্ত যামজ-পাঁকিলে ঐ পাত্র ফুণ্ডিলের দক্ষিণাংশে পাভিত কুশের উপর রাখিতে হইবে।।

रकाव प्रवाह क्रमण्डी ह कर्ताकावित माना मिटन। ज्या के ब्राह्मण क्रमण्डा कर्

मनाष व्यवस्ति हिं मार क्षेत्रविष्ठात । ३७। महायहायुम्हान । यक्षिक महत्रवे देशक महायकी नाम जाडाबिकोधी नमी ना नामि भुक्तमध्का नाटक। एम नवकात मामभूषनाय ब्रष्टकानीमास्थि। ११। निक्य कतित्व। श्रमक कताक्षति लहेता,...'शकार्शाक्षति अत्यक्षी क्ष्यका क्षिकांक्षि त्मरक विभिद्यातः। ७ नत्रभुक्तमात्र। ५१। वर्षे मत्त्र कृष्टिमत्र केष्टत्त्र बात्र-रकान क्रेट्ट अमानद्रकान नदास कलाश्चनि त्रक कतिरव। शुन्त्रीत्र क्षांकिन महेश्ना,-क्षकान्डिक भिः मविका तमन्त्रा च्यांत्रन्या क्षांत्राभाः। ७ तक्ष मिष्टाः वाज्यत गक्कर क्षेत्र्यम मक्षणीकर जगाय। मिरदान गक्षमः क्ष्मणः क्ष्मणः जुनाकु बाठण्णाज्यिक्तान्त्रः (स्वमदिकः देवारितः । प्रमुद्धिः मिवक्टेश्वकः वहुतात् किमानशामि कविकानम् भवनम् विष् वह माज क्षांत अभित्य निक्रम निक्रमित हरेएक बाह्य त्वाव अर्गाष्ठ खेषकाकमि-धानी पाता

উনকাঞ্লিদেক

यम् । १४ । वर्षे मरत भ्रशेक कराक्षिमात्रात्रात्रात्रात्र मिक्शावर क्षांग्रहक द्वांम कतिहान

भटत, मिक्स कांच्र डेटकामन कतिर ।

बाजीकि । किवर्षः छत्रात्र कवकमसनमात्र का छम्साटकोट्यक्तिकव्यकमस्थित्। नर्कः स्वतात्र द्राशास्त खन केणि कच्यक्तिवाक्षातात अधि कद्धि: अवगट । किया मिरवा। अध्यक्षः मिविकत्वा मिता, तभी; ै ও তপ্ত---ইত্যাদি মন্ত্রটি পাঠ করিবে, নচেৎ নিত্র নৈমিত্তিক (সংকারাদি) কর্ম সজাং প্রত্যুষ্ তেওঁ প্রস্তিমানং কৃষি অনুস্থানীতি। তেখা যতলগতিং য়েয়মানং প্রত্যুব যজনযায়িনং আন্দু-काँगा (काडिडीमि) कार्या मिषिकक जुना उका इसेटन. क्रांडाक्रानि इडेग्रा निमानिष्ड

गुषिती खरश्मम् अक्षान् याज्ञान् वाज्ञान्ति। वाज्ञान् वर्षाः । त्वतः विचा श्रमात्नीतः त्वत्याः न अतक्ष्यः जीर्णाकर त्कंडर फिक्क, भूताञ्च विमनीकत्त्राञ्च कर्मायमत्योगार फिक्क कत्त्राधिकार्थः । किस याकण्याधिक धीमः मूत्रकम्भी मे त्मारेष्रकः वातः वादिः यत्तृ स्थात्रक् । ्याञ्चात्र प्रवित्यक्ष खिकिम्त्रीः

करबाष्ट्र हैटार्वः। उत्प्रयम्बामित्ता शक्षत्रताशन् खान्दराणम् ६ ख्रुत्राष्ट्र। जकरमत्त्रमर त्यानिक्रिधः

2

यना,---भग्नत्यक्षी कवि-असक्तरणाश्वारम्बङ। विक्रणाम्क कर्ण विनिद्धांगः। ७ कुक्त्यः-के शिष्कत मुष्टित मिरमत कुणा वाममुष्टि षाता शतिता, तिकाणाक कणकुण मात्र निकृति, विकाशीक-काशा-काश, शुक्त अवत करिलय कुना मिन्न करका मूकि बाता भतिहा,

या, क्रीर्गका, मकार वर्षावर्गावयः, अटकाशः व्यक्तियः त्यात्रां स्थापः व्यवातः, छारता श्राव्या श्राव्याः सत्रक्ष विद्यां दिन्नीः हृष्टिः त्रीयतन्त्रः, सत्यः रक्षकृतः, त्र्यस्य प्रकाष्ट्रतः कृतः, वाष्ट्रवरः सब्धिष्ट-रिटायंता, कांचा एकताकाः जम्म म्यास्थाः । छमाताः मतम्मातात्मिका मध्यकार्याः धानि कनः त्रकृतीति 在时代學 中公司 的现在分词 电影电打法 加强打印 多红 化糖丁 华斯特 以以及我 医甲基二二烷 "如何有一次在时间有时间的 कामि) का वैनामामि, एक्सा वाकानावसः, सदा क्षिक कामुसानमझनः कव क्रिक्टेक्साव्यतः। स्त्ती क्रम्मारशाक्षित्वा तिम्नाक्ष्मारने वितिर्दात्ताः । सम्मर्थः (काम्माः स्रमाष्ट्रं भावत्त्राकृषि कामि

वसमाछ तेकाटडोक्यामनी व्यतिमित्त्वः मडाः यटक वामनाभूकाटक का मघदमटत मघदमहत করোম্মহাত্রমাল্লানং প্রপ্রেয়। বিরুপাক্ষোহমি দহাঞ্জিক্ষয় তে শ্বামা পারে গুহান্ত-तीएक विभिन्न (इत्रवदार उटकवानाः कमग्रानायदम् कृटस्करुष्टः मन्निक्जानि जानि वनकृष्ठ

मास्त्रम् अन्तरम् स्था । ज्ञास्तरः मस्तरः भागम्। मः मस्तराक्ष्यः । विकासकान् मस्ति। व्यक्तिक के अमुत्रा अस्क व्यक्तिकारत्यक मान्यक क्यानिकन्यां व्यानक स्थानिक स्रोपिक स्थितिक । विश्वनारकार्कान मस्कर्णा । व्यक्त क्रिमारकामि नकाकिः मधान् व्यन्ति श्वश्चीत् मकाविः राजकृष्यः जाकरत्रोन्तिक हैक। उक्त अञ्चलिक उट वस महा महमकामर भटने उम्मनमाञ्चाकना मिका मन्द्राक कुरियो। भीणमन्दर्गातिक अस्टिक्त । गुर्दद्वतीत्क ज्ञात्म ज्ञात् । त्रिमकः विमाद्यत्मित् कृषः मिनिजिमिकि यात्र मंग्रीयम् शेरक् त्यंत्रामाः स्रोत्योत्ताम् स्राम्यानि विक्षेत्रीति (अभः । हिन्द्रस्य स्रोतः सर्व अक्षेत्रिक्तान्त्रि किस्याम्जियाङ्किः। क्षेत्रमः गुरः जिल्काः भारत्माः छत्। ६ अहिः। अनिक्याधिः <u>अधिनक्षास्त्रभोक्ष</u>िति सार्थाएक करा जुनकाकाकाकामार्था क्रियाचा क्रियाचीक कांत्रमुषकार (मर्थाचार, क्रियमित (शुरक्) व्यक्षचाष्ट्र (तोष्माक्षिक्षेत्र क्षेत्र क्षत्रवाक्षा महित्याचि नजी इश्चाचि एक्ष्य विभवन्ति नगरकः प्रतमाक्ष्य करणाया भ

हिम्मू-मश्**कर्यस्**किः।

अरक्टमा देन आम्मनमूलमानकुरन्ता भागति कलछ। या या आंटक्रांनीकुष्मका वा या क्रीश्रद्धित महस्रत नोक्रीतज्ञ केठ्यामुनामात्र के देनान्त्र महस्रत अधिकारोतीः कुसंखर या या अधिकातीषार अभएम युरा अभूभ हेकर कंचे करिमापि करम

मान्त्रीः मुल्लसः मः मः सन्तिरहोतीः कृतसः मः मः सन्तिकमान्तिरिक्ति अध्यक्षः कर्मकः । सर्वद्रामकन्त्रियान्त्रे क men epieng ernertiebn gingere met nnenng ngreichteun i da gute neur unuref unfufign-अधिविष्यं अधिमित्राको अधिमीमिकाकाविक दायर यह गत्नो सकत्वप्रमकार उसा छ आधार भूतरक्षम् मरक्षमामिरद्यामामिता सम्मामः मामित्रम्। भूमम्। माः जम्बद्धाः अष्पकृष्णमुन्तमि क्रिमिष्टि। एक श्वकि अध्यक्षित्रकाण्यत्रम्यक वक्ष्या सम्पन्नाम् विनम्प्रापि केन्यायम् कार्यमास्कर्णक्षः मां मा खेलि-खानीशास्त्रो अक्षणः गानवसः दत्तमुन्छमः दिस्त्वोति दत्तक्ष्यं माम्बन्धानाः, मन्ता मामभूकि एक्षिमनीनि विश्वकानाः वसतारः । किन्नु जारवरते। कन्नमाने कन्नमानि काकण्यमान्। गृष्ट्रमनक्ष्यारः अन्तरं कीकृत्नो albearen arages vonceinstiff hereis be, were misself ibstandig was been as ्त का मुक्तमाहाताम नवाक नाममध्या मधान्ता वयकतान मुक्तमान दाकामा जन्मधिका महिकान

1

নাধাতাং তকে সমুধ্যতাং তম উপপদ্যতাং সমূলে। মা বিষ্যাচা একা অকুজানাছ জুলে। মা বিশ্ববেদ। একণ: প্রোভত্কানাতু মালোম। এনেচভা মৈতাবকণো ক্র্জানাতু ভবৈষ বিরুপাকার দভাঞ্চর সমূত্রায় বিশ্বব্যচনে তুণায় বিশ্ববেদনে খাঝায় এনচেউশে সহস্থিকার

बारिस्मुनारं या स्वास्ताः मा या देकि जित्यपष्टमाजिनमार्थः क्रमाणिमांभ म कदिवामीकि वान्यतः ज्याष्ट्रमार প্ৰপত্তে শুলুগুনুত্ৰ)গাঁধ। জুলা প্ৰস্থিতিহিনুজ্জাত ইণ্ং প্ৰস্থাতং ক্ৰী ক্রিয়ানি যত এবং জুলাং জুজুক্টেমূন্ মন যাধ্যতাং সংশিধ্যতু সমুধ্যতাং সমূলতাং উপপ্ততাং ফল্সানসমূলং জায়ভাং ঘতে যাধ্যাপুত্র। শাগ্রাবা ইত্যুক্ত, ভারু নামপ্রগোগেণ কভিচিদ্শ্রিতুমাহ। সমূদ্র ইব সমূদ্র: বিধং ব্যচরতি বিবিধং গচ্ছ-্ড কারে বং অমনেক প্রকাতঃ প্রাঞ্জঃ তলৈ ভূডাং বিরুপাকার দকাজরে সমূডার বিক্রাচনে সূপার বিষ্থেনে ীতি বিশ্বশাচাঃ ভবা এজন্মনায়িঃ তথা তুথ নানামিঃ ভবা বিশ্ববেদাঃ সক্ষেত্ৰ তথা আছাৰঃ খুলঃ হবা শাতঃ ভশা এচিভঃ অকুট্নেন: অধি: তথা মৈতাবকুণ: দৰ্ত মাম্কানাত্ অভ কৰণি অভিস্ভাৰ: । थाकोष्ट साटिकाम गणमाकात अवस्थाः भूवाध नम होत्र मन्त्रता मनस्त्रीतः। प्रत्यिकारके ग्रक कामक्रिकारक

स्टर मिन्निमित्रम् सिन्धिक स्था स्थानिमित्र सिन्धिम सिन्धिम सिन्धिम सिन्धिम सिन्धिम सिन्धिम सिन्धिम सिन्धिम सि

এজনঃ পুনাল লগা । ১৯৭ - অব্যাহ্য স্থাত । ক্রিত্র এবং কলা পুশা এজাতে দিবে।

डेटि माथात्रन द्यायात्रस्क कुणां छका ममाका।

क्षमती कि भूसी पर मनतः । काम त्याताति खा भूमति आधिकार कार्मात कः गुणुर देशक क्षमति क वैकि अंताः आम्बरमारमारमिकामानिमम्भाष्टायमारकाषम् (गोनसम्बाद मुप्तारिकममस्पर्यात् अधाः । जेन-धांबाबीकि नाव्यक्तिमान्यम नगषः रात्रिकार्फडातम मुक्षप्रिति काम्बरमास्म अकाषः । निष्याता गः जाताः कांक्याक्ष्यां क्ष्यं क्षित्रं मनात्त्रान्नां मिळ्यात्त्रं नव्यतः । ज्यामित्रम्परक्षितः ज्यापनीष्टि अक्टाक्टीर मन: धीमरना वक्षांचि क्ष्मिन द्वारानी वक्ष्यादिकि मैकाइधाकाम: क्षांनानकाममा मा हों किया नाहमं नाटनान्नान्नान्नान्ना कानाः ॥ ३३ ॥ में कि क्नां किनायानानाः ॥

নিকপাক জপাত তুশতিকান পরে, একেডকর অধ্ধি বহুদেশক কুশতিকা সেই থাধান (এক বা বইট) কৰ্ম সমাধা ক্রিবে। কুশ্তিকায় জ্গির বিশেষ নাম করণাদি वाक्र ७ डिमोहाक्ष्

না ক্ষুৱা আকিলে, প্রকৃত ক্সারতে অধির নাম ক্রণ আবাকন ও পূজা (বহিষ্থাপন আকিয়াৰে শেষ) করিবে। পরে, সকল প্রকৃত কর্মের আগরভেষ্ট একটি সঙ্গত স্মিধ क्षकां निक्ध कि-गाग्रती करमाश्यातका महावासिक (कारम विनिध्याणः। e फू: আহা। অভাপভিষ্ধি কৃষিক্ছদে। বার্দেবত। মহাব্যাজতি হোমে বিনিয়োগঃ। বিনিয়োগঃ। ৫ ः বাছা। টুড়া, উপনয়ন এবং পাশিএহণ সংকারে, মহাব্যাহুতি দেন্দ্ৰের পরে, বাব্য ক্ষমত্ত মহাব্যাক্তি হোম করিবে, বথা ;---থাজাপতিপ্ল বি-র'হতীছন্দ: প্রজাপতিদেবতা বাস্তু সম্বাব্যাক্তি হোমে বিনিয়োগঃ। ও ভুড়বং যাং বাস। 🗓 बमह्यक व्यक्तिक मिश्तकन कतिता, महावासिह हाम कतित्व, यथा ;—

नम्पिम केन्द्रिया, भूनस्रात भूस्वय यहात्राक्षिण क्षाय कन्त्रमुम्बद्ध अक्ष्म नक्ष्म नक्ष्म अधिक मश्रीशिष्टि एश्मे छक्तिशामत जास्य कतिहार अबेटन ।। भारत, धाक्रे कर्णाक्र रहामापि विकि क्षक्रिक कटम इक्टबाय थाएक, क्षांत्रा क्ष्रेटम क्षर्क निष्य खटकाम मुक्क · 阿拉巴西 阿斯斯等 在日本中 李月月日日

खिरीहा । -- अक्टि करमंत्र रेवकना क्षामामार्थ आम्मिन्छ रश्मामानि घक्रण त्मम कर्माटक डिमीठा बरम क मधा, -- भावत्विङ कमणाटब र छ ताविया, मध्कम कतित्व, ष्यदमाध्यापि--जमुक कर्षाकरहाम-कर्षां वर्षधनार काउर उरमायधनममाम महानामिडिक: कार्यनिडिक-त्राममह्द क्तियाभि ।

করণোড়ে,—'অংগ ডংবিধু নামাসি' বিধু নামাসে ইবাগছাগছ——আবাহন পূর্কক অভিনাক রিয়া, আংমত্রক একটি ছত তালিকত সমিধ অধিতে দিয়া,পূর্ববং(৬২ পূরা)

মহাব্যাহ্বতি হোম করিবে। পরে, মহাব্যাহ্বতি ছারা প্রায়শ্চিড-ছোম করিবে, ষ্ণা ; — প্রজাপতি-ঋষিগায়তীজ্বেনাহ্রিদেবত। মহাব্যাজ্তিভিঃ প্রার্শিচন্ত-হোমে विनिद्धाणः। ७ कुः यादा। टाकाणिक्य विक्रिक्किक्टरम्। वाबूर्पवज्ञ মহাব্যাজডিভিঃ প্রায়শিচতত-হোমে বিনিয়োগঃ। ওঁজুবঃ আহা। প্রজাশতিঋ্বি-রসুধীপ্ ছন্দঃ সুধোঁ। দেবতা মহাব্যাক্তিতিঃ প্রায়ন্তি ত হোমে বিনিয়োগঃ। ওঁ ষঃ আহা। ধেকাপতি শবির্হতীকুদঃ প্রজাপতি দেবত। ব্যক্ত-সম্ভ-মহাধ্যাক্তিভিঃ প্রার্শিচ্জ-ছেয়েশে বিনিয়োগঃ ও ভুজুবঃ ফঃ থাহা।৪। পুনশ্চ সমিধ প্রকেশ পুর্কক महाबामिन हिम्म (कर शुक्ता) कतिद्य ।

নবতাছ হোম।——ও আফুক্তেকন রজ্গা বর্তমানো নিবেশ্যয়যুক্তং মঞ্জুঞ্ছ ছিরণ্যুয়েল

त्रविद्धा वर्षका (बर्टन माहि क्रिनामि न्यान यात का ऽ। ६ वानामध्य मार्थकु एड

मधुनारक क्रवीम् एत मधुनार त्यत् कर्षाच् नर्वमाना एक्षान् वीत्रप्ति जीकाक तम्मा मुद्देर्गिका मधुन्ता-क्षीयत्वाशास्त्रकि कृष्ण्या । चात्रम्थः यः मनिका त्यन्यम्।जानात्र वावकानदमा दः कर्षकृतिविधाः विष्यारहत्वरि क्षत्रिक्षित्वाक्षित्वा क्षित्रमात्रमायम्बन्ति मिलाडिङः॥ ३। थै मामाविष मध्यकु एक नियंका अमित्रेकीर स्था वामक तमाल । तह त्याम कुरियोमवीर धर्मात स्थाप मेरिया अस्ति मेरिया कृरक्षण मित्रतम् व्याप्तिमानः व्यक्षिमार शत्राविमानः । वारत्रत जाजिकालकः वाभक्षणक्षारं अवकृतः ज्यान के बाफ्टका शक्तमा वक्तमारमा जिल्लाममुक्त महीक किल्लारम मनिका हरवमा त्रांत्रा मनिक कुरमानि नानभूषामामी खडार मगडांडि छटेष वश्यक्ताः क्ष्म । मावर्षमान मा-गडीडि बावहिट्यान्तर्ममुष्यः । नका। मधिका चारिका चाराकि चानककि (मर्गा (मर्मामिकामुका (क्य प्रथम किन्नारका विश्वभाषिक सूचनीयतामा किःकृतिन कात्रांति कृतनानि गक्षन् कृतनारितामा सहयान काकाक्ष्रीकानाक प्रमानानक्ष्रीन् माण्डिनमित्रीकामानः । छवा मिरमणत्रम् दन्त्र् द्वत् मानारत् ममारमणत् ने दर्णकृषः मध्येक दर्णकृष नागाव्यक्षि एडम एसम्प्रमात्रार नवन्नात्रात्राम्यात्राः। न्याः निष्णं कर्मानका प्रमाना माजिकारका क्ष * addicajuljadas utcale celulis, gei valis, gelila utales utalisadas altalisadas

निमाउः (माम त्रहोर क्या वाकम् मरशस्य योश्। ४। ७ व्यमिर्मा मियः कक्रदमितः,

পুৰিব্যা জনমুশাৎ রেভাংসি জিছতি যাহা। ৩। ও জাগে বিব্যস্থ্যস্ভিত্তাং রাধোষ্মার্জ্য ८७ छद महसङ् मणक्रता: क्रमानिशः वाष्ट्र ष्यक्षः विवृद्धा विवृद्धः व्यानानित्रः व्यक्ष्यात्र याव्यक्षात्रकः जिक्का नगरम सन छन। इरहेत्रम्मिक अन्तकः ठस्तकाकिरव्याः । जानुग्रयाकि जासकावित्यकार्यक्ष मक्त्रमास्ति। নিশত ইতি আদ্যাদিতা ইত্যমেল থিতীয়াঝাতনিল্। বুইগুমিতি ভবেচ্ছক্ষ্মীতি গৎ ছাক্সেল্ড্রস্থাধা-लागः । छत्। केछि बाटारेट्डिकामिडि मैदिः। मस्यम्मयः मक्मयोडि॥२॥ ॐ **म**धिम्की क्षितः कक्ष्यमिडिः ग्रीवका जुनमगाः (अञाति दिवन्ति। जातः क्लोर्यारतम् द्वा ज्यानस्य विश्व जिल्लाक्ष्रीक्षाः निकान्तराक्ष्य-ধাৎ, অধে: প্ৰান্ত্ত এব। তথা দিব আকাশত কত্ত, চিছাং ভ্ৰণমিত্যৰ, সৃষ্টি ক্ৰিক্ৰাদণাং ৰালানাং শশ্ভি: অন্তএৰ পৃথিবা। সহাংশি বীন্ধানি শিৰ্ভি প্ৰীণাতি সকলং করোভীভাগঃ। জাদারিভি স্পাংস্-ব্লুগিডাাদিনা এসফুং। ্বিজীশনাৰ্দিতজ্ঞ সুমি শুপিজিষ্ডীভি রূপ্টেও। ও আলে বিবস্থ্য-गम्डिक बारशारम्जा ज्यामक्टिय ज्यास्टियसमा व्यक्ता सम्बन्धा ज्यास्ता । ८० जारम ज्याकत्यमः শ্ৰৌভত্মাৰ্কামিমগোধনং ছং উমৰ্ক্সেগিন উমলি বুদানে আভিয়াভগিছনায় ভাগৰি।

হিলু-সংক্রমালা:

প্ৰান্ত্ডান্ লটা আভান্ প্ৰভিৱাহতে। প্ৰভাগনান্ত জলান্ আৰহ আশিয়। ভিত্তিৰং বৃধঃ লাখঃ क्षित्रः जनमामाध्यत छेखानगर छ। विषयमिति यव्युक्। ज्यम हेडि बस्ताः सम्मनीछि वस्त्रकार मधुमार्थ हम्मति गरमश्यीति व्यासः भरत् व्यात्त्राथः। व्यक्ता कृष्टि कृष्टायूर्छ। तक्त्रायिक माविष्टाक्ष्राध्ये বুধনলোগি সেহিপুলি বুধ্যতে আদিত্যাসুগতথাত্ত্য এতেন বুধনপথে বচ্ছেরালপিতং এবক দেখান্ मात्रायतीयः। भव्यक्षाः त्ववयञ्जाः कथ्यावक् विवयद् विवयत् स्वाप्तः। भएको ब्राखीक्षां भवाता-मिकासूण क्षितं छ देकि महत्वारः। वस्मिन। क्षाप्रकार्याक्ष्मिरः (सन्। जनक्षि किस्कुकात्र निवचत् अनिकास्क विकास अपनि मन्त्रताता। उत्तर् । होड श्रवाम्यामिकार नक्षिता तकः। त्रव्यान्यर्धाः धाक्षेत्रक्षीं य्याक्ता रक्षी। बार हेकि क्यीने चटका जाए। कर हेकि गामक गाम जाकशृत्ती किया भीत,।एकि डि किष्मभिष्टेषक प्रकृष्णीक्यकतम यामाः मच्यमात्रकाः नामियमिषमीमारकक्टि वक्षः। वंदा क्रिकि মাভাৰেন শ্ৰেগ অন্দেধী ইতি দীবাদচিদমানগদ ইতি কজং। আভোহটনিভামিত অসুনাসিকঃ রেকজ मुकारक कमिन्न । 8 ह के प्रक्रमांक भविभीता अरथम अरक्षां भिक्षां व्यभवासम्। "व्यक्षां रमताः ब्रह्मम तरकाश विका व्यन्त्रामानः। अञ्जत त्यानाः अवृत्। वृक्षाः क्याम्याकत्मकातिन्।

শাসুণো সুণা লয়দশাক মেধ্যসিতঃ নথানাং। দে বৃহস্পতে দং সধেন প্রিদীয়াই পর্যটন্ শাসিকাস্ टलकाड टेमकानि ब्रुटक्कत व्यक्तरना क्षिकण । उत्तवा क्ष्यम् मन् काचाकिर क्षयोजार जाविका काविणाजारका खित र्गित एमदेवस्त्र अट्टा गदिमोत्रा मोड कट्ड गतिथ्न स्वान्ति मिस् वास्त्रित स्वान्ति मिस् तथानार जाश । ६ । ७ छक्र छङ्जम् मङ्ख्र छ्ड्छ विष्करणश्क्नी मिनियोजि ममिकार देकि पूर्ववर हथानिः। टाम्रता हिक् विष्ठ कामकारण मृत्या क्षापि एक्तिन्त्रक विक्षिक्रकार रहनी (फोदिनानि । दिः कि मात्रा भवनि यक्षावन् छन्नास्त भूषतिः मालिक्षाः । दिः भन्नी पृत्ताः छन्न महास्त्र क्रकार्कनः क्षेत्राविक्षवः स्थायम् अभावत्त्राक्ष्याकः स्थायम् । एक्ष्ययायम् एक्ष्यसारः स्थापिक्षाः **প্ৰ্কণ**্ছ ভথা (**ই পুৰ**ন্তে কৰাত্মজৎ ভৰদাৱাধনপ্ৰ্জন্ত অৱ: মধি:। ব্যিলগান বধা ব। অকচেতে न केस्स पूजा संवज्ञ के शुक्री स केस्स मक्षा थे। कुक्त ! असके के स्था कि एक एक प्रवास हो। अवस्थाता प्रकाण माणा मिलक

भूगध्यात्र भावात्र कला।शम्भरदानाव छ फर्बाकामन्त्रमान्त्रमावाका। भावत्रमान खरुएक शृक्षमानिविक हैं कि एक्टब्राश्यर। त्मरीति या हममीजि मुक्तिर मन्तः षाणीहेम हेन्डि टिटेस्डः मन्त्रम्बास्ट्राहाः षाधिमृक्तः उन्हार्षः गैडतः गानात्र छ। किक त्मार्थान् ज्ञित्यक किमर्थः नराया क्लाप्तरमात्रात्र ज्ञार्थार्थाक-मा। वीकांका माण: ताश्याक कत्तात खंब किकुछा: ताबी: ताबा: चडामिविवा: किम्बिविदे मझोरम् ८ए साम्हरम्य स्पर्धा मः स्मोतियाति भागमाम हेव दामिटकाति । . जन्म भः कि मुमार-विभागा मामिकामिकामिकार मरम्बिक माम्नाकाषर क्रमाजनमाम्। सामिकामिकाम् कामिकाम् इतिमे हिस्मार क्षा काम् स्टि मुस्टः स्पेर् अन समस्मानन्तिक। . उत्। त्र शुनम् स्त् नस्म कथान् कथान् कथमात्राजितानीक्षामान्त्र एक ठव मानम् । एषाणुष्तकः। श्राणुष्तकः। प्रमानक्ष्यकः। भ्रमान्त्रिकः स्मानि बनिर्णो व्यक्त्यानिक्रिय-परमं यमिन्। विष्कारण शेकि मुक्षकः १७१ के मरमारम्बीमधीकेरव महत्रा छवक नीकरम् मराबाम्भिक्यवन्त्र कमि कुका मुक्क कार्डाट एड एक्ट्रको दिव्यव्यत्ति कमानोकन्यांक्रिनी एडम फिन्नक्रमार्था नार्का कारका नार्का-थन्त्रभूक्षं व्यारम्हर्मा हिन्द्रा क्षित्र क्षित्रम् अवश् द्राव्यत्त्रानम्बर्धकारकः मा बक्रांकि म मद्रश्रादक∡र

नदश्रह-दर्भ ।

न्द्रभम न्द्रकार गिका ष्रमनगरमातः । शुरुषः तमाः शङ्गा । यूरा क्रमममाक्ट्रमानिका

अमित्यो म्या सम्मामित (मर्मितिक) म्यामार। ८६ म्रहण्यात सर्भनः प्रिमीमार ग्रामीम् स्थितान नुवानार याशा । ६ । ७ एकत्वरुम् रक्षर (उर्कर विष्करभारती त्मोतियानि। द्रजात विकासि मुस्का समिता सम्मिता । छक्षा क्षत्रम् तम् क्षत्राकर क्षरांजार महिका मिनिनानरमा क्ष कृति तम्देवक्षरका सदिमीता मैं व करत भतियुस व्याप्तित तिक वाकाप्रतक्ष भवते कामा निम्मायका अधिवार अधि मर्सवर समामित । सम्प्रमा केटि स्मिड साम्मात्व मत्त्वा सम्मित एक्सिम्पण निक्तिक्यार SEN CONTRATTO . TONE TO MAIN MATTER DESTE OFFIER STEERS . CE WENT TATE CARE NAME OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PASSING THE PROPERTY OF THE PASSING THE PASSIN 五十八十二 医三角 医三角 医三角 医三角 医二角 医二角 医二角 医二角 医克克斯氏征 医克克斯氏征 医克克斯氏征 医克克斯氏征

समहामार्यार त्याप्तिक या सम्माति गुर्मवर मन्तः मानीहत्र वृत्ति रेन्टियः म्यम्ब्यास्ताः म्यनिवृत्तः उन्हार्षः भौखरत्र भागात्र छ। किक भारताम् अधियन्त्र क्यियं भारता कन्नान्त्वात्रात्र आर्टान्त्राक्र भूगेष्ठमात्र गानाम कनागणमः राष्ट्राताम छ खन्तिकामः नामानामा । मनिमानम खर्षक गुर्ममान्तिक हो কলি পুৰুণ স্কু জতএৰ তে দেহদুনী বিষ্কুপে জনানাকপ্ৰান্তিৰী তেন দিন্দুস্থাযোগ্য স্থিপ আছোন এখেন मध्येष् एक आधारमव मुक्त मर त्योतिवर्तान भाकाम हैव व्यानात्कान । जन्म भर कि ममान विभागमा व्यामिक्राम्बन्दार नत्नात्रम् मोत्राज्ञन्दर मन्त्रन्यात्रात्रान्त्रति मानिकाम्बन्धरक्तु है देवत्रत् एकः कान्त क्षि भूत्या स्वी अब बन्नद्रनावित्रिता। अवा तर शुर्व हेष्ट यत्क्षत अमात्र क्ष्रकामानितानाना त्र सन मानम् । क्षान्मक्रकावार क्रकानक्ष्ठा क्षितः। यहात्रत्नि क्ष्मनि बन्नित्री क्ष्मनातिष्य-पदर्भ यिमा । विश्वसत्त श्रेकि मुक्कः । ७ । ' अ नत्तातम्बीक्ष्योद्धतः नत्ता क्ष्यक नीक्षत्र मत्त्वात्रक्षियान्त मः। व्यक्षाका भागः मार्गाकर कत्तानः खतंक किल्लाः तनताः तस्याः भुष्णामित्वताः किम्पर्यम्भीरेष थनपूर्विक क्यांस्टम्टम् । छवाहि वर्षावम् नथ्य। ज्ञाषक्टमीननक्यांक ना वज्ञाकिन नरवाशास्त ८६

ভীটজে শলে। ভবন্ধ পীতজে। শং বোলচিস্বলুনঃ কাহা। ৭। ও ক্লানশিচন আৰুজুস मुजी नमाइ(कः)धः नथा। कत्रा महिहता हाडा याहा। ৮। ७ टक्ट्र इत्यत्तराज्याय रगरमा

मिना पुत्र प्रमूष्ताह बक्ते व १ व व क्षामिक दब ठाति वावताकर वासरमधानात के किन्तु क्षेत्र-কিণডাগ্রপুর্নডোভ বোগবিভাগং সমস্যেশং ভাষণে চতুরী। শংযোগিতি শং শংকারিবিভাগ स्किटातं टमटाम् म्यो। मटनमाटन नमूर्याहतकाथाः। ८० ८०८३। सम्बन्धनम् त्रमात्रमाः मरकारक। क्रमां क्रिक्रे हिक्कि मांगर क्योंकिस्मिधिक करेक मिका स्था । किर क्सीन् मर्था मग्राताकाः क्क्य कांगर क्षेत्र म एक स्थार क्यांगर मिन कू तमार कूर्मम् तम्मारकत भूतन् त्रोमक्ता यास्तिमार स्थापित समा ह मान्नियाक्षरः तमस्यानी त्रम्मकः त्मीयाबायूनामात्मीका क्रिक्ट्टिका व्यवसायाः मात्मकात सम्बातम्काः कथा प्रतिमात्म जिम्हिन स्बरगरकार वास्त । दक्षम् विक्रमारम वेत्राज स्वाज स्वास्त । माक्षरा करामारम मृति वर्ष्यक्रमहिक्षम् वर्षमार भवी। वृष्टि निहेकामिण्यत्वन मिणाहित्यः। वाटात्यम छत्र्वाः कात्म व्यवमा । ज्यक्तिकि वाकात्रम मध्यात्तवः ममजाप्रधाः हे हि. बार्गह् छाष्ट्रमानमम्बः ॥ २ ॥ ्मम्बत्तिक्तिनिक्तामि बार्यास्टरः । व्यक्तित Constitution of the Consti दर्गा व्यटनगटन । मयुमस्टितकांत्रथाः काका । ৯।

हिन्-नरक्षंवाना ।

मिनिस्तातः। ७ मिनमिनिकः टामुन नक्षर टामुन नक्ष्यािकः प्रभात्र किटना नक्ष्यः (के छा १ तक्का श्री क्या का मार्कित का मार्क् । अमे मार्कित मिन्निया का विद्या का प्रतिक प्रतिक प्रतिक विविद्यांगः। ७ जाकर्ड व्यवस्त्याः। अस् मध्य प्रतितत्त मिन्दित देनक्षं उदकान मन्त्राचीः । मन्त्राष्ट्रभगात्राः नजन्त्रामात्राः । मन्त्रिकां माणिकामाः नृतिः नथानि करान्तान् स्क्रिका एक मिन्छि या क्ष्मात्त्वराष्ट्री क्ष्मान्त्रराष्ट्रा क्ष्माण्यामात्री करणे छात्। एषा ६६ णक्ष्मात् कर यम्। है, निक्क जास, यहनीय, यासर्व, क्रिव्यास, जेनानास, सम्भात, जनकास १०। जारत, वाष्ट्राम्द्रमव्या व्यर्शेष नात्राव्य, तत्त्वी, गत्रवेष्टो, वजी, नीचना, स्त्रमा ७ गणा टाक्रींडत d signigelig wie, ale men | cein office i ore, mingen Greinn office क्रिएकमम कतिया, क्रमाश्रीम महेगा,---श्रमाभिट्य गिः मविछा स्मिर्छ। प्रतिष्ठा प्रतिमिन् गिक्रत ক্রিবে≀ ুমশত কলাঞ্লি বইয়,—প্রকাপডিঋ্বির্দিডিদেশডা উদকাঞ্লি সেকে स्केट कांग्रेटकान नवाष्ट्र क्रमश्रीता किटन। भूतम् अनाक्षति तसेता, - टाकाणि-अधितम्-

भून*दशक्तिः(*तकः

সমুখাতি ৪১ এ ওঁ আংকং বিশ্লোপ ৭০ত বয়ঃ। বজুবিদং শতিক্ৰাভাগনে বিনিষ্ডাং। বয়োদেবভাঃ। বয়ঃ ार्जीकृतिकाया वक्कवांक व्याम्।--क्जिनम् अराहमम् आमान व्यासन् कृषा नवेता, চিডভাবে স্থিত উচ্চর হচ্ছের মুস্টিশার। ধরিয়া,—থাজাপভিস্ধির্বরো দেবত। দর্বত্ণা-ভাজনে বিনিমোণঃ। "ও আপকং রিহাণা ব্যৱবয়ঃ"।২।এইমত্রে ঐ কুশার অংগজাগ ও निविधः देशर सर्वकृषः प्राक्ष्मात्माकः विश्वाता जायात्मकः वाष्ट्र जात्मकः। विश्वाता वृक्ति निरम्बराजन শক্ষেরকঃ। ব্যক্তি বৃসিতি অবলনকাস্তাশনবাদনের লোটসিশ্বহলং ছক্ষসীতি শংশ। সূক্।২এ ও মতিদেবভা উদকাঞ্লি বেকে বিনিয়োগ:। ও অনুমতে অনুষ্যো। এই মত্তে স্থতিদোর পশিচমে নৈশ্ভিকোণ হ্রতি বায়ুকোণ পর্যন্ত জলধার।দিবে।পুনর্কার জনাঞ্জ শ্বীয়া, – আকাপতি শ্বিং সরঘতী দেবঙা উদকাজ্লি সেকে বিনিয়োগঃ। ও সর্ষ্ডা-য়মংকাঃ।১। এই মলে ফুণ্ডিলের উভরে বাযুকোণ হলতে ঈশানকোণ পৰ্যন্থ বঃ পশুনাৰধিপভী≑ডভডিতিরে। রুষা। পশুনমাকংমা: হিংসী রেডলভ ছতং ডেব। জন্ত≧্রিয়ং কছে। क्नधाना मिट्न ।

वाषक्रा समित्रा, जनवाता अकृत्यन कतिता, क्षणां भिष्ठ वित्रपृष्ट्र भ स्टम्मा क्ष्मक्टनाकृति तियका महिक्षिका त्रात्म विनित्त्राभः। ७ मः अम्मामिष्धिक्य-प्रविक्ता भूषा मध्याकाकर मा हिरमीत्वकम् ब क्ष्यत बादा । ०। वह मत्म के कुनाक्षिक क्षाक्रम মূল্যেল ব্ৰাক্তমে ছতে সম্ভান করাইবে। পুনশ্চ ঐ কুশা অপর ছুইবার ঐভাবে ছতে প্রজ্ঞান क्षाहित बर ' ७ जकर तिश्मा वाष्ट्रात: वर् महत हरे वात्र निहर । नहत, हे क्रमा

त्रक्षा वर्षमूक्षणात्मात्व निमम्का । ता मधः नम्माः नम्माः नानीमाः वनिनिकः सनी मधः नत्मका त्राह्म-ब्रह्मित द्रवादेव क्यांक रवः दृश्य क्यांत क्यांक त्यांक । विश्वाधिकदेवकी मण्डांतक वावतीत्रव्याद्रशास्त्र विजिsmil. Afein Afein Afein bezugnnt met ceibi greiff famirufe foutt unge ableite शाक इ. अधिक हता क्षेत्री कमा: वृता नविका नव्यक्त माथ व्यामा मध्य व्यक्त निकृतिका हाइ हा क्षेत्र का नमूत्र समाधित् का सिम्मी कडड कर छनाच कीकरत होकि त्यक्त ३०० के भूरियामर मध्य सुरक्षांत्र त्याक्षेत्र मस्बर्धशास्त्रकृत्य सन्मित्र कः कन्त्रिकृत्य वनत्य स्टब्छि यत्रम्भित्रकम्मः आरेण (हास्त्रज्ञाः क्र्य्ने स्थाजि (* * *)

(है भे देखें, किस्तती दलक) त्याजात याव-मृत न्यूडे थाकिरव,] मेळ, -- टाकाभिक्क विकिताष् र्शिक्षि । - वटम का मुख्यायति याति नामकत्रम श्र्मक कार्यासन धर्मः महिना मित्रा, फमकांग्राम् नगुरू धारूत कठ नहेग्रा छेषांग कतिह्य अवर भक्तांनिक्षित्र महत चितिहर शाता वाता शुरीवृष्टि निरंत। ि अहे नगरत तथनाम काईक व्यातक रखनात

नीमधीष्ट्रभार स्टाट्टार तमयका मनकामध्य मकनीत धारतात्म विभित्मातः। धः भूनेत्रामः मन्त

क्रमि लाव्टिन क्रमिकि वतमध्य ममाजि। वत्र हत्व यन्ना ज्यमि ज्याद क्षां। ४। শ্ৰে, হোডা, বন্ধ-সম্প্ৰদানক পূৰ্ণাত্ৰ দিবেন, মথা ;—পূৰ্ণাত্ৰাসুকল্প ভোক্যায় নমঃ, मर्किमा भूतीक, पारमाधानिक्रिकेट षाम्क कमीलारामकमीन बच्चकर्षाधिकी थ मिक्नोत्तक्षं न्त्रीयाद्वारक्षा-ट्याकार उक्तरंत कृष्णमहर मधानकामि। "स्कार्य क्याव भटते क्षणधात्रा जन्माटक (क्रमण विका श्रीमत्रा भित्रा) विज्ञक्त कतिहत्व। "जार्ष पर माचारण वेशरण्डारूकः यतः द्वता । एष्ट्र समाः क्या यमनारूषः त्यारक ज्यामि एक समी खनात्रीकार्यः ॥ ॥ सम्बन्धन टनिर्मित्र । कक्कणप्रप्रत्यस्थातिक्टक्षः टक्षण्यायाः केस्यानीजाः यथः सराप्रकः जीनि चात्र्राति ताम-प्रय-कनिष्यानि

ş

সমূলংগছাঁ অধিতে জাল দিয়া বিসঞ্চন কয়িবে এবং 'গুণি ৰং শীতশাভাৰ।'' बिन्ना, फ्रिंडिटनत्र मेनानटकारन कुक वा मिर मिरव।

निमित्रकाः। जाण किटना महारत्त्रीमीत्म नानिगिषाः। छक्षे नानगत्रकः। त्नाद्रेन्यकार देखाः attivents: dan on perios ala - Capalla फिरनाइ, काय वा व्यक् बाजा मैनानाकान शहेएड मर्शशिक-एक्टनाम मिक्सिक फन्मबाजी क्रीबार अस्य अस्काम सक्तमान क्षम् जिल्ल जिलक मिरन। भारत, महायोगरमना अभि जिलाक कामा कामा, (मधामान नात्रामनक मिना,) 6 क्यानेक बार्मान्त । क যস্দলে আলায়ুবং। ও বদ্দেবানাং আলায়ুবং। ও ওত্তেহ্ছ আলায়ুবং।৫। এই মনু চছুইয় ল্থাক্সে শাঠ শুর্কক শীল ললাট কঠ বাজমূল্যন এবং আলোড কুমশঃ জিলার দেবায়ের যে তে তেব আছে ভবতু। আয়েরং ইতি আচিয়াণি ক্ষেৰ সমাসাভঃ। ৫ । জ্যান্তিক कुष्यदाः कुदानाः मृत्पानीकायम् कृष्याकाश्रवनकाताः क्षांतरका। मजीयून। वृष्टि न हैत्या हेकामि । नाम्यान्त्रक्यः हैसारम्यानाः 西村: 中国公司 বজি শাভিং দ্ধাতু কিছতঃ শুবাবিশ্বেলা: স্প্ৰভা: তথা হ बम्बर्ध-कार्बुबर ।

-

मेडालि (श्रम्भेश्री) यत्त्र महिल्लिता । भ। श्रक्त करचत मिल्लाक जरूर विधिक्षीवधात्रेष देवक्षा धानमन कत्रित ।

সম্মান কাৰ্য শেষ হইলে, পত্তে, জামাতা বধু সহিত প্ৰশস্ত গৃহ সমীপে (আছাদিত विवर्ष-त्रामानि क।

mputet git awfin nie, avfire, zwitre d nuv (nointien zin nies) with con mital, girms, at ceintifte apu frute mrute, groups find musical manufactures, and aputet mital musical manufactures, nointient et mital musical manufactures, nointient et mital musical manufactures, mital musical m ं क्षाम्बद्धान्त महाम्मिक भटन्दे (सांस्कोट) स्वितातानि (सांम कृत्र। केन्द्रिक, अकृद्धा मानक प्रमुक्ता महास्वरूषे हे नक्षानुष्टा [freig aufe Ruffer finife frum an untu arzuntig fennenw neutwereffe ere frumt · 神学を変えるというできます。 「「「「「」」では、「「」」では、「」」では、「」」では、「」」では、「」」では、「」」では、「」」では、「」」では、「」」では、「」」では、「」」では、「」」では、「 ATTOLICE) CONT. ETCT).1

टना म्याष्ट्रं धाकाण्डलट्या माडवरा: जित्रावर्जकिया देखि श्रमः ६०॥ हेकि ख्रीक्ष्मवष्टकाविक्ष्मरक क्रिकामोब्द्यकारम् खन्मकाकः म्याद्यः॥

অধির পদিচম উত্তরভাগে সমীগত। (সাইপান্ড।) মিলিডে চারি অভানি পরিমিড रण करेता भूकीयर जागमन भूकिक कृष्ण्यातित भूकिणात्म ज्ञाक्ष्य कृष्ण मिक्कि लाका गुरम्त छेनत त्य त्यह हाथित अवत उद्यम्बित्य त्यांकी (त्यांका) मिक्कि मैला खिक्रम् विमूत्य त्रोनकात्व मत्रायमा याक्टित। ज्यनंत्र वक्षण नक्षत्रिका (नीकृषि) আলেপৰৰ সম্ভিত একটি জলপূৰ্কুছ সংস্থাপিত আকে এবং একটি সধৰ। আনিসাক তৎপারে, জামাডার কোন বয়স্ত ব্যার্ডকায় হইয়া, পাচুর জলশানী জনাশ্য হইতে उत्तृष्ठ क्रमार्थ्य अक्कि क्रम अहता, प्रतितृ श्र्मिक् घटेट्ड क्रिक्यिट्रट्स प्रातित्रा, [धाफरव कद्रारण म आह्रमान वाकात टावा समामाम मात्र ना, टकनल व्यक्ति **मणिस्**व 審心器は最終を育らにはなるとこととというないとこと স্কল্য উপস্থিত থাকিয়া প্রয়োজনীয় কাষ্য সমাধা করাইয়া খাকেন ।। मारेका के खाटक मधाव्यान थाक्टित।

मर्काणन कजिएन।

छरभरत, मुखिरतत भिष्टित फिङ श्रमास्त्र कामाङ। यीत्र मिक्करत व्यतित विश्वतीक मूर्य मधावमाना मुझाछ। कम्नारक लण्डार लिथिक मज लांके श्रीक मववन्न भवाबेरवन, (अक्टर क्यम नहा मान कतिशा गान नारे नाननात जाएक।) मान माना नारिक-म मिक्सिडिक्सि: अतिशानित्या। तमन्त्रा व्यत्सानम्-अतिशानत्म विनिध्यामः। ७ मा

অক্ত কেন্ত্ৰ মুন্ত আনত বুলত দেবেয়াই আনুন্তিতে। আনুন্ত ভোষা দেৱেয়া আনুন্ত্ৰ

<u>ئ</u> چ

> ॰ गूटमैं शिक्षात निकट न्या निमित्र विकृष्ठ बामन (माइत्र) गाजिता, केशत मधाबटन बाधिनमीटन बामाज बिमा सम्बद्धां मोत्र मोत्रोम हामाम दम्मीत अस्ति आर्थक वाटक मुख्याः अद्धालन निवास छत्। मन्द्रिमुक्ट महुत व्यक्ति सम् करों विकास रहामानि क्रिएसम क्र% मानक्रक मान्ड नीम मन्नितन ना कारत राजे बाजन सारखोर बनुरक बनोर्डरको । तम् कामान्तं मृष्तागरम् स्मिर्यम्

मरनाम्बाधुष्यान्त्रीमः वित्रभट्य नानः । १ । वाकावित्य मि-बिहे व इन्तः विद्यावित्या। म्बयका छक्को ध-वज्ञ-भित्रधाभारम विनिष्णां । ७ भारतमक मक वामिरमार मध्यापुत्रीर

त्मरक्षाः। वाः जित्रा हेमर बक्षः भविशानत्रमात्रः अकृत्वन् किकिवकाः श्वानि। 'वाक्षं मात्रकृष् कृत्यकृतः ्रयक किष्ठम्यात्मा मर्थार उष्ट्रम्यात् क्रुड्डाः। याम् म्यून्य विकामिक्ताताः। त्याता एक कस्टान का बार सहमा खडाया, वांवर मरदावक भाविधाणह्या। एक ब्यायुप्तकि एक क्रमानिवासि देश्यामः मविषद्य षष्ट्रतीयः ष्यमाद्यमः कुम । मञ्जत्यिति दाखारम् (त्याषः) त्रायत्राधः १ अकृत्यक्ति माम (श्रायम्मद्रामिता । यो मक्कमद्रम् यो भाउनक प्रम्ह (मरदारिकामिक्टकरिक्क । फाक्काप्रिया। सदमा मर्यात्रणाष्ट्रप्रजीमः भित्रमस्य सामः। सम्ब्रीतः भविषाभान विनिष्कुका। ्राधिमान्त्रीयाना कंडिय गोठेः। कम् विकार्य स्टिकाजिएका प्रवश्नीति नाथमभूक्यवस्थायारेयक्षः। ১। मनियस् वैकानित। विक्रेषिकः गिवधाणिकाता एक्ष्यकः न्यतिवान्तम विवित्का। एक ज्याष्ट्राक्षाक्ष्यः पूक्रम्मा প্রিয়ত্ত প্রিয়ত প্রায় হালে বাল্যা ব্যেশ এনাং বত্ত শ্পান্তঃ ব্যার্তাং ক্রাড্র। জ্যিত ভাবেলাং मामिकायुका: मामान निमम्भिम: मन्छि: खेक्यनात्र माक्टक अधिकवत्।। का त्यातः (त्यात्राः)

क्रमू छ भिष्ठमातुः। माउषा छोद महामः स्वकी वस्त्रीन कर्माना छोदन्। १०१ এই দিতীয় মন্তে যজেগপবীতের স্থায় উত্রীয় বস্ত্র পরিধাণন করাইবৈন্ধ 👟 🕫 🐃 👢

विषणात त्रक्रमत्र शाहन निविष्ठ । याद्यत्र विश्वष्ट वर्षात मृद्यस्य अनुवत नर्षाणा त्रक्षत्र देशतिकाणि वर्णन यादश्य निविष्क কলাতীয় মুইচে। বলুপরিধান এমে। বীংধাৰ বাংছার আছে। কুমারীর শুকুবল এবং সধ্বার রজাবল গারণ আশিত কিছ • पिकार शास्त्रातत मुद्देश महानाती मानावतत्रहें छक्तीय पानकांत्र आह्यांत्रम धन्त में छक्तीय नक्ष भृतिमान अपन्त मीटिश छ छटक मछिटका छात्र मना कतित्राटक्या (कोविक या त्मामक बत्र मनीया क्षांच्छा

मकाद्वयीः जित्रकामकीविमीः क्रमुक मीरमायः मीरः वस्कानः यादरः जायः क्रमणः अवतः प्रविषान्निवान्ति ধারগুলা ভাষেষায় । তে কস্তাকে শতক শরদঃ জীব, শতং বহাণি জীব। স্বয়ন্ধ। স্তেজকা স্বকাজি-महो। एर चार्षा ट्याट नम्मित्र नम्मि निष्यामि निष्य कौषन् कौषकी मधास्त्रीमिष्ट ब्योग्राणिकार कीन्। विक्षमात्रीकि छम 🗁 त्राः वर्गराङास्त्रमाकादक थकातः। त्राष्ट्रे मन्त्रमधिक्ष्ठनः चन्छानक শাস্তুই বিয়াং গোষ্টামবাজাক। পকুন কজাপিবিষ্ণান্ত পিনিয়াজন। ইমাং জাভমাভায়ের সোলন। গাজজায় बक्ला क्यानीकि क्र्यात्रास कर्मा । जीवत्रिकि निक्रताङास्त मुनिक्छ। । २ । ७ त्यास क्रकानि

छर्गात, वमुत्क जाशां ध्यानी कताहिया, कामां छ। धडे मञ्ज निर्द्धतन, वसी

गाविकाक प्रवास र प्रवास त्यां गांगात मात्रित्ती सम्यूममिक्ष्मियार मुष्टः एकतान्। मारक्षे हेष्णानि fore to the atradent funtum of the electronian of paragraph calenter गंतिः योगी त्य सम्परं गयाः गदान्नरं कझकारं व्यक्ताकु । या त्यम गेषा प्रकः भिया ज्यवस्था चाडिके steice datels nimatic enigentit i mortifie proita incurior magi त्रांत्यारुषणलास्त्रीय शक्त्यार्रणणमात्य । देवक श्वारण्डाषांष्यिष्वमत्यो हैमार । ० দামাভা বসুকে মত্ৰ পড়াইবেন, বথা ,--প্ৰকাণতিঋ বিধি পাক্ৰসতীজ্বক: পতিধিবত क्षणानिक वित्रमुष्टे न एकः त्रात्मा त्मवडा नक्षाः कष्टानित्रममः পরে, খীয় দক্ষিণে ফ্রিড কটের প্রাডের বধুর দক্ষিণ পাদ প্রক্ষেপ করাইতে অধিপেতা গডিলোকং গতি কুলং প্রগ্রেয়ং প্রকরেণ সক্ষাধি। ইতি ব্রব্ছিডোহণি । মিডালেন বোলাঃ। পভীতি জুপাং সুব্র্যিতাদিনা সৃষ্ । যা কৃতি চ্তীয়াহানে ও निज्ञापिमा जारमनः। नेश हिंछ उटरनेत श्राबन बनाः यः तत्मन्त्रिमिड मिडामित्रिकः।

S

कोटेगाम-धावर्षत्व विमिरम्रागः। ४ कारम भठि-मा मः शक्षाः कम्राज्ञाः मिष्याश्तिके। गुकिना नः गुष्टाः कञ्चलाः निवाद्विधेः श्रिक्ताकः गुमाः । १८। हिंशिहः, मुब भाष्टित मिम्मिकाद्या कटित शुक्राटक डिशटवन्त्र कविद्यन, स्डतार कामांडा वर्षत केष्टत्त्रहे পাকিবেন। পারে, অক্টিড কপের হোমের আরম্ভ জন্য জামাত। একটি অমপ্রেক সমিধ गांडे हेजि (कृष्टित) मात्य हेडि क्छ। यतः यराग्द। व्यवनाष्ट्रार उत्तय कृष्टिकार्य याज्य रैक्सार जुन्मा त्यांबार। 8 व्यामित्रक् रुक्तामि। अमधीत्रम्भित्यकाक। व्याखारकारम विनित्रका অধিয়েকু আগজ্ঞতু অধীদলিন বিবাহকথণি কিং জ্তোহনৌ প্রথমঃ প্রধানজ্জঃ ফ্ডঃ দেবডাভাঃ 春度的时间 1857年,1867年 1868年 1887年,1888年 1888年 সুসুগোলাৎ যমগাশবভানাৎ ওলেভমুজুগোলান। বিমোচনমমিস্কং। আগম সাকা সফবোংল্যভভান जिंदियम, मथा गिक्टिमांकर भटमकर। विकि मचकावमानः शुरक्षांक মজের পরিষতে জামাতা ময়ং পশ্চাৎ লিখিত মন্ত্র कडे-शाम अवर्ष्टत्न वि भीक्रमञ्जूष्टकः अक्टिक्वज्ञा

बरवंत्रर औ ट्लीक्वमचर न द्रामार याहा।>। ट्राकानफ्रिकृति-त्रज्जिनज्ञीक्दरमारुषि-पग्रधानका निर्धार 'ठेकुः नक्षाक ज्या कोष्णात्रम्थार ज्याना माणाक मिरक मिन्नाः मदावाताम् कि त्यामः (५२ गुर्का) कतित्वमः। छद्भारतः वर्षः मिन्न रक्ष्यांता मधित मिम्मक्ष म्माम क्षित्न, क्ष्यत्त्रहे के खार्च क्ष्मिविहे बाकिरवत्र, भवर कामांका कृष्णाता चात्राट एत्रक चाहि विद्यं, त्रत्र्वधा,—टाकाणिड्यं वि मिन्डाकाः त्राका क्षकार मुक्षां मूक्षांनाककत् नाका वक्रत्यास्म्यनाज्ञाः শস্ত্ৰাৰাডু ভগা কলোডু, বগা ইয়ং লী কৃত্ৰতা গোতনুসৰং প্ৰাস্থতিয়ননং আধান ন হোলাও ন কৃষ্যং অছুদিত ঘোদনং নুকুনাদিভাগং। অতৈ ইতি ষঠাৰে চতুৰী। মুঞ্াখিতি যাত্যনেন গীৰ্থ: লোগাদিতি লিঙগে গোটু।১। উইখানমিয়িত্যাদি। অভিলগতীয়ং অধিকেশভা আভাহোনে বিনিমুক্ত हेगार केंगार जातिग्रीहर्गकाः जात्राहाविक्ता मकीर बाग्रकार गांगमक् जातिरहावमकार कर्नाहरू जानाम निक बटेंड चरा क्याता थाकार नवांडर चत्रमंद्रिः बतानधार डिनाइतीर र (त्रिंडि) कम्डी-क्टम्बार्वा प्रतिवडा व्याकारशास विनित्यामः।

পেষ্ডা আজ্যহোমে বিনিয়োগ:। ও ইমাম্মিরায়ডাং গাইপডা: প্রজাম্জে জ্র-गीस्थानाम् स्न्याखिदित्मत्मवान्ताचित्रक्षक् वाच्छा याद्या । ७। ध्यक्षाविष्कि विद्याख्याखी-জাজাং লাভাদি বাজনভাদি ভানি ফজানে যা বিরয়াং ইভাদোজতে। অত ইয়াং কজা পুজাং সূরস্থভিন্যানকং অভিব্যতাং আভিমূবোন বিবিষ্যসূত্রত। ২ । ও দৌজে পৃষ্ঠিং केटगोष्ट्र। ज्यम्टनगोशका कीवठामक माठा পৌলমানশমভিব্যাতামিয়ং আহা। ২। प्रोटिक गुर्केर त्रक्षक्र वात्रुकत-माधितो छ। खनक्त-एक श्रुकान् गविङाण्डितक्षकावात्रतः क्षकाणिङ्गिषः मर्कत्रीक्रामा विष्यापया प्रवज्ञा ष्याकारशाय विभित्याथः।

नुके देशाणि। मंद्रीकः निष्टाश्यी। ८४ कष्टाक कद शृक्षः नक्षाप्तकातः त्योक्रात्मात्का बन्धकु তথা গাধুলবিশোট ডে ভব উত্ত বৃদ্তু। কিক ভনজুর: জনাহারান্ডে তব পূজান্ধবিত। শাধিতে):-ধতিয়ক্তু আবালদ: শ্রিলান্ত্রাদ: পরিধানহোগ্যারা দশারা: আসিভ্যথ: জন্মাৎ কালাৎ পভাৎ इस्नीविभित्यत्यत्या काम् भूकान् व्यक्तिक । यनभूत्र सेकि याकारमन नमः श्रात्म मृत्त थे। ७ । ম। জে স্তেষ্ ইত্যাদি। অন্তিজ্পাতীয়ং জামালিংগাদৈবতাঃ। তে ক্তকেক তাৰ গুতেত্ ৰেখুছে নিদি

मुख्या जयुः। मीमः अवस्थितम्पूष्टा विषष्टाः व्यञ्जिकामि भागर वाषा। ६। व्यक्ता-नित्रोक भग्रजी टाकार ज्यनज्यानार यात्रा ॥ ४॥ टाकाणडिक विक्रणतिष्ठीष इंडी-कटप्याध्यावित्या तमयंत्रा ज्याकाटकाटम विनित्यांगः। ७ ज्याकमार त्योक्षमधीर नाम्यान-महत्माश्वामरया त्मयका व्याकारकात्म विनित्यामः। ७ मा ८७ श्रष्ट्यू मिनि त्याम विकासमास क्षाम्नाम् म्याविक्ता मा घर क्रम्बात-प्याव्धि क्षायन्ति निक्तामारक

राटको ८वांन व्याक्रमक्रमः मनः मा विवादमा जित्रकृ। निक प्रकृत्य पार्श्वकः मार्ग्यकः निकार प्र क्षीशत्यत यत्रक्ष केठ रा ज्यव्या व्यव्यास्त्रक्षेत्र अक्ष्य नर्माः परकाश्राकृषाः जीतका विक्रीः व्यवस्थिक telden untgerangten finn nerd nie ben ben unger un affete en ungeringten eatliete. अकार नक्की मक्कि में महाना किकुछार क्षमार युगमयमागार करेडिकार हे हैं क्षमान क्षमान सन्तिमित्राक्षण्डीक्षाः एक कचरक भाषाच्याः एक्षीता वद्याचाः त्याम्बक्षाः शुक्रमविष्यमुक्तः धार्मापाना मानामिय छेष्ठा व्यवकाष् विषयाः व्यक्तिकाषि नामः मूक्षानामस्तार ब्रह्मशैक्षापः । कं गरेत्रक् नीडापै:। क्या मीयमां मोबमध्यिका मत्री पः निहासारक नािक्झान विष्ठाक त्याज्या किथ्युका () ()

वहाबाधि ।

পতিক বিরভাষিক ভদে। বৈষক্তে। দেবত। আকাহোমে বিনিমোগঃ। ও পরৈছ প্রতানমুক্ত ম আগাবিৰবল্ত। নোহভয়ং কুণোজু। প্রং মুড্যোহ্মুপ্রেছি পছ্ন त्माउ बीत्रान् थोहा। ७। এই श्रकाटत रज़ाक्राष्ट्रिक हाम इहेल, क्षामाडा दोख हेक्सामि । जाक्का कि जिन्न देववयक तस्तक । कश्चका जाणाटक । दक् देववयक मुखः मक्स्माष्ट्र कृत्यः প্রৈকু মৃত্যুঃ পলামূরেণা ভবকু নাজং নিলে ইত্যুক্র। ভবা অমূত্তং অবল্লগ্র মুক্র আলাগাধ**্জাগাধ**্জাপাক্তু। क्षा देवरवास्त्रा वतः ब्लाश्चाकः अस्त्राः कर्गाकु छत्रास्तावः करत्राष्ट्र। हेशानीः श्रामीक्रस्त्रामुक्रात्त्रव द এ सिर्मद्रम्थाम् छः नहा ्मय्याना स्वयाना स्वयाम् छः भिष्टम्ष हेडायः। किस छक्षात् भाष्टिः य अटमारमा हेस्टता (मयमामाकक्षमत्त मृथत्क एक बनीमि मान महास्वाकार जीनिया असिविरका ८१ मुरका मन्छः नप्रमञ्जः नदानः व्यस्तरति व्यक्तमक्ता मन्छः नदाधुरमा नम्ब क्रान्। শুগতে শুমুক্তঃ আহতজনতৈত ত ভবাহমেতৎ অবীমি আমাৰ্গেয়। নোহমাকং প্ৰকাং য়ীরিফঃ আগমানীয়াং প্রজনাং প্রতাশীআ দিকাং মা কিংশীঃ। তথা মোত বীরান্ উচজ পাথে বিকাল নাশি পুক্ষান্মা হিংশীরিভাগনে পছা ইতিপ্যানমিতি আনাধো চকুমতে ইতিমঙাধে চজুধী। মাগীরিম ইতি নিধ

হিৰু-দ**ংকৰ্মা**লা

मिक्न जाटम नुस्तर नुसाष्टिम्सी इज्याता पिटन। श्तक श्रीकृत्म क्रम्जिक लहेता,— '७ त्मामात्र चारा।' बहे मत्त्र चात्रित क्रिंगत नाक्टश्य। - नेपिड वब् महिड डिकान नुसंक नद्वीत नुषंतम बाता वब्त मिक्टन बाहै हो ' अभारत थारा । अहे मत्त्र व्यक्ति छन्त छवतारत्म मूर्वाच्यिम् मृत्याता पिटव

बंगुर्टि विषरः ज्यारिमवेछ। ज्याक्रीयर विवित्तृत्या । ११ केक्टर हेमम्भानः व्यक्ष्येक्र मुन्मिः ज्यारबिहे रशून व्यक्षणि क्रटण व्रिष्ठ श्रष्टवरक्षत्र निरंत्र वीत्रन कत्रित्वन। भरत, माछा जाँछ। किया व्यक्ति बाजान वामश्रम नमीनज मिखिङ नाकामहिङ पूर्न तहेश, मिक्नि इस्पादा वहुत तरकाः पार्विक्रिमक्कार ठिड मध्यम्भरेषक्ष्यक्षा मारवात्राणकानियाकारः । अ । व रमममामिकारि । अनीर शद्वीतक यात्म गरेता, जिन्दत अधित जिन्दत शन्दिम जारण कारिण द्वारिण प्राधि मैला नवीरण चानिता। कांगाण छक्ता छित्रा मधीत्रमान रहेता. चीत मिन्न रख्ताता

লাকোৰ। কিঞ্জানা ইব শায়াকে ইদ্যা তব বিবস্তম্মিক। অপবা(রা)ব্য পীড্য। তথা বিবভামরীশাম্বা मिन्स शामित जिलात खेन्त्र बाक्यन क्राह्मित अन्य कायको वहकारन प्रक क्षांत्र महेवात काषांको कामक्रमुक्विविक्त क्षेत्र नक्ष्यांते नांका मिधेगा बर्गेटन, म्योर व्यवकारियम् देशव क्टा 5 जात्काहत्वात्रत्व ॥ ३॥ के देशर के छात्ति । खन्तिकीर कार्कात्वाति नाकरकारम उरमारम, यमूत बाक्रमित छमन कामाजा कङ्क धकवात मृज्यिक शक्ष करेटन, मृत्यीक वसूत्र मण्डा जाका वा जना जाना के अकृतिह उनत हातियोह (हातिमुष्टि) नाका मिट्यन, विधिष्कुका। जात्त्रश्री जविशमवकाका नांका कृष्टी बोह्यः। निक्सिकछि। इसर नात्री को अनुकारक जाराः भिष्ट्रमः, यथा,—शकांभाष्टिक वित्रमृष्टे ग्राह्मारक मानिष्ठा जिमानात्र विभित्राभः। 6 सम्मानमार्थात्र व्यापान कर विका छवः। विवेद्धमण्या (त्रा)वय मा ४ घर विवेद्योग्यः। १। ने मामान जेपन कांगीजा म्डिंदिन क्रियान मिर्यमा (क्षिर्गीत ज्ञानि क्ष्यं क्रेटल भागाण भागत प्रदेवार गणविन्यानित्व, लाकरशाम मर्सव छ्छत्याव जार्थ व्यवन मिरगत मनीरण अंति किर अस्तिना माक्षाम् करमे कावनकी किवाबकी किवाबम्भकात मेनोप्रमा १ म निव अवरक्ष

नाजा देशका हैन साजा क्षेक्टोर देशकाई निमाताः क्षेक्टाः क्षिक्षत्वीकि स्मात्रकाष्ट्राः नज्ञा वस्ति गोडः। कन्ना ८१ करन क्रेड मागिर पत्र। यस्थि रहा विषः गव न महिमारम्म माजित्ता मानि भिम्धरामामिन्दिक्षाः॥२॥ ७ कमना निक्नाः हैजामि। जिहे विकः कमारमका क्षामिनिकान विकासमामान माना माना है। जात्रमाङ्गिष्मानिक्रमाः जन्मनाः कृष्याः कृष्याः विवृद्धािक । माछर वर्षानि क्षीवकू त्म मा भाजित्रिकि काकृत्जन मत्रक्षः। किक धनकार क्षांकर्त्ना मूम प्रक्रना विमिनुका। करेश्रव कश्रना थार्थ नः निष्ठाः निष्ड्नार। निष्टानांकर निष्ट्रना बर्धी नाइको बहुत कतिहा, मजुभाठे कतित्वम अवर डिक्टम वर्ड नमत्त्र भूर्यमरक्षाभिक मामा, मीमा उ अवस्थितिक मिकार वर्कतिका स्थमारमावर्कत्म । मार्थ क्षेत्रजी। मीकामारम्म देववाहिक्यक्ष्यातार अहे विटमम ।। भटत, भिडक हंक मज भाठे इहेटन, वर्ष भक्ति-मत्म्मुडे व्यक्षनित ष्रधाना हाता त्य भाउः अक्ष वर्षानि कीवर्ष्वभद्यार क्षांकरम् मम यात्रा । १। उर्भन्त, क्षांमांछ। वर्षाक के मक्क नाका दक्ष कतिरयन, मख गया, -- धाका भाठिक वि-क्रभतिहारक्षा किक्का किक्का कर्मार शिर्षयका मामरकाटम विभित्यामाः। ७ देमर मार्क् मध्यर उठ्यत्मी मामामायमधी। मोषायुत्र

কুন্ত প্রভৃতি দ্ব্য সমেত অগ্রিকে প্রশৃদ্ধি করিবেন, মন্ত্র যথা, এথকাথতিঋ্ধি-ক্ৰিষ্ট্প্ ছদঃ কন্যা দেবতা কন্যা-পরিণয়নে বিদিয়োগঃ। ও কন্যলা পিছভাঃ

ताष्टिमृत्य में खात्रमान थाकिता, वधूत षकाति थीत मिक्न रखनाता थात्रव कतित्वन । भात, अधिरामकः मजीव्रमभमेषम्यम् । कम्ता छठ ष्रवा यवः धाता छम्मा ह्याधिभारहंगह श्नमा शुक्रवर उच्चतंत्र यथास्थात्म क्षज्ञात्रक्म भूक्षक वृष् मौलामगीत्म वयर कार्याण कि হীতি ছশিলাৎ নতুলোঁ একং ন কাৎ। অভিগাহেমধীতি গাঠে অভিশুৰ্কাৎ গাছ বিলোভনে। स्क्री छि गर्दन छत्रति द्वयंश्वक क्रिंट गर्दे । ७। व्यक्तिमा छ तन्तर है छानि। छैन्तिहार कुरुजीतः नामरहारम निमित्रका। जर्षाता (मन्जा यज्ञभयभगरत्। क्षा भूसमित्रमण्ड तत्र क्षिकि क्षरक के हेदछा:। अक्षरीत्र्यं भूक्षिति नामात्र्यानक्षयः छेखदारक्ष्यं वित्यार्थानमस्थानक। শ চ. আংমিমা, আমিক জাই: সম্নজনা: জ্যাং পরিবিমানাং প্রেড: ইড: শিক্রবাৎ প্রকাজ ভক্রণং আনময়ত মাষ্চ: পতিক্লাং মা পাছ্জাতু পতিক্লাৎ মা পুথক্ করোতৃ ইভাবলৈ কোত ইভাস

कर्षक श्रवाशीज स्वर वहेटक ठछ्तात नाका तमध्या वहेटन, कामाना ये नाकात जैनत লোক অংশের জং ফিরাভর বিষয়প্রপ্রা(রা)ধ্যু মা চ জং বিষ্তাস্থঃ (২)। এই মত্র পাঠ হইলে, পতিদত্ত শুত্বিদ্যুক্ত অঞ্চলির উপর বধুর মাভা জাভা বা আন্তাবাকাণ शक्षाणिक विन्युष्टे १ हरमारे था। तम्बद्धा तम्बद्धा व्यक्षाकाचर विविद्धाणः । ७ इमम्भानमा निल। ममाक करण (मधामात) व्याक्रमन क्यावेरयम, कामाना मज निर्द्यम, यथा,--

आमांका यमुक जाटब कशिया, श्रवंतर पिछीयतात्र जाि काज्ञिक क्षामीकन कतित्वन धवर मज क्रिक्यमक्ष्य स्माष्टिकात्मम यार्गिकार्ष्यकात्मम सम्बद्धा प्रमाष्ट्रकात्र पा क्रम्तीकिक्षित्र । १ म् एएतर कना व्यशिषयक्त । म हेमार एमत्वास्यामा त्यात्वा मूक्षाकु मध्यकः व्यावा (स्रे 181

क्षकार्जाक्रम वि-म्रनित्रहोष् रुजीष्टत्मार्थामा त्मवजा माक्रहाटम विनित्मार्थः। ध नर्षामन

ब्रहेदाह क्र किया, मछ भिड़त्वन अवश वर्ष श्रुविद मोका काना दश्म कतित्वन, मख बना,-

লাক্সেন্।

७ कमाना मिक्छाः भिङ्जाः भिङ्जाकर यजीयमभीकामवह । कमा छेङ षद्मा यत्र याता छेषना ्युट्संत नाम श्रूनसात एकत्य कार्जावक्न श्रुसंक यथाश्राम वर्षा भाषा मग्नीरण कड़िद्वम । शदत वसूत मांजा खांजा किया जना बाजान वसूत मिलन शामकादता मीमा ANTONICANTENTE (A.) I - 200 (A.) 14 CONTRACTOR OF THE CONTRACTOR O এবং জামাজা উত্তরাভিমুখে দণ্ডারমান থাকিয়া, বধ্র অঞ্জিনশীয় দন্দিন হন্তদারা ধারণ क्राक्रम क्राइट्य वयर कामजा मन्न शिक्ट्यन, यथा, " शकाशिक मिन्नुष्टे, श्राह्मारुका अध्यातमः सथाः -- श्रकाशिष्टभं कि विदेश ए एकः क्राहा एमयका क्राह्मा भित्रभक्त क्रिवाह्म

एम्यका क्षेत्राक्रिमत्। विभित्यार्गः । ७ रममन्यानमात्राकारभाव प्रतिष्या ज्य विमञ्जानामम् মা চু দুং দিমভামধঃ ()। এই মন্ত্ৰপাঠ হইলে, পভিকৰ্ক বধুর অঞ্চলিভে,একবার চতুৰ্বার লাজা দেওয়া হইলে, জামাতা উহার উপর অপর ছুইবার য়ত দিয়া, মন্ত্র পড়িবেন क्षमण्ड मृष्ड विष्कृत छिनेत या या या जा जा जा जा जा जा कर्ज क श्रम् श्रमे क्रोंटिक ज्यर यभू जे माकाषाता शून्त्वर त्याग कत्तितम, गञ्ज यथा, शकाणिक विकासिकाष्ट्र क्रिका

कतिमा, शुर्ववद कृष्डीम्यात्र षात्रि कार्माक्तन कतिरवन धवर मज निरुद्धम, घथा, --हाक्षानािक-संवि-विष्टे । इसः कक्षा त्मवंता कनामितियात् विनिध्यामः। ७ क्षामा मिष्टकाः गिडिलाकर बजीवम् भागमामम् । कन्ता छे ज्या वसर भाम जिमना है वाछिना एष्मि म हैमार एमदः भूमा एकाटजा मुक्काकु भामुखः याहा (७)। ६। कामाजा वसुरक काटबा क्षमः शुरा ८ मवछ। नाकत्शास्य विभित्याभः। ७ भूषतः पूरम्यः कमा व्यक्तिमक्ष्यकः 「一般のです」というながら、一日というできている。 かんしょう こうかん 一般ので 一年一人 ? 女子!

बधाना न्यायात्र विकृषानम् । मक्ष्मकाका (श्वातिका विकृषात्रम् । कर्माविनाकिका त्यव रिक्सनः गुरम् छ टेन्दर १७। मि -। ट्रोफीश शुर्त्यद । द ॥ अक्षिति दिक्ष्यानग्रक् । ट्रा क्टर्ड्स निक्ष्यानग्रक् । छैनेत भूतन्त क्रूरेवात क्रुजिय मिशा, भूस्वव वर्षत क्रुसात्रन भूसेक, — '६' भावता चिक्रिकार नीनि जाजाय निक्षानकेष्ट । ठकानियाधाक्याक निक्षानक्ष्य । नक्ष्यानक्ष्य । छदणात, यह किकिद लाका गर्यावि**छ ज्युन ताइन कतिद्**वम खबर कामछ। अ कृदणीत टमकाटिक्त छनत्र धक्यांत प्रसंबद श्रु मित्रा, जावात छन्त्र ष्यांन्छ मामा त्रांबाहेता, जावात

যাহ। । অই শত্ত পড়িয়া, স্পের অগ্রভাগদার। লাজা হোম করাইবেন। িভ্রুগোত্র जारीन क्षेत्र बंदेरण, जूरभन्न छभन्न क्षायम इज्यिष्ट क्ष्रेयान मिर्ड क्षेर्य, अष्ट विराज्य]

হইলে, অব্যবহিত পূৰ্মবৰ্তী মণ্ডলে স্কুত্রাং বামণদ সংস্থাপন করাইতে হইবে। প্রভ্যেক মণ্ডল मखणीगमम ।--कामाडा (जनकणटक वावशत वनडः वनावाकि) मैद्यत छण्त मधाम-মানা বধৰ্কে সমীপে (क्रमान কোণে পিটালি ঘারা) অক্তিত সঞ্জমগুলিকায় ঘণাক্রেম দক্ষিণ পাৰ ছাৱা আক্ৰমণ করাইবেন এবং কমশঃ দিতীয় প্ৰভৃতি সমীপবতী মগুলে পদ সংস্থাপন मिक्कि शिक्षाता प्राक्रमन कारल कामांडा वहत्क मञ्ज खनार्टेरवन। मञ्ज क्षा, -- क्षकार्श्व भ मि-एनकशावित्राहे हाम्मा विकृत्मियका शामाक्रमत्त विनित्नामः। ६ वेक्मित्र विकृ वानम् ।। वर्षे मत्त्र ात्म मध्यत मिक्न भीम वर्षि कराहरत। वाकानिकानि षि भाषिताहै एटमा विकृटम्बन आमाक्रमत विनियानः । ७ ८ष स्टिक विकृष्णानम् ।। नामाक्ष्मारण निमित्रका। एर कशक धकः भामर या का विक्रमानमञ्ज आक्रिमम् । किम्पर हरन क्षेत्रतीको से स्वार्तिकृतिनी स्कृत । मध्य तम् मध्य तम् मध्यक्ष । जित्म मध्यति संभावति । जाति

अहेत्रारी वधाकाम मखनाने गमन वहाल, तमहे द्वात जवविहें। येष मंबाब कार्याण ও ষ্ডায়ন্তেশাযায় বিফ্ল-ছানয়তু। ৩। এজাপতি ঋষি কিপাধিরাট ছন্দো বিফুদ্বিত্য। भागकियर विनिष्याभः। ७ ठवाति मार्याच्यात्र विकृष्यानप्रकृ। । ध्वकार्याङ्ग्रा शानंत्रकु। ६ । टाकानिक्य विः यहे नावित्राहे करमा विकृत्मत्वा नामाक्रमत्व विनित्यायः 8 जीवि बङाम निक्-षानम् । ०। टाकानिक् मिन्ड्नाधिन्। हिन्दिन भक्षभाषिताहे (कटमा विकूर्णवर्जा भाषाक्रमत्व विनित्याभः। ७ भक्षभक्ष्ण्या विक्र-(असे मट्या किनीय म १६८म मिक्न भाम अर्ग कर्मारेया. याम भाम शामम मार्थन व्यामम कज़ाश्रेर ।। काका भण्डिक वि-जिमाषिता हे हरमा विकृष्मं वज् । भामाक्र मर्ग विनिष्यां ग भागाक महन विभित्यानाः। ७ मधमधाका हाबाएका विक्र-चान्यक् । १।

Ź

महिनम् । अस्तरम्भाषात् भनवाधिरत् ॥ नवनवर्षाम्। भाष्मिक्यावान् । वकात्र प्रकर्णास्य ॥ ७॥ अस्ति मार्शावरात्र त्मोप्रेटीखर्त् ॥ ६॥ "प्रमण्डकाः प्रवर्षास्त्र ॥ ६॥

सार्वा मह अफ़्रिका, यथा, - शकार्वाडक विः मामिको (मामको) अहा किम्हमा कम्रो क्ष्यका मामाक्ष्यणामछत्रधानामत्न विनित्यागः। ७ मधा मध्यमे छव मधार्छ भाषा

7 मधारस मा (यायाः मधारस मार्यामाः ।)। उर्भातः, कामां विवाक् श्रमर्भक क्नां मधारक মাশাসনে বিনিগুঞা। পভি: ক্সাং প্ৰাথমতে। হে ক্ষে জং মম সধা সহচায়িলী ভব। ভৰা স্থাস্দী गक्कांयन क्टक मज निहर्टन, यथा, - शकानिक्स विश्विह, नृष्टम बामाज्यमाना त्मरका दिवाइ-ওঁ সধা লগুণদীত ই ভগাদি--। সামিকী (মামকি) প্তকিরিয়ং। কসা দেবভা পাদাক্রমণাস্থয়-मखनमाकाखाधिव्यत्यन्त्यंत्र महर्गातिनी ज्वतकार्यः। मखनमीकि विजिक्तित्त् । किक मधात्त्र भाष्मः मधार देमजीर एड डेबाइर मध्हामि मधा कव करवर्षायकार्यः। किथ मधारक्ष मा त्यायाः एड छव यत्रा मह मधार (वावाः ब्रिएम्। मा हिम्मिनः ्यमः । उदा मधारक मारवाधाः माप्तः मूबर उदाजायानर मारवाहर अख अवा बारवातेगाः श्रूषकाधिनाः बित्रः धता मत् यम भवार क्र्लीकृष्टि ८नवः । ১ ॥ के ज्यमन्तीतित्राः हेड्याकि--। किहे किए (ट्याकक क्षेत्रो स्पात्र दिनिष्का। ज्ञाना ज्याता (मन्छ। (ह (ट्याकक कना है है। वर्षः স্মদ্বীঃ প্ৰাভ্যদ্ন। পৰিণীত। যতঃ আন্তে। বৃষ্ণেয়িত সমাগভ্ৰত সমাগত। চ ইমাং পঞ্চত

प्रशिष्ठ शन्धिय प्रिटक्ड अथषांत्रा टामिक कटम मखनमी श्रास प्राप्ति प्राप्ता प्राप्त कर्कक मखनाठे त्मक्क क्रमामाज्ञत् विभित्मानाः । क्ष्मक्नीतिमः वस्तिमार महमाज अख्राज् । त्मोखानाः मरेख मच्या याषाखर विनादक नारा नाइ, जनकृष्टमात्री व्यक्त (बाजाद बानावाणिक)

विरम्धतम् । हेन्त्रामि —। व्यस्तृ विष्यतम् । रम्पणः मुक्ताण्यिकाम विनिष्याः। तह क्षारंक त्यो मान्द्रग्रह्मक मृत्रामि विद्वतन्त्राः ममकक त्यायक्षक मन्त्रुरी कुर्मक। उथा भारता कनानि उथा वार्जान्त्री বিশ্রেজ ন চ বিপ্রিয়া ভবণ বিপ্রেডনেডি বিপয়। পূর্ক দিশ্বাভোঃ ত প্রভায়রণ। ॥ ২। ও সম্প্রক रहेत्नांशायः। यथा नवाष्ट्रा एक टब्यक्का युत्रः घटे कर्माणात्रम् वाष्ट्रः मुक्त याष्ट्र। य क पक्छ फनारममः। क्षममेतीर्विष्ठ क्षमति दनिर्मी वक्तर्ती हेि मध्यं केनातः। क्षाननमार मन्त्रानकृष्ट महिक त्रोक्तांत्रार मचात्र युत्र पाष्ट्र युत्रहर विगात्रका ग्रष्टक। वित्नवारकी विन्नकृष्ट गर्मामिक्षमान एकः। यक् हेकि छन्। व्यक्तान पर्क। विभारत्रकत्मिक भयाभूक् हेन भएको ष्यव्यनशास्त्रिक क काकानिक्श वि-त्रमुष्ट्रेन् ছत्मा वित्यतम् तम्बा मुक्तां छित्वहत्न विनित्तानः। হইলে, বলৈর মন্তকে পূর্বসাপিত কুন্ত হইতে জলমারা অভিষেক করিবে, মারা মধা,--

জ্ববিভিত্র) দক্ষিণ করপুত্র অসুলি সমূহের মূলদেশ-সমীণে শীয় অপধোনিছিত দক্ষিণ কর-ভিল্মারী (বেউন করণের ন্যায়) ধারণ প্রকি ছয়টি মন্ত্র পাঠ করিবেন। মন্ত্র মুণা, — मधिक धनी का जा का आंका जानक वाहे गडा भांठे कतिहत, वक्ता शुक्रवर वश्त अक्टरक छ कत পাণিঅছণ।-- काषांचा প্ৰেণাক সভ্যতনিকার অহস্থানে দ্ভার্যানা বধুর (চিতভাবে

ায়ু: ভগা ধাঞা অধাণতিঃ তথা উদেষী উপদেষী দেবতা সংদধাত্ একীকরোতু। স্মণে ইত্যাদৌ বাবফিডাজেডি ব্যবফিছজিশশপ্দেটনব উপস্বস্থস্থঃ। উদেশীতার উশস্থ: পাশস্র্ধে । জু। ভ गुर्जाम टेक हेजामि —। किहे ः भागिताहन वार विमित्रका। जगमिरमवज्ञा। ह कनारक छ উৰ্জ্জং গুড়াৰি গৃহাৰি কিম্পং নোডপথায় নোডাগোগোপোদনায় ময়া পড়া৷ সহ জনলাই-জনাজ: বাৰং স্থাণী: যথা জনসি। কিম্মখং পানিং পৃষ্ণমি যমাজুগোচ্ধামা সবিভা চ প্রজি রগ্রী। এতে দেব। त्म मकः या कार भाकनित्राय मध्यक्तवरमः । मुक्तामीति महात्मिक्तम्भीति मकाप्रमानित स्थापन

७०१ अपिक्शीतमगर्छ। एमतकीमा नमगर्गक्षकाछ। त्थाना भूषकात्रियै छवा त्यारुगाकर मर्घाक्षत्र विनार मीमाटको मर कन्नानका विक्री छन्। हर्ष्ट्रमाटक हे मर मनामिकात्रकार्यानकात्रिनी छव वैक्ष्णामाखटक । विभएन के मह्मात्रकम्बनाविद्यावि केगामि—। कन्मा देमबटकार विदे में । ८६ कन्मारक महमाबद्यम् अमुक्षित् चानि विश्वति हरूकी। छवा क्रमनाः यमनमाः ज्यक्कितिक विष्यं विषयः मद्भावकानना क्षमनाः अवक्षाः। वीतक्र-भीवक्-तमिवकामा त्मामा मर त्मा छव विशतमार छकुण्यति । २॥ क्षमानिकभावक्काजीवृत्मः क्षमानिङ्गिवज। शृषीङकमानितः नकुम्बद्भ विनित्नागः॥ क्षण्डाह्मास् त्योज्ञास् क्षम् क्षांवः त्योज्ञायः व्यान स्थि बात्वातं विमिनियम्बाः समयोगि भरवाः म बात् सं अस निहाँ चनिष्यादितौ ह आर्र छव। हक्ष निवा नख्छाः नन्ताः लामहिशानीताः निवा स्थावहा छव। मुन्दि में एक काकूर्मिक्षाता प्रयोः ॥ >॥ टाकानिङ्क वि-विद्धेन्त्रमः क्या प्रवेडा गुर्मा क्यामार्षः न्याकारम विमित्यागः। ७ षार्षात ठक्त्रम्डित्यापि मिया भक्ताः **ड**ेश्डामि ८७ भोडनेषाम २७४ महा भड़ा। अनमधिवशामः । खटनार्द्धामा मिवडा কাঞাপতিঋ বি-বিষ্ট প্ডলো ভগাদয়ো দেবতা গ্ছাত কন্যাপায়ে। পত্যক্ষেপে বিনিম্মান

निष्ठिः सही द्याक्ष्माकः श्रव्यानित्रामिक्रनामाममञ्जू छैदनाम्बक् कामत्रमात्र सत्रान्द्राकः। किक् मानिन नटमा क्य मिन्टमन्त हरूक्ताम । ० ॥ टाकानिक्यमित्रमूष्ट्रेन्क्रम केटक्ता मियला गृथील-मनोगार श्रुक्षांनारक्षि अख्टिमकामभा कुछ ॥ ४॥ क्षमार्भाङ्म वितम्हें शुक्षमः कन्ता त्मयङा मार म्यूनाटन के कि छाक्रत क्यूनी हर । के बांगर खेवार है छापि ... बनाकीयर कांबानका। बांबा-णांक संवासित्या त्यस मधान मान्यक त्यक्षेत्रतार कर्याक् । त्र कस्तक मन्त्रीत मन्त्रत्ता त्यस्त्रात था थार बक्र व्यक्षव्यवका अध्या अधिका अधिकात पातिमा व्यक्षित वागितिका मर्बन मक्का वांबतमात्र केवि व्यवात्रीलास्य नायत् व्यक्षिक्या-देकात्र क्यांत्रा व्यक्षमरक्षिक भोत्ररकः बाबसमामिक नक्षारक्षाक्षत्र हा हक्ष्यी। यक्षीति भूक्षत्रीकामः मा क्षम्मीकि क्षमि भूक् Madis o s dant unaffigt beiten - mustrag fant den i er ber fan drauten fale. अजिलिका अधिक अस्त है मार ककार खुशुकार मरशुक्ष धामतार फुक्मार गरिह खितार कृषि कृत । किक आकार कमाणिरातः अकुर्यकट्टल विनिष्याताः। ७ हेमार बिम्छ मीष्टः स्रुनुसार स्रुक्तार कृषि।

প্রাধ্যমানা দেবতা গৃহীতকন্যাপাণে: পত্যুক্পে বিনিয়েগণ:। ও মম বাওে ভে কাদরং দ্ধাকু মম চিক্তমসূ-চিক্তং ভেচজ্জ। মম বাচনেকমনা জ্বায র্জন্তিজ্ঞা নিম্নক্ত মাজং । ৬। छत। नमामति छ भवाको (छर) मजाको जिसम्बर्ध । य । टाकानिक वि-विदेशिक प्रकार गृष्टीखकनाम्भारतः अक्राक्टर्भ निर्मित्यारः। ७ ग्रमास्त्री मुक्तर स्था नामास्त्री मुक्तार

कुन क्षेत्रिक त्यानीय का वर्षा मार्थिक क्षेत्र मार्थिक शुरुषिक कुरुष्काता मिक्न केष्कि क्षेत्र मार्थिको मार्थिक मीहाराम्डा । मिर ताहत्म हेजाक मत्मी निमामात्क । मृष्यत्माकः मण्डम्। क्ष्मभीकि क्ष्मता क्ष्मीजि निखितः छत चर्षाः नकुर्षाङ्गि छथा मन्नाम्बि नकुर्छिनिकाः चिष्टामृत् दमत्त्वत् । शुनः शुनः बार्गमान एक्टोका। एक क्ष्मार ट्रेड्ट खन्मार मनः (षत्रताव क्र) मन ठाउँ क्र्मीन मधाङ् बाद्राचन्न क्षाधार-समगरनाकान् युवानाटक्षि शटक्षाधाः शुवान् त्यानटर्गक यावर गुक्रिक फ्कांतर भाषा प्रकाषार ফুঞোবিকঃশন্ত বহুলং ছলসীতি বুক। অংশুগুসুকুব্হাজ্ঞ্নশীতি হেধিভাবঃ। ৪। ও স্থাজী অভয়ে खब हेडगामि--। अप्रटे विषा कमा (मरडा। (ए कमरक ममाको व्यवानवामिनो (शृष्णिकाः) प्रकृत न्यांकी बर्गः त्मीनगर्भः। वा क्या वत् एक क्ष्णामिन् विक्रितिक व्यास्तीकाः विविक्रका

छ< गटत, छैक्टत खिन्न अभिन्यतमत्त्र आमित्रा, काया छ। (त्रमूत मिक्सि) छिशदबभम গুৰ্নিক জমত্তক সমিধ প্ৰকেশ করিয়া, বাস্ত সমন্ত মহাব্যাকৃতি হোম (৬২ পূচী) করিবেম।

e nistrenten, nithaten wie cara geten, frate vicas frata ceten fro aimesa atilicus fwyl Gete uten maffio বধু সহিত উপবিষ্ট কামাত। পুনশ্চ কৰ্মারজে অমত্রক সমিধ প্রকেপ পুর্বক ব্যক্ত সমক্ত নে জোন,নাজবেণৰ স্মীকে ব্যু ক্রাকে গইয়া হাওগা হকত, দল্ভী নেই হানেই (শাসৰ গুৰ্হর ক্লায়) ব্রক্রেণ লৌনভাবে ণ্যদিন সভালোদ্য কাৰ পৰ্যন্ত আৰম্ভান ক্ৰিডেন, পাবে, নক্ৰোদ্য হুইলে, পুন্ত বহিছাপ্ন পুৰ্বন্ধ ছয়বায় আভাহোষ্টি মহাব্যাকভি হোম করিয়া, পশ্চালিধিত মত্তে ষ্ড্ডারা বথাক্তমে ছয়টি আছিঙি দিবেন षक्षक कर्तुनाम्कामार हेन ाथमञ्जयताकारम्याता । अञ्चलकक्षरिक मम् बरक खनम्र मिरवह्मीकि । জান্যক মখ চিত্তমস্তু তে ভার চিত্তমত্ত ভাবতু জাবতোজী দুলৈজনুং ভববিতাবং। কিঞামম বাচং বাধীং এক-मनी: बनमारक्टा: मडी ब्रोके ८मदवा। किन तुरुम्मिडिः खूतककः या प्रारमका मन्द्री नियुत्तक निकामार **ड** ड्रिविवार्डः #।

'क्षकाणिङ्क कि त्रवृष्टे पृष्टमः कन्नात्मत् । उठत्रियात् भागिशक्षकात्काकात्वात्य विनित्त्राभिः। এবং প্রভিক্তি আকালের পরে, ফরে সংলগ্র হত বিদ্ধু বধুর ঘণ্ডকে দিতে হইবে। [क्षि गटनात्रे कृति क क्षमामि धक टाकात] गज बथी,--

ণশাখু নেলাণিধানেৰ্ আধিত্তিৰু (কুকুলারাদিখু) কুছবেরু ছিলকাণখানবিশেবেত্ অব্যারের্বা চকারঃ সর্চেরে अवस्ताम्बन्धासि वासि ८७ छत्र छ।नि ८७ शुनीक्ष्णां काखारहारमस मर्कानारणवानि फक्र नामिब्राष्ट्रक न्याप्तासि নাশ্রামি । ১॥ কেশের মত পাপকং ইভাগি--। কন্যারাং কেশের চিকুরের উক্তির ক্রিনিটে छे खडा दिवार ह भावित्र क्षेत्र प्रकार का अन्य का अपरेरक्या पश्चितक एमार क्रेरत मा, माहण अञ्चल मांच्या आहित। मर्जवर्षे मर्ज्यम प्रत्म अक्षांकाजात मूजिक्यान अप्याम शृतिराज्य असे जिनादश्य नश्मिन महेश। किन निम मात्रक देवजून हिन्दााग्ररकामन छ कृतिराज क्षमाणि नगात नगम इडिएकन । अकाद तारे मक्ना शांचात ना बाकांत्र जांचा मा निविधा मान्यातिक कार्या मक्ना निविधाय। क्षांचरची निविध সাহা। ১। একাণতিঅ বি-ইত্যাদি। ও কেশের যচ পাপক-মীক্ষিতে কৃদিতে ট ও লেখাসভিত্র পক্ষথাবর্ডের চ যানি তে। তানি তে পুণাঞ্জ্য সর্কাণি শমরামাহৎ 田田10年1日 日本年 日日日 中日1 を下の |

ৰং। ডানিতে পুৰ্ভিত্যা সৰ্কাণি শম্মাম্য্য স্থাহা। ১ : এজাপ্তিক সি-। ত শীৰে যাহা। ৩। প্রজাপতিক বি-। ও আরোকের চদতের হত্তয়ো: পাদরোশ্চ ইৎ। ভানি পাপকং ভারিতে হারিতে চমং। তানিতে প্রাছত্য সর্ধাণি শাম্রামাছং श्रीकला मन्त्राति नमग्रामारः यात्रा । । । थाकापालिकामि । ७ के विद्याक्रभीयः জ্জায়ো: সকানের চ মানিতে। তানি তে প্রতিতা সর্বানি শম্রামাছৎ আহা ॥,৫॥ একাপতিষ্ধি। ও যানি কানি চ ঘোরাণি সর্বাদেষ্ তবাভবন্। পুর্বাছতিভিরাজ্যুক্ত

স্কাধি ভোনাৰীখামং সংগ্ৰাভ ৬ ॥

"অনুব্ৰেচনে বংকিকিং পাপকং জাগাজাও চকাবাং বামি বানি শাপকৰ্ণজাজালী কাজি ভে জৰ সংখীনি পুণাছত্যা গালামি ॥ ১ । ও শীলে চ বচ্চ পাপকং ইত্যাদি । শীলে বৃজ্জে চকাবাদাভিকপোচ ভাষিতে ভাৰিতে হসিতে এখন চকাবাদ্গমনে চ যাজনজ্গানীতি গভাৰ্গ। ৩ ॥ ও জাগোক্র চ हैक्सीमि--। च्यारबारक्यू मखारा - हिटळात् ठकात्रारमोग्नेरबाः मरख्यु मन्यान्ये। हन्छ। वामर्वायक्ति balate appetst: foldie 18 11 含色calpole 8 8 11 19—1 医右门 myzia: 1 caalalasis. (विक्यू चारक्यू मक्षांत्रव्यु क्रकानाव्युत्य क वाजशक्ष्यानीहि शहर्थः।। ता । के वासि कानि क क्रकानि⊸ा

80

माम छकात्रत कतित्वम । क्रांमाङ। शूनण्ड वधुरक वाड्डाहतन, व्यक्षांवित्य मित्यहे वर "अधिक्षमुक एमयमर्चनाः, आधिषमुकी एमयी बहेकरूप यधु जाटक पछित नाम भटत, थीज ভংশারে, জামাভা বধুকে এই মত্র 🗢 পড়াইবেন, বধা,—প্রাণ্ডিখ বিরস্থ 🕷 🖰 ছাজে দুরো দেবতা ধ্রমদশনে বিনিয়োগা। ও ধ্রমাসি ধ্রমাহং পত্তিকূলে ভূমাসম্। ১।

লেখা হছিছ। [আল সঞ্জাল বনুর পাঠামল (অভিনিধিলণে) লামাতার পাঠ করা বন্দহার আহছে।] अकर्ष ता मकता गामहोत्र बातान्त्र गमण्डः बद्धानित्र हहेतारह, त्क्षत ते मकल म्द्रांच्छात्र गाँठ बावहात्र बाक्षात्र खादार्थ - गुर्क वह यम ७ गणामिष्ठ यम गाउँ कमाहेता, जामाठा न्यूरक क्षर नक्षत क्षत्र, बस्कारित नक्षत्र तुनाहर जन

শ্লি বিলিগুকা। েহে জক্ষতি জহাতত্তি কাইবাড মনোভীক্ষা বৃত্যক্ষি জ্যাব্রতি তাছ নক্ষাক্ষ্মতী 是可以的 有种类的 () 并以 () , (विविक्तः एक अस्य करममितिहाता छ्यति वकः अञ्चलक्रियामस्मानि अञ्जित्ते क्षिता जुन्नाता नमिलाक् स्कारक्षिकार्थः १७॥ ७ अवमनि अनाक्र निक्रान क्यानः। वक्ष्तिमः अवदिमवकाः अवमन्ति যানি প্ৰয়ঞ্চায়প্ৰিক হোয়াণি কে যাণি তব স্ধালেশ্বলকণাতভবন্ত ভাততীলমং শমিতবানশি

000

ছদেশ। বধুদেবিতা অকলতী দশ্নে বিনিয়োগঃ। ৫ অকল্ডাবক্ষাহম্পি।২। তপেরে, वशुरक व्यवस्थाकन भूत्रक कामांछ। यज श्रीस्तन, यथा, --- धाकाशिष्टिक वित्रष्टे शुक्रमः कष्टा रम्बल् कार्राष्ट्रमञ्जरकरम विज्ञित्यातः। ७ क्षत्रारमो-क्षंत्रा पृथितो क्षतर विवर्षिपमर कशरः। क्यांतः पर्वत् । ब्रह्म क्षत्रा हो पहित्यात स्थार । ६।

कक्कारमनकाका। यथा केकाधाकारा। यथा अधा थिया छाटा का का अधा अधा ह अधि मर्गटन । २ ॥ के अस्ता ८ को -अस्ता नृथिती अस्तः दिवस्ति मित्र । व्याप्तके दिश्यः व्याप्त्र महस्त्रात दिनिष्ठुका नक्षत्रकात्माः केम् सम्बन्धः मधा क अन्तानः विद्याः नार्मकः। ≷स्य ः करवमः स्त्री निर्केन्द्रना अस्य। ज्याक्षिक दलस्य। अन्तरम के कि का कड़ताब्य के का की का मारियान मिना है उस्ति --। व्यक्त निवास व्यक्त मिन-শুকো আমিচেদ্যভাকা। তে বধুতে তব ভিতঃ চকাবাড় দিক স্দয়মভাগ্তিজ্ञাণং আৰক্ষ পরিশেক। বয়াকি আরেপাশেন অনুরোগ্রন্ন শিল্লেটন্ত হত্ত্ত্তীয়ত্ত্ত। মণিনেভূপিমায়াং এতিন। সহ মহাভূতেন মণিনা মণিনামা আমা সাক বছতুত্তন। কিন পুলিন। বয়াতি কিন্তুতেন আবস্তেন আপস্তাজ্ডো यक अमेरक्षक मजरका मानः देन तमनाः भूगाकि तमिष्ठ भूनजनि उत्तम दिनिष्ठारक मकोश्रीक्षमा मकाः

3

্ডৎপরে,বৃষু প্ডিগোট উচ্চারণ মারা সামিকে অভিবাদন করিবেন, ব্পা,—"অভি-बाबरम् अव्यक्त भावा श्रीकामुकी मित्राङ्गित छ।:। छिराम् व गर्छ, अमूक भावा अम्बन्ने तमग्रहा (फाहिकवासरत्र)। भरत्र, भिक्त यशुरंक कार्यान्यामन कतिर्वन, घषी,---

अमुष्टे अक्टमारू मर एम राजा अम्रतामा का निरामा १। ७ जाम भारता मानिमा आपि मुर्द्धन ভোজনাকি ৷--জায়াভা (অরাভিমত্রণ নিমিভ) মত্র পড়িবেন,--প্রজাপডিঅ'মি-अम्बीयान। त्यवंता मन्नाट्नामि मरेवकाथाबीटन विनियामः। ७ वत्मत्मममप्र क्व "ज्यामुमाजी छन रगोरमा मिजामुकीरमयी।" शरत, रकान मधया नात्री शुर्वस्थाशिक कन-अनिकृष्ण कहाएक आधा अवस्थ मात्रा कम महेगा, यथू ७ यत्रतक अधिरत्रक कत्रित्वन । भीरत्र, পুমিনা। ব্যামি সভ্যৱস্থিনা মলশচ জনম্প ভে ।১। প্রজাপতিক হিন্ম্পুপ্ছেশ-ঃ कांगाडा भिष्यं कांक्लभ श्रृक्तक वाख-गगष-महावास्तिडि (हाम (५२ शृधा) क्रित्वन।

अधिविष्ण का अस्ताति (का १०३ के वरम्डिक १९१ स्ट हेन्। किस्टे विषः आविष्णात्रो रेन्द

ছেদ্যোহয়ং দেবত। জয়ছতে বিনিয়োগঃ। ৫ জয়ং প্রাণ্য্য পঙ্কিংশ (পড়িবংশ) স্কেন उनकृष्ण कामकर सम्भा विमान कामकर सम्भावता कामकर अस्तार उत्तार । शाक्रणानिक सिर्विश पिष्णकार्जी

• এ যতে স্বৌধনায়ত বধুনাম এতিয়াণ ক্তিৰ। একতিণ চবিষ্যায় ভোক্ষ এবং উভিছটাল বধুকে প্ৰযাম একং যুগুমি বা আজিঅমুকী দেবি ভ আমানা । ও। পারে, জামাত। (যানারোছণ জনা) মত্র পড়ি-

তাকা অব্টোল্কালাব্নে বিনিষ্কা আবেবোল্পট্ডকা: কবজিতাব্:। ২ ॥ ত'আয়ং আবারত গত জিলাশ গেভি:-निनाहरूत कुठी के जिन्देन भागा द्राहम न्यूनिक नदूरक मरेशा न्यूहरू वामनन अपृत्ति कांदा नानशत माहे, त्रमन कवारमच्छी व काण)रकम मन्नामि चाटमी। विभाव्यमञीयः भमकरको विनितृष्का भग्नतमञ्जा। हर वधु स्थातः भागनीतः वीनिक बाह्यालक नेक्डिंग्यः (शक्तिमः) वस्तार बर्डाह्डल्या या यार फट्नो णक्र चर्छा वश्रामि वनी-নংমোসাকলোর অকার লোগীকঃ গর্কিমো (পড়ি বংশো) বছনে এলাজন জম্লোমলণওরোরিডাভিনান-करतामि । नक्षिकम कृषि नटक्षित्मक् म् क्ष्मगीकि क्यानगः निनाउदनार उपन्छ क्षाताक कृषि 5 कृष्क काकः ८०६ ७ व्यक्तिकक्तक्राणि —। क्रिके विषय स्था (यातः) त्यास्ता विजिष्का। क्षार्तस्य क्षा nn with wal en, ten gene faffenffe :

ফুৰ্ডাক গছী হংগ। ফুৰ্বেয়েহ হুৰ্বাকালিকাৰাং উপচায়েং। আক্তাব্যু নাভঃ) ককা। হে হুৰ্ব্য ছে বধু বহন্তঃ হাতাং লগা লোগেছ আনক্রাম । জাদিতাকু পদীব আদিতাক রথং কিছুতং শাসুলিং শাসুলিগুশুদিব সুস্তভাগে সুকিংগুকং শোভনশ্বাৰপুৰ্বভিং রঞ্মিজাগা। ভ্ৰাবিষ্ঠান স্থানিষ্ঠান স্থানির্থ স্থাবিশ্ স্থাকান কালিং মুক্তভং মুইুকুকং মুচকুং এলাজ্যপাশং তথা অনুভত পানীয়তা নাতিমুৎপালিম্বানং এতিয়ুক্তণ ভৰতিয়া ভৰাপোৰ প্ৰসংশীৰণভৰনধাজনোম্ংপজিয়ানং ভৰভিত্যশং। কিছ ভোনং সুধং পাডে ক্ষিতিন জুমুৰ ক্ষা পুৰ্ণোটি পুৰ্যাদেশবভারণ চাপ্ৰজন্য ইতি চাপ্র ৪। 🄞 মানিদন্ ইত্যাদি ---। নাজিং জ্যোনং পট্ডা বহনতে কুপুধ। ৪। চিতুস্প্যাসলীৰ মতা,—প্ৰজাপতিক বি-त्रमुद्धे अ्षमः अधारमा स्मयका छक्ष्माथामाम्यात रिनिस्मातः। उत्ता विषम् अतिभिष्टिना त्यत, यथा,--शकानिष्यं तिबिहेन् हमः कछात्मत्र । यानात्त्रावत् विनित्त्रांशः। ও শুকিং শুকং শাআলিং বিষয়পং সূবৰ্বব্ সুকুতং সূচকং। আরোহ সূর্যেহিমূতস্থ য আস্দিতি দক্তা সুগোতিছ গ্মতীতামপথাত্ত্রাত্য:। ৫।

(• 4 4 5 •)

ুরনচর্মীপ্রেশন করা মত্ত পাঠ। প্রজাপ্তিজ দির্মুথ্ন ভ্রেদ। গ্রাদ্রো দেবত। জনভূচচৰেমাণিবেশনে বিনিয়োগঃ। ও ইহ গাবঃ প্ৰয়োগধমিহায়। ইহ প্ৰমা ইহে मध्ये मिक्टनीकिण श्रम चित्रीमङ् । ७।

881 জাণীবাক আংগজন্ত । পুরিপাছিন ইকি জন্দি পরিগছি প্রিপরিগোপগবভাতরীতি ইনিঃ। সংগতিরিতি স্থাপেন গ্যাডেইংরেতি সূত্রেছিবিহবিশ্বতা ইতিতঃ বছলং ছন্দ্রীতি ঐশ্ন ভবতি। ছুর্মান্তি कारको निविधिक्यतिकोशः नाक्ष्यत्यो मन्तिनम् माखनामः। जिल्लकारकारकोतः प्र-कानोजिक्त त्य कादकक्षिक किए प्रत्यक्ति प्रमादेत महिनेत्र कर्तमार्थमहोडाः कडिमात्रम हेडाः शक्तहार मण्यादी । किकास्मिनात्रा-भूक्षिक्का । हा । केर भाषा होतामि —ा ज्युट्रे निमा प्रध्यायामा विभिन्न । ग्रामिका ग्रामिका प्रमाणा । विष् অধিমন্ দল্পতিয়াং দখমিনি গুছে ছে পাবং ধুষং এজায়পনং পূৰ্বশৌতানিস্কতিছাৱেণ প্ৰস্তা ভবত। তথা চ গোধনানি সহুনি উৎ ালগিতা।শংসা। ভগ অখাতথা পুজন। পুলাগত উৎপদাসামিতি टमार । के मामण्यत्व मेक्सकद्व का कति कार्य । हेर करियम् ग्रह जम्म जनत्व नियमिक् छेभित्रक्ते। किक्स अस्ताम क्षित्र का अस्ताम क्षा क्षा क्षा क्षा क्षा क्षा का अस्ता क्षा का अस्ता का अस्ता का अस्ता का अस्ता

डेपर्यम्म कत्रावेश, खेवात वर्ष्य कत्र मुलामि छक्ष्य क्ष्य फिर्यम। पर्त, काथाणा निष्धरक ভংশারে, সধ্য। রাজনীয়ে সমূদ জোড়ে দেনি সক্তিচুড় গ্ৰাক রাজন কুমারকে

डेडाडेश, श्रंड ध्यायामि कतित्यम्।

শামতে,--"সংঘত্ত প্রতনামাদি" এই ক্রমে অগ্রির নাম: করণ ও আবাহনাদি

ধুতি-হোম।

ক্রিয়া, সমিধ প্রকেশ পুর্বক ব্যক্ত সমস্ত মহাব্যাক্তি হোম (৬২ পুষ্ঠা) করিয়া, স্বত্থারা

माहेतात माहे घटल आएंडि मिरतम।

💣 ইক্ পুডিরিক্ মগুভিরিক্ রছি (এজি) রিহুরমায়। মুলি গুভিম্যি সধুভিম্তির্মী মুলি রমায়। আই ं षाडे मह्यत्वते स्वाति माथात्व ज्यवीद धक टाकात् ।

उथा कुछ क्रमेंत्रक बहुवर्षक शृक्षिः हेरू वृष्टिः प्रमुष् क्रोका त्रम्य मंत्रा मरहि छ भावः । किथा मन्त्रि किथि ৰিমা কৃষ্টা: বধ্দেৰতাকা: পুভিৰেন্ধে বিনিষ্কা:। ছে বধু ইছ অজিন্ গুছে তব পুতিৰ্মন; প্ৰসাধো ভৰু।

ও ইছরমধ বাছা। গ ণুমরি গুডিঃ বাছা। ৫। ও মরি বয়ুডিঃ বাছা।৬। মন্ত যথা ,--- বিজ্ঞাপতিক মির্হতীছন্দে। বধুদেবিত। গুডিছোমে বিনিরোধ। ওঁ ইছ গুডিঃ ফাহা।১। ৩' ইছ অগুডিঃ ফাহা।২। ৩' ইছর রভি (রডিঃ) ফাহা। ৭

ও ময়িরমঃ আহা। ৭। ও মরি বমস্থ আহা। ৮।

ঞ্জিমুকী দেমী ভো মাভিবাদ্যে। পরে, জামাতা ব্যস্ত-সমস্ত মহাব্যাক্সতি হোম (৬২ তংশলৈ, কামাতা চত লেকিত স্মিধ অম্জক অ্গিডে দিবেন এবং বধু ব্যোজ্যে কৈ षिशदक भिक-त्यारखारसंच भूकि व्यज्ञितामम (क्षाम्म) कतिरवम, वथा ,-- षमुक् त्याजा श्रमा) कत्रित्य ।

25%

ाहिः स्था भित्र ब्रह्मा छव दृष्टित्रक मित्र यद्धिः प्रज प्रशियक दक्ष्त्रतीय ह A- - LANS

ভাগ "হিকুশংকৰমালাৱ" আকাৰে তুলটকাগজে নুতন জকরে প্রায় ভিনশত চৌষটি পুঠায় মুডিত ইহা গুহে রাখাও গুহুত্বের বিশেষ মদল জনক, কিন্তু ইহা এণব্যস্ত সর্বাব্যবসম্পাল ও বিশুষ্করণ সংশ্বরণ বিস্তুত টীকা ও ঐ টীকাসমত প্রকাশকরত মূলাহুয়ারী সরল অস্থাদ সহ (মূল চণ্ডী) বিশুদ্ধ দূপে সন্ত্র্ম-হয় নাই, এই বিবেচনায় জনোকের অন্থরোধে বথাপাধ্য বিস্তৃত ও বিশুদ্ধ করিয়া, ইহা একাশ করা সংকেপ কৰচ, দটীক দেবীস্ক ও প্ৰিছন্দাদি এবং জীমদ্গোপাল চন ভীকৃত ভিৰুপ্ৰাশিকা, নাষ্ট্ৰী হইয়াছে। নৰ্পরসভাৰসম্বিত সৰ্কাভিইপ্রায়ক চণ্ডীয় ভায় ভক্তিপূৰ্ণ শেষ্ডম হোত্তায় আছি নির্বা देशरक छजीयाज्ञि माधावन भूतान भाठेयनानी, ज्यादुष्टिम्द्याक्षाक्षी छजीयार्ड कम, छछोत्र माज्य, হ্রাস, ধ্যান ও পুঞা এনং সক্ষেকার মতামত স্বলিত ব্যুব্যাদি, ভাগ্লা ও কলিকতার, বৃষ্ণক্ষ্য, হইল। দাধারণের স্থবিধার জন্য মূল্যও যথাসাধ্য স্থলভাশ জনানা মাত্র ধাধ্য হইষ্ট্রে। ঞ চথীই কেবল দীকা ব্যতীত সমস্ত আছে। । আট আনা।

ক্রেশাস্তীয় "মূল" মংকত মূলাহ্যায়ী তেক্তিশা প্রকার পত্তদেশ অন্তবাদ ও প্রশাদি এবার ক্রিছত দিভীয় সংকরণ "সত্যনারায়ণ এত" ০/০ ছই আন।। व्यर् विक्रम्भ महत्त्व कतिया त्वास हरेबार छ।

किनिकांडा, —८भाः, वत्राह्मगत्र, भानगांछ-इङ्जाक्का শীগমথনাথ স্মৃতিরত্ন ভটোচার্য।